Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

(An Autonomus Body under Ministry of Culture, Government of India)

ANNUAL REPORT

FOR THE YEAR 2021-22

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन : २०२१-२२

आज़ाद भवन

आई.बी. -१६६, सेक्टर-III, सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६

आज़ाद संग्रहालय

५, अशरफ मिस्त्री लेन (बालीगंज सर्कुलर रोड), कोलकाता – ७०० ०१९

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

एक नजर में

- **मौलाना आज़ाद संग्रहालय** : ५, अशरफ़ मिस्त्री लेन, कोलकाता – ७०० ०१९
- **आज़ाद भवन** : आई.बी. -१६६, सेक्टर-III, सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
  कार्यालय खंड; पुस्तकालय एवं वाचनालय, प्रेक्षागृह, शोधार्थी कार्य केन्द्र एवं अतिथि गृह

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान का संगठनात्मक स्वरूप

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान	पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल, अध्यक्ष

↓

कार्यकारी परिषद्, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष एवं सदस्य

↓

निदेशक, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

प्रशासन / वित्त	पुस्तकालय/संग्रहालय/दीर्घा

सोसाइटी – मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१. **महामहिम श्री जगदीप धनखड़**
पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल एवं सोसाइटी के अध्यक्ष,
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान,
राजभवन, कोलकाता – ७०० ०६२

२. **श्री अरिंदम मुखर्जी**
सोसाइटी के उपाध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान एवं
सचिव, सामाजिक – सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान,
४८/२, डॉ सुरेश सरकार रोड, कोलकाता – ७०० ०१४

३. **सचिव,**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा संख्या – ३१८, सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

४. **सचिव,**
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-११० ००१

५. **संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा संख्या – ३१८, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली – ११० ००१

६. **उप महानिदेशक**
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्
(आईसीसीआर),
आज़ाद भवन, आईपी स्टेट,
नई दिल्ली – ११० ००२

७. **प्रो. वी. के मल्होत्रा**
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
(आईसीएसएसआर) अरूणा असाफ अली मार्ग,
नई दिल्ली – ११० ०६७

८. **डॉ. ओम जी उपाध्याय**
निदेशक (अनुसंधान) भारतीय परिषद्
ऐतिहासिक अनुसंधान (आईसीएचआर)
३५, फिरोजशाह रोड
नईदिल्ली – ११० ००१

९. **प्रो. जे. एस. राजपूत**
पूर्व अध्यक्ष, एनसीईआरटी
ए-१६, सेक्टर पी –७, मित्रा सोसाइटी, (इन्क्लेव)
(ग्रेटर वैली स्कूल के विपरीत)
ग्रेटर नोएडा – २०१ ३१०

१०. **प्रो. वी. सूर्यनारायण**
एच ११२-५, १८वाँ क्रॉस स्ट्रीट,
बेसंत नगर,
चेन्नई – ६०० ०९०

११. **डॉ. एस. उत्तम कुमार जमदाग्नि**
९/४, मेट्र स्ट्रीट, साई नगर,
वीरूगमबक्कम,
चेन्नई – ६०० ०९२

१२. **प्रो. दीपंकर सेनगुप्ता**
अर्थशास्त्र विभाग
जम्मू विश्वविद्यालय
जम्मू, जम्मू और कश्मीर - १८०००६

१३. **डॉ. सुरेश आर**
एसोसियेट प्रोफेसर एवं निदेशक,
वी. के. कृष्ण मेनन अन्तरराष्ट्रीय संबंध अध्ययन केन्द्र,
राजनीति विज्ञान विभाग
केरल विश्वविद्यालय
तिरूवनन्तपुरम
केरल – ६९५ ५८१

१४. **डॉ. राजीव नयन**
एशियाई सुरक्षा एवं रक्षा विश्लेषक
रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषक संस्थान (आईडीएसए)
१, डेवलॉपमेंट एन्क्लेव (यूएसआई के समीप)
राव तुला राम मार्ग,
नई दिल्ली – ११० ०१०

१५. **प्रो. प्रियंकर उपाध्याय**
यूनेस्को चेयर मानवीय शांति अनुसंधान केन्द्र,
शांति एवं अन्तरसांस्कृतिक समझ के लिए
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)
वाराणसी – २२१००५

१६. **प्रो. चन्द्र शेखर**
फारसी विभाग के प्रमुख
दिल्ली विश्वविद्यालय
कमरा संख्या- ८१, कला संकाय,
साउथ मोती बाग, साउथ कैंपस,
दिल्ली –११० ०२१

१७. **प्रो. के. वारिकू**
आंतरिक एशिया एवं केन्द्रीय एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन स्कूल
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली – ११० ०६७

सोसाइटी – मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१८. **प्रो. अश्विनी कुमार महापात्र**
पश्चिम एशियाई,दक्षिण एशियाई एवं
केन्द्रीय एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन स्कूल,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली – ११० ०६७

१९. **प्रो. आर. के. मिश्रा**
राजनीति विज्ञान विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य भवन, यूनिवर्सिटि रोड,
बाबूगंज, हसनगंज
लखनऊ – २२६ ००७ उत्तर प्रदेश

२०. **प्रो. पूरबी राय**
अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सेवानिवृत्त प्रोफेसर
जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
४७सी, अब्दुल हलीम लेन, कोलकाता -७०००१६
(मदर टेरेसा शिशु भवन के पास, केएमसी गैरेज)

२१. **प्रो. रिपू सुदन सिंह**
पश्चिम एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
राजनीति विज्ञान विभाग
बाबासाहब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय
सी-७७ दक्षिण शहर, रायबरेली रोड,
लखनऊ – २२६ ०२५

२२. **प्रो. जी गोपाल रेड्डी**
सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली
एच न. ३-५-१९९/बी/७, हरिविहार कॉलोनी,
नारायण गुडा, हैदराबाद – ५०० ०२९
तेलांगना

२३. **श्री बिनोद बावरी**
बावरी समूह
७वां तल, ३ए इकोस्पेस,
न्यू टाउन, राजारहाट,
कोलकाता – ७०० १५६

२४. **प्रो. शांतिश्री धुलीपुदी पंडित,**
प्रोफेसर, राजनीति विभाग एवं लोक प्रशासन विभाग,
सावित्री बाई फूले पूणे विश्वविद्यालय, (पूर्व में पूणे विश्वविद्यालय),
गणेशखिंड, पुणे – ४११ ००७, महाराष्ट्र

२५. **प्रो. निखिलेश गुहा**
सेवानिवृत प्रोफेसर, इतिहास, **कल्याणी** विश्वविद्यालय,
६५-ए, जोराबागान रोड,
नाकतल्ला – ७०० ०४७

२६. **डॉ. अमरजीव लोचन**
अध्यक्ष,
दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व संस्कृति एवं धर्म संघ,
(एसएसईएएसआर) एवं महासचिव अन्तरराष्ट्रीय सांस्कृतिक
अध्ययन केन्द्र (आईसीसीएस)
९५, विद्या विहार, रिंग रोड, नई दिल्ली – ११० ०९५

२७. **डॉ. पी. एम. कमाथ**
अध्यक्ष और माननीय निदेशक,
वी पी एम सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (रजि.)
४३, रीता अपार्टमेंट्स,
देवीदयाल रोड, मुलुंड (पश्चिम), मुम्बई –४०० ०८०

२८. **श्री सुदेश वर्मा**
प्रसिद्ध पत्रकार/लेखक,
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवनीकार

२९. **श्री कंचन गुप्ता**
पूर्व संयुक्त संपादक, दैनिक "पायनियर"
बी १-१०१, स्टेलर सिग्मा अपार्टमेंट्स
सेक्टर सिग्मा ४
ग्रेटर नोएडा – २०१ ३१०

३०. **कुलपति**
कलकत्ता विश्वविद्यालय
८३/१, कॉलेज स्ट्रीट
कोलकाता – ७०० ०७३

३१. **सचिव,पश्चिम बंगाल सरकार**
उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सामाजिक शिक्षा शाखा,
बिकास भवन, केन्द्रीय विस्टा, सॉल्टलेक,
कोलकाता-७०० ०९१

३२. **प्रो. सुभाष रंजन चक्रवर्ती**
उपाध्यक्ष
द एसियाटिक सोसाइटी, बीबी-४५, फ्लैट नं १
सॉल्टलेक सिटि,
कोलकाता - ७०० ०६४

३३. **प्रो. अनुराधा लोहिया**
कुलपति
प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, ८६/१, कॉलेज स्ट्रीट,
कोलकाता – ७०० ०७३

३४. **रिक्त**
(पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा नामित)

३५. **निदेशक**
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान,
सदस्य सचिव

कार्यकारी परिषद्
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१. **प्रो. सुजीत कुमार घोष**
अध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
ब्लॉक – आई बी, सेक्टर -III, सॉल्टलेक सिटि
कोलकाता – ७०० १०६

२. **प्रो. के. सी. बराल**
उपाध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई
अध्ययन संस्थान
भारतीय अध्ययन के प्रोफेसर तथा पूर्व उप-कुलपति
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद
विश्वविद्यालय
टरनाका के समीप, हैदराबाद – ५००००७, तेलांगना

३. **सचिव, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,**
कमरा संख्या ५०२- सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

४. **अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
कमरा संख्या ३१८ सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

५. **सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार**
उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
सामाजिक शिक्षा शाखा,
बिकास भवन, केन्द्रीय विस्टा, सॉल्टलेक,
कोलकाता – ७०० ०९१

६. **प्रो. आई. एस. चौहान**
पूर्व कुलपति एवं राजदूत (फिजि)
४, ऋषि नगर, चार इमली
भोपाल - ४६२०१६

७. **डॉ. के. एस. चक्रवर्ती**
क्षेत्रीय निदेशक
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
कॉलेज टिल्ला, अगरतल्ला – ७९९००४, त्रिपुरा

८. **प्रो. स्मृतिकुमार सरकार**
पूर्व कुलपति
वर्धमान विश्वविद्यालय
५७/२, बी.सी. चटर्जी स्ट्रीट
बेलघरिया, कोलकाता – ७०००५६

९ **प्रो. ओम प्रकाश मिश्रा**
अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग
जादवपुर विश्वविद्यालय
कोलकाता -700032

१०. **डॉ. श्रीराधा दत्ता**
सेंटर हेड, नेबरहुड स्टडीज और सीनियर फेलो
विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन
3, सैन मार्टिन मार्ग, चाणक्यपुरी
नई दिल्ली - 110021

११. **निदेशक,**
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान –

वित्तीय समिति – मकायास

१. **अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार-अध्यक्ष**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
३१८ सी, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -११० ००१

२. **प्रो. के. सी. बराल**
कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष,
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संसथान, कोलकाता

३. **प्रो. कुमार रत्नम**
सदस्य सचिव
इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च,
नई दिल्ली

४. **प्रो. एस. के. यादव**
निदेशक, स्कुल ऑफ लॉ,
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

५. **निदेशक, मकायास, (पदेन सदस्य)**

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (MAKAIAS) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन है। संस्थान 19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक/प्रशासनिक विकास पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान और सीखने का एक केंद्र है, जिसमें भारत के साथ उनके संबंधों पर विशेष जोर दिया गया है। यह मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन और कार्यों पर भी केंद्रित है। प्रारंभ में, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और पश्चिम एशिया में आधुनिक और समकालीन मामलों पर जोर दिया गया था, और पूर्व सोवियत संघ (उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान) के पांच मध्य एशिया के तुर्की, ईरान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश गणराज्यों पर क्षेत्रीय अध्ययन किया गया था। संस्थान ने अब भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, दक्षिण पूर्व एशिया और चीन में अध्ययन के क्षेत्र का विस्तार किया है।

संस्थान कोलकाता में मौलाना आज़ाद के पूर्व निवास पर एक व्यक्तित्व संग्रहालय का रखरखाव करता है। संग्रहालय एक विशिष्ट राष्ट्रीय नेता और विचारक के रूप में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालता है। संस्थान के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है जो भारत और उसके बाहर के सभी हिस्सों के विद्वानों को आकर्षित करता है। यह नियमित रूप से सम्मेलनों, विशेष व्याख्यानों, कार्यशालाओं, निधि अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन करता है।

मकायास के माननीय आज़ाद फेलो द्वारा शुरू की गई शोध परियोजना

प्राचीन और मध्ययुगीन काल के सामाजिक-धार्मिक संदर्भों पर विशेष जोर देने के साथ मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के इंटरएक्टिव नेटवर्क को फिर से देखने के लिए साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोतों का सर्वेक्षण

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय

आज़ाद फेलो, मकायास

विजिटिंग फैकल्टी, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता

गेस्ट फैकल्टी, वेस्ट बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात

सामाजिक विज्ञान के पूर्व विवेकानंद चेयर प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

पूर्व 'परेश चंद्र चटर्जी इतिहास के प्रोफेसर', प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता

पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पुरातत्व विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय

मेरे प्रस्तावित शोध का उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप के हिमालय और उप-हिमालयी क्षेत्रों के तथाकथित सीमावर्ती क्षेत्रों में प्राचीन समाजों के सांस्कृतिक मैट्रिसेस का पुनर्निर्माण करना और एशियाई दुनिया के साथ इसके संबंध को उजागर करना है। कुल क्षेत्र के सांस्कृतिक पच्चीकारी से संबंधित संपूर्ण निष्कर्षों को निकालना बहुत मुश्किल है, जहां से हमने प्राचीन समाजों से संबंधित बहुआयामी पुरातात्विक और साथ ही भाषाई डेटाबेस एकत्र किए हैं। दूसरी ओर, प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों और प्राचीन समुदायों के उदय, विकास और फैलाव और उनके सांस्कृतिक संदर्भों को प्रस्तुत करने वाले शोध कार्यों की एक बड़ी संख्या मौजूद है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि यदि कोई डी.टी. पॉट्स द्वारा संपादित दो खंडों में ए कंपेनियन टू द आर्कियोलॉजी ऑफ द एंशियंट नियर-ईस्ट को पढ़ता है, तो उसे आसानी से सिनॉप्टिक-फ्रेमवर्क के साथ-साथ स्पष्टीकरण भी मिल सकता है। वॉल्यूम बाद के मुद्दों के औचित्य को प्रस्तुत करने के लिए भौगोलिक, स्थलाकृतिक, जल विज्ञान और जलवायु संबंधी पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हैं। इसके अलावा, प्रारंभिक उत्खनन, पुरातात्विक अभ्यास के राजनीतिक आयाम, पुरावशेषों में व्यापार, और प्राचीन निकट पूर्व सांस्कृतिक क्षितिज का विनाश, खंड उप-विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। एक ओर, अनातोलियन क्षेत्र में होलोसीन अनुकूलन की शुरुआत, दक्षिण पश्चिम एशिया में कृषि-देहाती समाजों का आगमन, पशु-पालन, सिंचाई प्रणाली, जल शिल्प, चीनी मिट्टी के उत्पादन, धातु विज्ञान का समेकन; दूसरी ओर उत्तरी और दक्षिणी लेवांते, उत्तरी और दक्षिणी मेसोपोटामिया, अरब प्रायद्वीप, ईरानी पठार, दक्षिण-पश्चिमी ईरान में शुरुआती गाँव और शहर के जीवन की किस्में और जाहिर तौर पर मेसोपोटामिया, मिस्र, एकेमेनिड हार्टलैंड में विकसित साम्राज्यों की पुरातत्व नियर-ईस्ट में रोमन शासन, बीजान्टिन और ससैनियन साम्राज्य।

दिलीप के. चक्रवर्ती ने अपने हालिया काम 'द बॉर्डरलैंड्स एंड बाउंडरीज ऑफ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' में तथाकथित सीमावर्ती क्षेत्रों और बलूचिस्तान से अराकान-म्यांमार क्षेत्र तक फैले एक सांस्कृतिक जाल के संदर्भ में प्रमुख अवधारणाओं पर प्रकाश डाला है। वर्तमान उद्देश्य एक नए प्रकाश में चक्रवर्ती के सिद्धांत की खोज करने की ओर उन्मुख है। यूरेशियन स्टेप्स, मंगोलिया, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, पामीर पर्वतीय क्षेत्र, शिनजियांग के चीनी प्रांत, तुर्कमेनिस्तान, लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश के भौगोलिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण के साथ-साथ मध्य एशिया, ईरान, अफगानिस्तान के शैक्षणिक संदर्भों से संबंधित विभिन्न निष्कर्षों की खोज करते हुए। , म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्र, "विभिन्न सीमा रेखाएँ, जो

19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में समय-समय पर उपमहाद्वीप को उसके थलचर पड़ोसियों के संबंध में परिभाषित करने के लिए खींची गई थीं, समकालीन राजनीतिक के उत्पाद थे।

परिस्थितियों और बातचीत करने वाली सरकार के बीच आम सहमति लेकिन इन सीमा रेखाओं की स्पष्ट सटीकता के पीछे, जिसे हम सीमावर्ती क्षेत्र कह सकते हैं, एक बातचीत क्षेत्र छिपा हुआ है, जो एक बिंदु पर बलूचिस्तान से और दूसरे पर अराकानयोमा पहाड़ियों से फैला हुआ है।

इसके अलावा, इस विषय की और खोजबीन करने पर, दो विशेष बिंदु मुझे सबसे अधिक प्रभावित करते हैं: (1) धर्म ने बस्तियों के धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक विस्तार, भूमि मार्गों के निर्माण, व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ अस्तित्व की रणनीतियों के बदलते संदर्भों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और (2) हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्रों में आम जनसंख्या समूह अपनी भाषाओं के साथ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसका पता लगाया जाना चाहिए। यहाँ, मुझे यह उल्लेख करना चाहिए कि शैवाचार्य के साम्राज्य और बाद के बौद्ध धर्म विशेष रूप से लोकेश्वरविष्णु छवियों के प्रसार से संबंधित हमारी खोजों की खोज करते हुए, हमने गतिविधि के एक प्रमुख केंद्र और अन्य के बीच संबंध को छुआ है। उदाहरण के लिए, नेपाल में शैववाद का स्पष्ट रूप से उत्तर बंगाल में और उसके आसपास शैव विचारधारा के उदय और विकास के साथ संबंध था। दूसरी ओर, तिब्बती ग्रंथों और बोधिसत्व बौद्ध धर्म के उदय का उत्तरी और दक्षिणी बिहार और प्राचीन बंगाल के आसपास के हिस्सों के साथ पर्याप्त संपर्क था। इस क्षेत्र में बौद्ध मठ और उनकी कार्यप्रणाली एक प्रसिद्ध मामला है। कोई यह नोट कर सकता है कि कभी-कभी हमें कर्मकांडों या संस्कार और संस्कार के साथ भ्रम होता है और हम सोचते हैं कि ये कठोर धार्मिक व्यवस्थाओं के अंग हैं। विभिन्न सामाजिक समूहों की गतिशीलता और पुरानी दुनिया के सांस्कृतिक पच्चीकारी को पूर्वजों और हमारी सांस्कृतिक भूमिकाओं के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए जो कार्यों की अधिकता में निर्दिष्ट की गई हैं।

प्रस्तावित अनुसंधान इन संवादात्मक नेटवर्क के संदर्भ में युगों से धर्म द्वारा निभाई गई भूमिका को महत्व देगा, और अंतर्क्षेत्रीय विविधताओं के साथ उनके असर को जानने का भी प्रयास करेगा। उदाहरण के लिए, उपर्युक्त भौगोलिक स्थान के बड़े सामाजिक-धार्मिक प्रतिमानों का अध्ययन करते समय भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तर-पूर्वी भाग स्पष्ट रूप से उपेक्षित रहता है। यदि संभव हो तो, वर्तमान शोध 'फ्रंटियर' बंगाल में इस्लाम के योगदान को समझने का प्रयास करेगा, विशेष रूप से वर्तमान बांग्लादेश, अराकान और बड़े दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रों में इस्लामी सिद्धांतों के प्रसार के संबंध में।

चूंकि एशियाई अध्ययन मकायास के अनुसंधान कार्यक्रम का एक प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है, इसलिए प्रस्तावित कार्य उनके उद्देश्य को और आगे बढ़ा सकता है। फेलोशिप के अलावा, लाइब्रेरी सुविधाओं सहित अन्य लॉजिस्टिक सपोर्ट निश्चित रूप से मुझे संबंधित विषय में गहन शोध कार्य करने की गुंजाइश प्रदान करेगा।

मकायास के आंतरिक साथियों द्वारा किए गए अनुसंधान परियोजनाएं

श्री अमित बर्मन

उत्तर पूर्व भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में इंटरएक्टिव नेटवर्क और पर्यटन: असम और म्यांमार का एक केस स्टडी

पर्यटन किसी भी देश या क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन उद्योग में उच्च दर से बढ़ने और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के परिणामी विकास को सुनिश्चित करने की क्षमता है। यह सेवा क्षेत्र में देश की सफलता से लाभान्वित हो सकता है और विकास के स्थायी मॉडल प्रदान कर सकता है। पर्यटन क्षेत्र कृषि, बागवानी, मुर्गीपालन, हस्तशिल्प, परिवहन, निर्माण आदि जैसे अन्य आर्थिक क्षेत्रों को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन व्यय से निकलने वाली खपत की मांग भी अधिक रोजगार को प्रेरित करती है और अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव उत्पन्न करती है। पर्यटन उद्योग में कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित करने का अनूठा लाभ है। यह स्थानीय लोगों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करता है। उत्तर पूर्व भारत में दोहन की अपार क्षमता है। किसी भी क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस क्षेत्र में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह तिब्बत (चीन), म्यांमार, भूटान और बांग्लादेश जैसी कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से घिरा हुआ है। दूसरी ओर, यह क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थानों, संस्कृति, खान-पान और परंपरा से बहुत समृद्ध है, जो पर्यटकों को आसानी से इस क्षेत्र की यात्रा के लिए आकर्षित कर सकता है।

हालांकि इसमें विकास की क्षमता है, इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे बुनियादी सुविधाओं की कमी, कनेक्टिविटी की कमी, पर्यटन क्षेत्र में कौशल की कमी, उग्रवाद आदि। परिणामस्वरूप, यह क्षेत्र अविकसित रहता है। हालाँकि, 'लुक ईस्ट पॉलिसी' का नाम बदलकर 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' करने के बाद, कई कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट तेजी से चल रहे हैं। इसलिए, इसी संदर्भ में, वर्तमान अध्ययन म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों के संबंध में उत्तर पूर्व भारत में पर्यटन विकास की संभावनाओं को समझने की कोशिश करता है।

श्री अर्का चौधरी

प्रतिवाद, प्रौद्योगिकी और शाही सीमा: भारत और मध्य एशिया की उत्तर-पश्चिम सीमा, छोटे युद्धों से कुल युद्ध तक, 1850-1947

क्या औपनिवेशिक भारत में सीमा युद्ध की प्रतीत होने वाली अराजक प्रकृति के अंतर्निहित ठोस तर्क का पता लगाना संभव है? औपनिवेशिक प्रतिवाद के संदर्भ में युद्ध, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बीच क्या संबंध है? क्या ब्रिटिश-भारतीय सेना ने भारत की सीमाओं में अपने अभियानों में 'न्यूनतम बल' के सिद्धांत का पालन किया था? सैन्य प्रौद्योगिकी ने ब्रिटिश भारतीय सेना के युद्ध के सैद्धांतिक विकास को किस हद तक प्रभावित किया? अंत में, आज दुनिया में किस हद तक औपनिवेशिक प्रतिवाद प्रतिवाद के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान कर सकता है? ये केंद्रीय प्रश्न हैं जिनके चारों ओर प्रस्तावित कार्य घूमता है। इसका उद्देश्य भारत की अस्थिर और अस्थिर सीमाओं में ब्रिटिश भारतीय सेना के उग्रवाद विरोधी युद्ध में एक प्रवेश बिंदु के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है ताकि यह विश्लेषण किया जा सके कि युद्ध के परिणाम में प्रौद्योगिकी कैसे एक निर्धारक कारक हो सकती है।

प्रस्तावित कार्य भारत की सीमाओं में ब्रिटिश साम्राज्य-निर्माण के विचार पर फिर से विचार करने का प्रयास करता है। उनकी बहस और विचार-विमर्श में मौजूदा साहित्य राज्य गठन के संबंध में उत्तर-पश्चिम सीमांतों में मध्य एशिया तक फैले आदिवासियों की संस्थानों को नकारता है। उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में अफगानिस्तान में ब्रिटिश-भारतीय सेना का आक्रमण इस तथ्य को प्रदर्शित करता है कि अफगान अमीर के शासन को मजबूत करने के बजाय, यह उसके अधिकार को अस्थिर करने के लिए प्रवृत्त हुआ और इस तरह उसकी वैधता और उसके प्रति निष्ठा को कम कर दिया। इसलिए, थीसिस औपनिवेशिक आतंकवाद विरोधी अभियान से प्राप्त सबक और आज के संदर्भ में उनके व्यावहारिक निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय सीमाओं में राज्य-निर्माण की संपूर्ण धारणा को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करती है।

सुश्री बरनाली शर्मा

प्रवासन शहरीकरण की ओर ले जाता है: प्रवासी स्ट्रीट वेंडर्स और उनके गुवाहाटी शहर में आजीविका का एक अध्ययन

प्रवासन जनसंख्या के आकार, वितरण और वृद्धि को उसकी संरचना और विशेषताओं के साथ निर्धारित करता है। प्रवासन हमेशा आजीविका का एक घटक रहा है और ग्रामीण भारत में सबसे गरीब वर्ग के बीच मुख्य रूप से श्रम की मौसमी गतिशीलता के रूप में अपनाई गई सबसे महत्वपूर्ण आजीविका रणनीतियों में से एक है। यह अध्ययन उन सामाजिक-आर्थिक कारकों का विश्लेषण करने का प्रयास करता है जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवासन में भिन्नता की व्याख्या करते हैं। इस प्रकार स्ट्रीट वेंडर न केवल अनौपचारिक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग भी हैं। भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(जी) सभी भारतीय नागरिकों को कोई भी पेशा करने, या कोई पेशा, व्यापार या व्यापार करने का अधिकार देता है। विरोधाभासी रूप से, दूसरी ओर, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराएं पुलिस को सड़कों पर किसी भी अवरोध को हटाने का अधिकार देती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और लाभकारी रोजगार की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग काम और आजीविका के लिए शहरों की ओर पलायन कर गए। भारत के उत्तर पूर्व के प्रवेश द्वार के रूप में अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, गुवाहाटी एक प्रमुख व्यापार और वाणिज्य केंद्र बन गया और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ता शहर बन गया जहां इसके अधिकांश कर्मचारी अनौपचारिक क्षेत्र में हैं। यह अध्ययन प्रवासी स्ट्रीट वेंडर्स की आजीविका और गुवाहाटी शहर में प्रवास के परिणामों पर केंद्रित है। आज भी, स्ट्रीट वेंडर और स्ट्रीट वेंडिंग/बाजार गुवाहाटी के शहरी जीवन और व्यापार और वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जैसा कि तीन प्रमुख प्रकार के अनौपचारिक बाजारों के कामकाज के माध्यम से देखा जा सकता है, अर्थात्, ए) 13 जीएमसी (गुवाहाटी नगर निगम) किराया बाजार, b) 3 दैनिक बाज़ार, और c)1 द्वि-साप्ताहिक बाज़ार (महादेविया et.al. 2016:10)।

श्री बेदब्रत भादुड़ी

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सड़क अवसंरचना: चयनित आसियान देशों के संबंध में क्षेत्रवाद और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर एक अध्ययन

अवसंरचनात्मक सुविधाएं, विशेष रूप से सड़क अवसंरचना उत्तर-पूर्वी भारत में विकास कथा के तहत अन्य चुनौतियों के साथ-साथ पहुंच, समावेशन, निष्पक्षता और सामाजिक न्याय को समझने के लिए एक आधार प्रदान करती है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उचित संचार और कनेक्टिविटी सुविधाओं की कमी ने आर्थिक विकास और क्षेत्र की समग्र समृद्धि की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बुनियादी ढांचे के महत्व को भारत सरकार ने प्रारंभिक चरणों में मान्यता दी थी। क्षेत्र के आर्थिक विकास और आज भी संबोधित किया जा रहा है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), जिसमें अधिकांश दक्षिण पूर्व एशियाई देश शामिल हैं, क्षेत्रीय राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को और बढ़ावा देना चाहता है। 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक भाग के रूप में आसियान देशों के साथ जुड़ाव के संदर्भ में यह अध्ययन म्यांमार के साथ संबंध पर जोर देता है - दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार और थाईलैंड पर क्योंकि उनका भारत के साथ महत्वपूर्ण मात्रा में व्यापार आदान-प्रदान हुआ है, विशेष रूप से उत्तर -पूर्वी क्षेत्र के साथ। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है। भारत सरकार की ओर से की गई प्रमुख पहल में शामिल हैं - उत्तर पूर्व के लिए विशेष त्वरित सड़क विकास कार्यक्रम (SARDP-NE), प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY), उत्तर पूर्वी राज्य सड़क निवेश परियोजना (NESRIP)। यह शहरीकरण प्रक्रिया को गति दे सकता है जो नागरिकों के जीवन स्तर के समग्र स्तर में सुधार करेगा जो सरकार की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" का समर्थन करने में मदद करेगा।

श्री एलोइट कार्डोज़ो

भारत में हिप हॉप संस्कृति का जातीय इतिहास

इस परियोजना के माध्यम से मैं भारत में भूमिगत हिप हॉप संस्कृति के मौखिक इतिहास को रिकॉर्ड और दस्तावेज करने का प्रयास करता हूं। इसके लिए, मैं एक नृवंशविज्ञान संबंधी दृष्टिकोण अपनाने की योजना बना रहा हूं: नृवंशविज्ञान फील्डवर्क को हेर्मेनेयुटिक विश्लेषण के वर्णनात्मक तरीकों के साथ जोड़ना। यह मुख्य रूप से बंगलौर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली और मुंबई के साथ-साथ कुछ अन्य छोटे शहरों में नृवंशविज्ञान संबंधी डेटा संग्रह की आवश्यकता होगी। भारत में हिप हॉप के इतिहास के व्यापक खाते को समेटने के लिए नृवंशविज्ञान डेटा को फिर वर्णनात्मक विश्लेषण के अधीन किया जाएगा। ऐसा करने में, मैं देश में हिप हॉप की दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व वाले परिवर्तन के आगमन से पहले भारत में संस्कृति के विकास को समझना चाहता हूं। भारत में हिप हॉप संस्कृति पर मौजूदा शोध के विपरीत, मुख्य रूप से एथ्रियाज गेब्रियल दत्तात्रेयन और जसपाल नवील सिंह (जो दिल्ली में हिप हॉप संस्कृति पर केंद्रित है) का काम, भारत के भीतर विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले हिप हॉप समुदायों में यह परियोजना इन ऐतिहासिक आख्यानों के बीच समानता को समझने के उद्देश्य से व्यापक है।

डॉ. फरहीना रहमान

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का निर्माण

राष्ट्रवाद, विचारधारा इस आधार पर कि राष्ट्र-राज्य के प्रति व्यक्ति की वफादारी और भक्ति अन्य व्यक्ति या समूह के हितों से परे है। राष्ट्रवाद को आधुनिक आन्दोलन कहा जाता है। पूरे इतिहास में लोग अपनी मूल भूमि, परंपराओं और स्थापित क्षेत्रीय अधिकारियों से जुड़े रहे हैं, लेकिन 18 वीं शताब्दी के अंत तक ऐसा नहीं था कि राष्ट्रवाद सार्वजनिक और निजी जीवन को ढालने वाली एक आम तौर पर मान्यता प्राप्त भावना बन गया और उनमें से एक आधुनिक इतिहास के महान एकल निर्धारण कारक बन गया। हालाँकि, भारतीय संदर्भ में, राष्ट्रवाद के विचार को "अखंड भारत" बनाने के विचार के साथ समेकित किया जा सकता है, जिसका शाब्दिक रूप से अविभाजित भारत में अनुवाद किया जा सकता है। यह धारणा अंग्रेजों से लड़कर प्राचीन भारतीय सभ्यता को फिर से जोड़ने के इर्द-गिर्द घूमती है। भारतीय उपमहाद्वीप की सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। इसकी सांस्कृतिक निरंतरता और एशिया के अधिकांश हिस्सों में इसके शक्तिशाली प्रभाव का प्राचीन काल से पता लगाया जा सकता है। यह तर्क दिया जा सकता है कि भारत ब्रिटिश निर्मित राष्ट्र नहीं हो सकता। भारत को सभ्यता की एक विशिष्ट निरंतरता और अपनी धार्मिक, सभ्यतागत, सांस्कृतिक और भाषाई निरंतरता के साथ राष्ट्रीयता की एक प्राचीन अवधारणा का आशीर्वाद प्राप्त है। भारत इतिहास, प्राचीन विरासत, संस्कृति और सभ्यता वाला राष्ट्र है। भारत सांस्कृतिक बहुलवाद या सांस्कृतिक विविधता का देश है। अति प्राचीन काल से, यह कई भाषाओं, धर्मों, जनजातियों, जातियों और जातियों और उप-जातियों का घर रहा है। भारत में सांस्कृतिक बहुलवाद के इन तत्वों में, भाषा, जनजाति और धर्म महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे न केवल समूह पहचान के महत्वपूर्ण चिन्हों के रूप में काम करते हैं, बल्कि राष्ट्रीयता के गठन के लिए व्यवहार्य आधार भी प्रदान करते हैं। इसलिए, यह तर्क दिया जा सकता है कि बीसवीं सदी के पहले दशक में औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ अखिल भारतीय प्रतिरोध के उदय के साथ उभरने वाली भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख राजनीतिक विचारधारा के खिलाफ; सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में भारत में राष्ट्रवादी विमर्श को भारत के प्राचीन काल में खोजा जा सकता है। यह पाया जा सकता है कि सांस्कृतिक मूल्य बहुत पहले से किसी विशेष राष्ट्र से संबंधित लोगों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपरोक्त संदर्भ में, वर्तमान अध्ययन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में राष्ट्र और राष्ट्रवाद को आकार देने वाले भारतीय विचारों का पता लगाने की कोशिश करता है क्योंकि ऐसे कई तरीके हैं जिनमें राष्ट्रवाद खुद को प्रकट कर सकता है। अध्ययन भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्तियों के ऐतिहासिक पथ का विश्लेषण करने का प्रयास करेगा। इस प्रयोजन के लिए, अध्ययन का उद्देश्य 15वीं-16वीं शताब्दी के भारत में भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के निर्माण में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के योगदान का विश्लेषण करना है।

श्री जय प्रकाश गुप्ता

सतत विकास के लिए सार्वजनिक नीति और प्रभावी पर्यावरण शासन: म्यांमार का केस स्टडी

सतत विकास के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफलता का कारण राष्ट्र राज्यों की तत्काल विकास आवश्यकताओं के साथ इसका सीधा

टकराव है। विश्व तत्काल और सतत विकास के चक्रव्यूह में फंसने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अपने म्यांमार के दृष्टिकोण में सबसे अधिक विचित्रता महसूस की जाती है - एक ऐसा क्षेत्र जो विशाल प्राकृतिक संसाधनों के साथ गरीबी की विडंबना का अनुभव कर रहा है। जातीयता, संस्कृति और राष्ट्रवादी आकांक्षाओं के मुद्दों से उलझे इस क्षेत्र का विकास बाकी दुनिया की तुलना में धीमा था। धीमे विकास ने म्यांमार की आबादी के बीच और अधिक मोहभंग पैदा कर दिया, जिन्होंने सापेक्षिक अभाव की भावना महसूस की जिसके कारण विभिन्न रंगों की विद्रोह मांगों में वृद्धि हुई। म्यांमार की सरकार के सामने अब जो कठिन कार्य है, वह इस क्षेत्र में विकास का कारण है जो पर्यावरण, संस्कृति और क्षेत्र के अन्य पच्चीकारी के अनुरूप है। इसलिए क्षेत्र में जलवायु शासन और सतत विकास के मुद्दों के लिए एक केंद्रित शोध बहुत जरूरी है। अध्ययन नीति निर्माताओं और अकादमिक समुदाय को मानवता के लाभ के लिए व्यापक पैमाने पर अनुसंधान के परिणाम का पता लगाने में मदद करेगा। विशिष्ट उद्देश्य हैं:

1. म्यांमार क्षेत्र में सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संधियों के कार्यान्वयन में विफलता के कारणों को समझना।
2. अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और राष्ट्रीय स्तर के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्र राज्य की प्रतिबद्धताओं के बीच मौजूदा अंतराल को समझना।
3. म्यांमार क्षेत्र में क्षेत्रीय स्तर पर सार्वजनिक नीति निर्माण और शासन की बाध्यताओं की प्रक्रिया में तल्लीन करना।
4. म्यांमार क्षेत्र में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वैश्विक पर्यावरण शासन की भूमिका का मूल्यांकन करना।
5. राष्ट्र राज्यों के लिए प्रभावी सार्वजनिक नीति और शासन का सुझाव दें जो टिकाऊ भविष्य के लिए 2015 के बाद के एजेंडे के कार्यान्वयन के लिए मॉडल होंगे।

डॉ. कानु हलदर

कोविड-19: बंगाल नामशूद्र (मटुआ) समाज पर प्रभाव (2021 से 2022)

कोविड-19 (SARS-CoV-2) महामारी, जिसने दुनिया भर में तबाही मचाई है, ने भारत में भी अपना जाल फैलाया है। अन्य भारतीय राज्यों की तरह, पश्चिम बंगाल भी इस बीमारी के तेजी से प्रसार से खुद को नहीं बचा सका। इस महामारी का राजनीति, अर्थशास्त्र, विज्ञान और समाज जैसे क्षेत्रों पर लंबे समय तक प्रभाव पड़ा है और इस संदर्भ में पश्चिम बंगाल के पिछड़े समाज की स्थितियों पर फिर से विचार करना और उनका पुनर्मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान अध्ययन महामारी से त्रस्त बंगाल के बदलते सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवेश में मतुआओं की स्थिति को फिर से संदर्भित और पुनर्व्याख्या करने का प्रयास करता है। एक सच्चा कल्याणकारी राज्य समाज के सभी वर्गों के लोगों को अपनी विकासात्मक परियोजना में एकीकृत करने का प्रयास करता है। वर्तमान अध्ययन इस ट्रोप का उपयोग सीमांत समूहों/पिछड़े समाज में अनुसंधान के कार्य को अधिक यथार्थवादी और उपयोगितावादी बनाने के लिए करता है। वर्तमान अध्ययन न केवल कोविड -19 (SARS-CoV-2) महामारी और बंगाल में फैली पिछली महामारियों के बीच मौजूद अंतरों को चाक-चौबंद करना चाहता है, बल्कि यह मटुआ पर महामारी के प्रभाव की जांच भी करना चाहता है। लॉकडाउन, बेरोजगारी, कृषि भूमि पर दबाव, संपत्ति की हानि, स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, और कैसे इन कारकों का उनके सामाजिक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ा है, जिसमें मनोवैज्ञानिक क्षेत्र, सार्वजनिक मान्यता, विवाह, नारी मुक्ति, शिक्षा, बच्चे जैसे कारक शामिल हैं। ये कारक मटुआ के राजनीतिक मानस पर लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव पैदा करेंगे, यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य यह जांचना है कि बंगाल के मटुआ ने अपने विभिन्न तौर-तरीकों और पहलुओं के साथ अपनी बातचीत के माध्यम से महामारी के रूबिकॉन को कैसे पार किया और इसका क्या प्रभाव रहा है।

सुश्री एल. दीपिका सिंहा

दक्षिण पूर्व एशिया में कुछ सामाजिक समूहों के तुलनात्मक अध्ययन के साथ डिमोरिया, असम के करबियों के बीच प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों के अर्थ को समझना

एक प्रागैतिहासिक मानव अतीत का अस्तित्व सबसे पहले प्रकृतिवादियों द्वारा पत्थर के औजारों और ऐसी अन्य वस्तुओं की खोज के साथ स्थापित किया गया था। प्रागैतिहासिक पत्थर के उपकरण लंबे समय से मानव तकनीकी और सांस्कृतिक विकास के शुरुआती चरणों के बारे में जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहे हैं। यह विश्वास कि पत्थर की नोक गड़गड़ाहट से जुड़ी हुई है, प्राचीन है

और इसमें एशिया के कई हिस्सों और दुनिया भर में पाई जाती है । प्राचीन काल से प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों से जुड़ी मान्यताएं पुरातत्वविदों और प्रकृतिवादियों के लिए अध्ययन का विषय रही हैं। जहाँ विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से 'थंडरबोल्ट्स' की पहचान करने और उपयोग करने के संबंधित उदाहरण दिए गए हैं, वहीं भारतीय उपमहाद्वीप में 'थंडरबोल्ट्स' से जुड़ी मान्यताओं से संबंधित शोध पर जोर बहुत सीमित है। इस अध्ययन का उद्देश्य सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान और पुरातत्व के बीच अभिसरण क्षेत्र में एक अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से प्रागैतिहासिक भौतिक संस्कृति के अवशेषों के प्रति भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से में असम की एक प्रमुख जनजाति कार्बी लोगों के दृष्टिकोण का पुनर्निर्माण करना है। वर्तमान अध्ययन कार्बी लोगों के बीच प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों से जुड़े उत्पत्ति के विचारों का पता लगाने का एक प्रयास है। यह क्षेत्र के लोगों के बीच इन वस्तुओं से संबंधित अर्थों और मान्यताओं को भी सामने लाने का प्रयास करेगा। अध्ययन लोगों के सामाजिक-धार्मिक जीवन में इन वस्तुओं की भूमिका और उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

श्री मिंटू बरुआ

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: निवेश के माध्यम से प्रभुत्व हासिल करना

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2013 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की शुरुआत की थी। बीआरआई में अब तक लगभग 68 देश और वैश्विक जीडीपी का 40 प्रतिशत शामिल है। हालाँकि, BRI के कार्यान्वयन के पीछे की प्रेरणा के बारे में मतभेद हैं। कुछ विद्वानों ने तर्क दिया है कि BRI को मौजूदा क्षेत्रीय-वैश्विक व्यवस्था को चीन-केंद्रित क्रम में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि अन्य का तर्क है कि BRI क्षेत्रीय प्रभुत्व हासिल करने के लिए एक चीनी भू-रणनीति है। कुछ लोगों का तर्क है कि बीआरआई एक आर्थिक पहल है; फिर भी, कुछ तर्क देते हैं कि BRI में रणनीतिक आयाम बहुत प्रमुख हैं। चीन अपने बीआरआई लक्ष्यों को हासिल करने और अपने वित्तीय और रणनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए निवेश को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए, चीन यूरोप से लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक, दुनिया के विभिन्न कोनों में भूमि आधारित और समुद्री बुनियादी ढांचे में निवेश करता रहा है। इसके अलावा, चीन आर्कटिक क्षेत्र में निवेश कर रहा है। यह शोध परियोजना इस बात की पड़ताल करती है कि विदेशों में चीनी निवेश कैसे चीन को अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर सकता है और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य को अपने पक्ष में संशोधित कर सकता है। उदाहरण के लिए, चीनी ऋण चुकाने में श्रीलंका की अक्षमता का उपयोग करते हुए, चीन ने हंबनटोटा बंदरगाह पर 99 साल की लीज पर कब्जा कर लिया। हंबनटोटा इस बात का सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि चीन अपने रणनीतिक हितों को बढ़ाने के लिए निवेश का उपयोग कैसे करता है। हाल ही में हंबनटोटा पोर्ट में एक चीनी युद्धपोत को शरण दी गई थी। यह शोध चीनी की जांच करता है दुनिया के विभिन्न हिस्सों में निवेश और विश्लेषण करता है कि कैसे ये निवेश उन क्षेत्रों में चीन की रणनीतिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। विदेशों में चीनी निवेश के उद्देश्यों, चुनौतियों और संभावित परिणामों की व्याख्या करते हुए, यह शोध परियोजना चीनी विदेश नीति पर मौजूदा छात्रवृत्ति में योगदान कर सकती है।

डॉ. राजू सरकार

उत्तर पूर्व भारत और इसके पड़ोसी दक्षिण पूर्व क्षेत्र में शहरीकरण और प्रवासन: सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और नीतिगत सिफारिशों का एक अध्ययन

भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में जनसांख्यिकी, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थितियों, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और जीवन स्तर में असमानता है। उत्तर-पूर्व भारत भारत का सबसे कम शहरीकृत राज्य है, जहां 414 छोटे शहरों में केवल 18% आबादी रहती है। भारत में, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में जाने वाले पूर्वी और मध्य क्षेत्रों के लोगों में प्रवासन का प्रभुत्व रहा है। दूसरी ओर, पूर्वोत्तर में प्रवासन और परिणामी तनाव के लिए एक प्रतिष्ठा है, लेकिन क्षेत्र से बाहर प्रवासन पर बहुत कम शोध है। क्षेत्र की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल को उच्च जन्म दर, प्रवासन द्वारा उत्पन्न जनसंख्या विस्तार की तीव्र गति और एक युवा आयु संरचना (जनसांख्यिकीय लाभांश) के साथ जनसंख्या संरचना द्वारा परिभाषित किया गया है। शहरीकरण का निम्न स्तर, कृषि रोजगार का प्रसार, भाषाओं की विविधता, और देशी भाषाएँ कम सामान्य जनसांख्यिकीय विशेषताओं में से हैं। वर्तमान अध्ययन जनगणना के आंकड़ों के आधार पर उत्तर पूर्व भारत और इसके पड़ोसी दक्षिण पूर्व क्षेत्र में असमान शहरीकरण की प्रकृति, पैटर्न और माप पर ध्यान केंद्रित करता है, फिर शहरीकरण के निर्धारकों और कारणों का पता लगाता है। यह अध्ययन पूर्वोत्तर में आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के साथ-साथ प्रवास के कारणों की

जांच करता है। अंत में, यह अध्ययन पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक आर्थिक असमानताओं का विश्लेषण करता है और कुछ नीतिगत प्रभावों का सुझाव देता है। शहरीकरण को प्रभावित करने वाले कारकों की जांच के लिए साधारण न्यूनतम वर्ग (OLS) प्रतिगमन का उपयोग किया जाएगा। पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक आर्थिक अंतराल का पता लगाने के लिए एक मिश्रित-तरीके के दृष्टिकोण को नियोजित किया जाएगा। उपजाऊ कृषि भूमि के विस्तार और विशाल प्रतिभा पूल के साथ संसाधन संपन्न उत्तर पूर्व भारत के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में से एक में बदल सकता है। हालांकि, खराब बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी, बेरोजगारी और कम आर्थिक विकास, और कानून और व्यवस्था की समस्याओं के कारण हम मानते हैं कि बाजार आधारित समाधान यहां काम नहीं कर सकते हैं। नीति प्रभावी शहरी नियोजन से संबंधित होनी चाहिए, जिसमें संचालनात्मक, विकासात्मक और पुनरोद्धार योजना शामिल है। शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार, जैसे सड़क, यातायात और परिवहन, परिचालन योजना का फोकस होगा।

सुश्री सायंती गांगुली

बंगाल के बाउल्स: उनकी उत्पत्ति, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता का एक अध्ययन

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली परंपराएँ या जीवित अभिव्यक्तियाँ शामिल हैं और हमारे वंशजों को दी गई हैं। इनमें मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कलाएं, सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और प्रथाएं या पारंपरिक शिल्प बनाने के लिए ज्ञान और कौशल शामिल हैं। वे न केवल सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमें अतीत से विरासत में मिली है बल्कि समकालीन ग्रामीण और शहरी प्रथाओं का भी प्रतिनिधित्व करती है जो सांस्कृतिक विविधता में योगदान करती हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत समुदायों में इसके आधार पर फलती-फूलती है और उन लोगों पर निर्भर करती है जिनकी परंपराओं, कौशल और रीति-रिवाजों का ज्ञान शेष समुदाय को, पीढ़ी दर पीढ़ी या अन्य समुदायों को दिया जाता है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे बनाने, बनाए रखने और प्रसारित करने वाले समुदायों, समूहों या व्यक्तियों द्वारा मान्यता प्राप्त होने के बाद ही यह विरासत बन जाती है। प्रस्तावित परियोजना ऐसी ही एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से संबंधित है।

बाउल ग्रामीण भाट हैं जो परिवर्तन के गीत गाते हैं। बाउल सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक रूप से हाशिए पर थे। उन्होंने ग्रामीण बंगाल में एक अलग सांस्कृतिक समुदाय का गठन किया। बाउल आमतौर पर खुद को किसी भी संगठित धर्म के दायरे से बाहर रखते हैं और जाति व्यवस्था के नियमों के अनुरूप नहीं होते हैं। उनके गीत मुख्य रूप से मुक्ति के हैं। बाउल अपने गीतों के माध्यम से प्रभुत्वशाली सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से कायम अन्याय, भेदभाव और असहिष्णुता पर चर्चा करते हैं। बाउलों का उद्देश्य अपने गीतों के माध्यम से एक विशिष्ट आध्यात्मिक परंपरा की स्थापना करते हुए सामाजिक चेतना को बढ़ाना है। ऐतिहासिक रूप से, बाउल तीन अलग-अलग धार्मिक परंपराओं से प्रभावित थे; ये सहजिया, भक्ति और सूफीवाद थे। बाउल ग्रामीण बंगाल में यात्रा करते समय गीतों का प्रदर्शन करके अपनी आध्यात्मिकता और समाज की आलोचना व्यक्त करते थे। परंपरागत रूप से, इन गीतों को वैकल्पिक, कम शोषक, समतावादी और न्यायपूर्ण आध्यात्मिक और सामाजिक व्यवस्था खोजने की आशा के साथ समुदाय के भीतर और बाहर के लोगों को मौखिक रूप से पढ़ाया जाता था। 25 नवंबर, 2005 को यूनेस्को ने मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृतियों की वैश्विक सूची में बाउल परंपरा को शामिल किया। किसी भी अन्य सांस्कृतिक विरासत की तरह, यह परंपरा भी हाल के वर्षों में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे कई कारक हैं जो परंपरा और इस परंपरा को निभाने वालों के लिए लगातार खतरा पैदा कर रहे हैं। प्रस्तावित अध्ययन का उद्देश्य खेल के इन कारकों में से कुछ को समझना है। अध्ययन के व्यापक उद्देश्यों में पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के विशिष्ट जिलों में इस परंपरा की उत्पत्ति और क्रमिक विकास का पता लगाना शामिल है। इन गीतों की सामग्री में आए परिवर्तन और इस परंपरा के कलाकारों की वर्तमान स्थिति को समझने का प्रयास किया जाएगा। इस अध्ययन में उनकी वैश्विक अपील का कारण और उन चुनौतियों को भी शामिल किया जाएगा जिनका आज कलाकार सामना करते हैं।

श्री सुब्रत मंडल

भारतीय ओबीसी समुदाय के अतीत, वर्तमान और भविष्य की सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिशीलता

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित विषय बहुआयामी है; इसके समझ में कई पहलु है, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, धर्म और कानून का एक ठोस ज्ञान आवश्यक है। ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग कोई एक जाति नहीं बल्कि संवैधानिक रूप से स्वीकृत वर्ग है। यह

है जिसमें हिंदू, मुस्लिम अन्य अल्पसंख्यक वर्ग से पांच से छह हजार जाति, उप- जाति शामिल हैं। मंडल आयोग के अनुसार देश की कुल जनसंख्या के आधे से अधिक (52%) है। ओबीसी से संबंधित मुद्दे हिंदू जाति प्रथा से उत्पन्न होते हैं इसके बारे में विद्वानों और इतिहासकारों ने बहुत कुछ लिखा है, धर्मशास्त्रों के लेखकों का मानना था कि लोग एक विशेष जाति में पैदा होते हैं और उससे संबंधित पेशा करते हैं, और सख्त नियमों के अनुसार। यह वर्गीकरण व्यापक चार-प्रणाली दृष्टिकोण के माध्यम से बनाए रखा जाता है। भारत की जाति व्यवस्था राष्ट्रीयता के प्रतीक का एक उदाहरण है। यह प्राचीन भारत में और मध्य आधुनिक काल में विभिन्न समूहों विशेष रूप से मुगल साम्राज्य और ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा रूपांतरित किया गया था। मुस्लिम विजय के बाद, इस्लाम राज्य बन गया। इस्लाम सामाजिक समानता के सिद्धांत पर स्थापित है, इसलिए यह बड़ी संख्या में हिंदुओं, विशेषकर निचली जातियों और दलितों को आकर्षित करता है। इस्लाम कबूल करने के बाद सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के जुल्म से भी वह अछूते नहीं रहे। उच्च जाति के हिंदू, ईरान और अरब के वंशजों लोगों के साथ- साथ सामाजिक पदानुक्रम में सर्वोच्च स्थान पर हैं, और अशरफ के रूप में जाने जाते हैं। शूद्रों जिसमें मुख्य रूप से कारीगर शमिल हैं, आजलआफ रूप में जाने जाते हैं, दूसरे स्थान पर हैं। दलित सबसे निचले सामाजिक स्थान पर हैं,आरजल रूप में जाने जाते हैं ।

ईसाई धर्म की स्थिति अच्छी नहीं है। ब्रिटिश शासन के आगमन के बाद, हिंदू धर्म के कई संप्रदाय, उच्च और निम्न, ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए। उच्च जाति के हिंदुओं ने आकर्षक नौकरियों और महत्वपूर्ण पदों का आनंद लिया। दूसरी ओर निचली जाति के हिंदू (दलित और शूद्रों) जाति व्यवस्था के उत्पीड़न और हिंदू धर्म के तहत उन्हें मिलने वाली सामाजिक अक्षमताओं से बच नहीं सके।

हिंदू महिलाओं की स्थिति दयनीय थी, विशेषकर सबसे नीचे के लोग जिन्हें हम दलित और शूद्र कहते हैं, सभी सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्वतंत्रता से वंचित थे और जाति पदानुक्रम में ऊपर की ओर बढ़ने के सभी रास्ते उनके लिए बंद थे। विभिन्न समाज सुधारक जैसे कबीर, गुरु नानक, श्री चैतन्य, राजा राम मोहन राय, पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले, नारायण गुरु, ई. वी. रामास्वामी, डॉ. बी. आर अंबेडकर सहित समाज सुधार दुष्ट जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया। सामाजिक रूप से उत्पीड़ित जाति अभी भी न्याय, राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए दशकों से लड़ रहे हैं । इस ओबीसी आंदोलन में एक खामी है इसके सशक्तिकरण में है क्योंकि यह उनके बीच एक अंतर्जातीय एकता बनाने में विफल रहा। कृषि भूमि से आर्थिक संपन्नता के कारण एक नव उच्च शूद्रों वर्ग का उदय हुआ। इसने उनका नेतृत्व किया, अंधविश्वास की बेड़ियों को तोड़कर उन्हें घृणा और शोषण से मुक्त किया। इसी आंतरिक कलह का फायदा उठाकर राजनीतिक नेता अपने वोट बैंक की खातिर उनकी एकता को भंग कर दिया। इसके अलावा, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया हर क्षेत्र में रूढ़िवादी वर्ग के प्रभुत्व के लिए इस आंदोलन बहुत कम सफलता मिली है। अधिकार की मांग पूरे देश में प्रचलित थी। उत्तर से आवाजे (उत्तरप्रदेश, बिहार) दक्षिण में (तमिलनाडु, कर्नाटक, हैदराबाद औ तेलंगाना) पूर्व में (पश्चिम बंगाल) और पश्चिम में (गुजरात) कोई बड़ा परिवर्तन लाने में असफल रहे। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में वोट बैंक की खातिर हिंदू ओबीसी को आरक्षण के विशेषाधिकार से वंचित किया गया, 2012 पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधान सभा में ओबीसी-ए अधिनियम पारित किया है, जिसका नाम West Bengal backward class reservation of vacancy in services and post act 2012 है. इसमें कुल ओबीसी आरक्षण 17%, ओबीसी-ए 10% और ओबीसी-बी 7% का गठन किया हैं। बिना किसी उचित सर्वेक्षण के ओबीसी-ए में 73 मुस्लिम समुदायों को शॉर्टलिस्ट किया गया है ओबीसी-ए में 81 समुदायों है , और ओबीसी-बी में 97 में से 45 मुस्लिम समुदायों को सूचीबद्ध किया गया , मंडल आयोग की सिफारिश के अनुसार पश्चिम बंगाल में 150 में केवल 69 हिंदू जातियाँ हैं जिन्हे ओबीसी आरक्षण के दायरे में लाया गया है, बड़ी संख्या में हिंदु आरक्षण से वंचित हैं , अभी तक आयोग ने केवल 12 इस्लामी जातियों को अंतिम रूप दिया था जहां इसे अवैध रूप से बढ़ाकर 118 कर दिया गया।

7 अगस्त 1990 को तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने घोषणा की कि उनकी सरकार मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया । मंडल आयोग की 27% आरक्षण सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया । ओबीसी आरक्षण के इस मुद्दे ने 2014 के नरेंद्र मोदी की सरकार दौरान फिर से जोर पकड़ा । इस बार न केवल उपरोक्त आरक्षण संरक्षित किया गया था लेकिन सूची में और भी लाभ जोड़े गए। इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी समुदाय को समाज के मुख्य वर्ग में शामिल किया हैं ।

1. इतिहास में पहली बार 27 कैबिनेट मंत्री ओबीसी समुदाय से आए हैं।
2. ओबीसी समुदाय को संवैधानिक सम्मान दिया गया है।
3. केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सेना विद्यालय प्रवेश हेतु संवैधानिक आरक्षण करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

4. केंद्र सूचीबद्ध ओबीसी समुदाय से अति पिछड़े वर्ग की पहचान के लिए रोहिणी आयोग बनाया गया है।
5. क्रीमी लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी गई है।
6. संविधान में संशोधन कर राज्यों को ओबीसी सूची बनाने का अधिकार दिया गया है ।
7. वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान मोदी सरकार ने ओबीसी को 27% आरक्षण दिया और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए आर्थिक रूप से पिछड़े 10% आरक्षण।
8. मोदी सरकार ने विशेष रूप से ओबीसी समुदाय की शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर जोर दिया है।

अनुसंधान लेख जिस पर मकायास के आंतरिक अनुसंधान सहायक काम कर रहे हैं

सुश्री मधुमिता मालाकार

यात्रा वृत्तांतों की समीक्षा: बंगाल प्रांत का बौद्ध धर्म

भारत सांस्कृतिक विविधता का देश है, जिसका अपना गौरवशाली अतीत है, और यह विशेषता स्वयं प्रागैतिहासिक काल के युगों से लेकर वर्तमान ऐतिहासिक समय तक उसी गौरव और समृद्धि के साथ चली आ रही है। हमारे समाज के दार्शनिक पहलू का वर्णन करने के लिए यात्रा वृतांत एक बड़ा हिस्सा लेता है। प्राचीन पाठ और यात्रा वृतांत के संदर्भ में, हमारे समाज की जड़ों और उसके विचार के प्रमुख स्रोतों को खोजना बहुत दिलचस्प है जो हमारे प्राचीन समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक और दार्शनिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। पूरे भारत में और विशेष रूप से बंगाल में बौद्ध धर्म विभिन्न समयों पर शासक राजाओं द्वारा शाही संरक्षण में बड़े पैमाने पर फला-फूला। । पूरे बंगाल की भूमि में बौद्ध धर्म के विस्तार के अनुसंधान और समझ को समाप्त करने के लिए पुरातात्विक साक्ष्यों को पाठ या साहित्यिक स्रोतों के साथ सहसंबंधित करना बहुत आवश्यक है जो ह्वेन त्सांग, फा-हियान, आदि के यात्रा वृत्तांतों के रूप में उपलब्ध हैं। । प्रस्तावित शोध में स्थलों और उनके महत्व और आसपास के यात्रा वृतांतों गाओ, मुख्य रूप से विदेशी खाते और राहुल सांकृत्यायन के भारतीय यात्रा खाते के साथ सहसंबंध के साथ-साथ बंगाल प्रांत में बौद्ध धर्म के गौरवशाली अतीत की आशावादी संभावनाओं के बारे में बात करने की कोशिश की जाएगी। इस ग्रन्थ के समाप्त होने तथा इसका पुरातात्विक साक्ष्यों से सहसम्बन्ध बंगाल प्रांत में बौद्ध धर्म के प्रसार को सिद्ध करने में सहायक होगा।

श्री पुलकित बटन

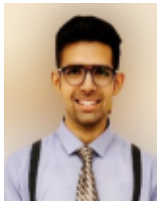

भारत की शरणार्थी नीति

समकालीन दुनिया ने विभिन्न प्रकार और परिमाण के प्रवासी आंदोलनों को देखा है। इनमें से एक प्रकार है शरणार्थियों और राज्यविहीन व्यक्तियों का सीमाओं के भीतर और बाहर आना-जाना। मूल स्थान पर जातीय संघर्ष, नागरिक संघर्ष और युद्ध सहित विभिन्न कारकों के कारण शरणार्थियों, स्टेटलेस व्यक्तियों, शरण चाहने वालों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों का आंदोलन उत्पन्न हो सकता है। वर्तमान में, दुनिया भर में 79.5 मिलियन जबरन विस्थापित लोग हैं। उनमें से 26 मिलियन शरणार्थी हैं, 45.7 मिलियन आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, और 4.22 मिलियन शरण चाहने वाले हैं (यूएनएचसीआर 2020)।

भारत दक्षिण एशिया में प्रवासियों और शरणार्थियों के प्राथमिक प्राप्तकर्ताओं में से एक रहा है। भारत में लगभग 300000 लोगों को शरणार्थी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। लेकिन भारत न तो 1951 यूएनएचसीआर कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता है और न ही इसके प्रोटोकॉल ने एक व्यापक समान नीति विकसित की है। इसने इसे समय- समय पर अपनी नीतिगत प्रतिक्रियाओं को बदलने की अनुमति दी है और सुरक्षा की आवश्यकता वाले लोगों के मन में अक्सर अस्पष्टता उत्पन्न की है, जैसा कि हाल ही में रोहिंग्याओं के मामले में हुआ, जहां यह अक्सर विदेशी अधिनियम या भारतीय पासपोर्ट अधिनियम का सहारा लेता है। श्रीलंकाई तमिलों के प्रति इसकी प्रतिक्रिया पूरी तरह से अलग थी जहां सरकार ने नॉन-रिफॉलमेंट के सिद्धांत का पालन किया है। यह भारत के शरणार्थियों के असंगत उपचार (सुब्रमण्यम 2021) की ओर इशारा करता है।

यह अस्पष्टता कानून में भी दिखाई देती है। विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट अधिनियम 1967, प्रत्यर्पण अधिनियम 1962, नागरिकता अधिनियम 1955 सहित भारत में शरणार्थियों से संबंधित महत्वपूर्ण अधिनियम, विदेशियों और शरणार्थियों पर लागू होते हैं। यह अक्सर यह निर्धारित करने के लिए अधिकारियों के विवेक पर छोड़ देता है कि सुरक्षा की आवश्यकता किसे है। हाल ही में, भारत सीएए, 2019 के साथ सामने आया, जिसने अपने घरेलू देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वालों को नागरिकता देने की मांग की, लेकिन मुसलमानों को इस बहाने से बाहर कर दिया कि वे तीन देशों में अल्पसंख्यक नहीं हैं। कन्वेंशन के हस्ताक्षरकर्ता नहीं होने के बावजूद, भारत में अभी भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत शरणार्थियों के प्रति कुछ दायित्व हैं, जिन पर भारत ने हस्ताक्षर किए हैं, जैसे कि नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध। भारत में अफगानिस्तान और म्यांमार दोनों से शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के साथ, भारत की शरणार्थी नीति की प्रकृति और इसे प्रभावित करने वाले कारकों को समझने की आवश्यकता है। यह अध्ययन भारत की शरणार्थी नीति की प्रकृति को समझने की कोशिश करता है और भारत की शरणार्थी नीति को निर्धारित करने में न्यायपालिका, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और यूएनएचसीआर जैसे गैर- राज्य अभिनेताओं सहित विभिन्न अभिनेताओं की भूमिका का विश्लेषण करता है।

श्री रेबंता गुप्ता

रिकॉर्ड किए गए संगीत के युग में महिला हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार

इस परियोजना का उद्देश्य यह समझना है कि बीसवीं शताब्दी और इक्कीसवीं शताब्दी में महिला हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकारों ने गौहरजान, बेगम अख्तर जैसे कुछ चुनिंदा महिला संगीतकारों के प्रदर्शन/जीवनी संबंधी विवरणों का विश्लेषण करके उत्तर भारत के संगीतमय वातावरण में अपना स्वयं का एक सत्तामीमांसा स्थान कैसे बनाया। केसरबाई केरकर, किशोरी अमोनकर, और कौशिकी चक्रवर्ती जैसे कुछ नाम हैं। विश्लेषण का नेतृत्व करने के लिए यह परियोजना वर्जीनिया वूल्फ की साहित्यिक कृति का उपयोग उसके ए रूम ऑफ वन्स ओन (1929) में की गई व्याख्या के रूप में करती है। यह परियोजना यह भी पता लगाने का प्रयास करती है कि क्या ये संगीतकार अपनी अनूठी संगीत संवेदनाओं और सिमेंटिक रजिस्टरों के साथ अपनी खुद की एक विशिष्ट संगीत भाषा तैयार करने में सक्षम थे।

सुश्री सहेली डे

भौतिक संस्कृति और आदिवासी: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में संथालों के बीच बदलती स्थिति पर एक अध्ययन

जनजातीय समाज को आमतौर पर यांत्रिक एकजुटता की विशेषता वाले कबीले-वंश आधारित खंड प्रणाली के रूप में माना जाता है। बेते (1977) ने जनजाति को एक समाज के रूप में वर्णित किया; रिश्तेदारी पर आधारित समाज, जहां सामाजिक स्तरीकरण अनुपस्थित है। मोटे तौर पर जनजाति सामाजिक मूल्यों, सामान्य बोली, क्षेत्र और संस्कृति को साझा करने वाले लोगों का एक समूह है। भारतीय जनजाति की आजीविका के कई तरीके हैं और यह सच है कि उन्हें विशेष रूप से इसके सख्त अर्थों में विशेष रूप से नहीं रखा जा सकता है। वे इसके निर्वाह को पूरा करने और जटिल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करते हैं, हालांकि भारत के आदिवासियों के पास अर्थव्यवस्था के प्राथमिक साधन हैं जो देश की विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुसार शिकार और इकट्ठा करने के चरण से लेकर स्थिर कृषि चरण तक ग्रेडिंग करते हैं। इस प्रकार, भारत की कुल आबादी का 8 प्रतिशत से अधिक, आदिवासियों की संस्कृति, जीवन शैली और सबसे बढ़कर उनके अपने अलग-अलग रीति-रिवाजों और विश्वदृष्टि में विविधता है।

आज बड़े समाज की संस्कृति, आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण के अपने अनुकूलन और जोखिम के बावजूद, वे गतिशील अलगाव की दुनिया में रहते हैं जो उन्हें अपनी विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में मदद करती है। संथालों की भौतिक संस्कृति की बदलती स्थिति आधुनिकीकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। आबादी का सबसे पुराना नृवंशविज्ञान वर्ग होने के नाते, वे अभी भी अपने जीवन के आदिम तरीके का अनुसरण करते हैं। यदि प्रमुख नहीं, तो अधिकांश संथाल समुदाय स्वत: ही कभी बदलते आधुनिक समाज में गोता लगाते हैं।

श्री श्रीदाम मंडल

बंगाल में पुर्तगाली और डच वास्तुकला के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास पर दोबारा गौर करना

वर्तमान शोध प्रस्ताव अपनी धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक विरासत की समझ के लिए चिनसुराह क्षेत्र में डच बस्ती से संबंधित स्थापत्य इतिहास का पता लगाने का एक प्रयास है। आम तौर पर हुगली के तट पर डच बस्तियों के उद्भव और विशेष रूप से चिनसुराह के बारे में एक संक्षिप्त ऐतिहासिक प्रवचन के अलावा, डच विरासत के अवशेषों के दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जाएगा। प्रस्तावित कार्य की बुनियादी शैक्षणिक महत्वाकांक्षा में मौलिक डेटा का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन और उसी की व्याख्या शामिल है, इस उम्मीद के साथ कि यह संबंधित विषय की एक सुसंगत तस्वीर प्रदान करेगा। ऐतिहासिक रूप से, उन्हें सहजन के यूरोप की गिनती से एक कानूनी आदेश प्राप्त हुआ। दस्तावेज़ में कहा गया है कि "डच द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, बंगाल के सूबेदार को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जा रहा है कि कोई भी पुराने कानूनों द्वारा घोषित सीमा से परे धन की वसूली नहीं कर सकता है और कोई भी इसमें कोई नया कानून या तरीका लागू नहीं कर सकता है। "शुरुआत में डच कंपनी ने पहले हुगली पर कब्जा कर लिया था, लेकिन बाढ़ और अन्य प्राकृतिक समस्याओं के कारण वे स्थानांतरित हो गए और लगभग 1656 ई में चिनसुराह में नया व्यापारिक केंद्र बना लिया। बाद के वर्ष में डच कंपनी ने बंगाल के नवाब के साथ बातचीत की। यह लंबा इतिहास हमारे दायरे से बाहर है। अगस्त 1759 में कुछ डच और यूरोपीय सैनिकों को ले जाने वाले एक डच जहाज का आगमन हुआ और ब्रिटिश इंडिया कंपनी और डच व्यापारियों के बीच टीसेल चल रहा था। अंत में, चिनसुराह को 1783 में एक बार फिर से डचों के लिए बहाल कर दिया गया। यह बनाए रखने योग्य है कि समय से व्यापार और चिंता बंगाल का एक सक्रिय हिस्सा बन गया, विशेष रूप से चिनसुरहांड में कुछ और स्थान। कई डच व्यापारियों ने स्थानीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में बात की। मुगल कला प्रशासन या बंगाल का नवाब ब्रिटिश व्यापारियों के साथ साजिश में शामिल था, यह डच थे जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में अपनी राय दी और स्थानीय विकास करने के संदर्भ में सोचा।

वर्तमान कार्य अनिवार्य रूप से उक्त क्षेत्र में डच विरासत के अवशेषों का पता लगाने के लिए है। अस्थायी रूप से वर्तमान कार्य डच ईस्ट इंडिया कंपनी और फैक्ट्री, पुराने बैरकों (चिनसुराह कोर्ट के आसपास), गवर्नर निवास, जनरल पेरोन हाउस (अब हुगली मोहसिन कॉलेज), चर्च, कब्रिस्तान और अन्य विविध अवशेषों के साक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करेगा। गंगा या हुगली के किनारे डच बस्तियों की उपस्थिति ने 17-19 शताब्दियों में बंगाल के वर्णन को बढ़ावा दिया है। डच व्यापारियों के लिए जो 1607 से बंगाल में बस रहे थे। बंगाल डेल्टा ने शुरुआती यूरोपीय लोगों को आकर्षित किया और माना कि यह क्षेत्र दीर्घकालिक व्यापार और वाणिज्य के लिए सबसे अधिक लाभदायक था। डच बस्ती की शुरुआत चिनसुराह में और लगभग 50 कि.मी. हुगली नदी के तट पर कोलकाता से उसके आसपास दर्ज की जा सकती है । चिनसुराह में जीवंत डच उपस्थिति की ऐतिहासिक विरासत आज मजबूत किले, सुंदर मकबरे, ग्रांट कंट्री हाउस, मूक कारखानों, विशाल कब्रिस्तान और अन्य शेष ईंटों के पत्थर और प्लास्टर के रूप में दिखाई देती है। साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोत हमें अनुसंधान का विशाल दायरा देते हैं।

वर्ष २०२१-२२ का वार्षिक प्रतिवेदन

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (MAKAIAS), भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, जो मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन और कार्यों पर और दक्षिण एशिया , मध्य एशिया, यूरेशिया और पश्चिम एशिया।में आधुनिक और समकालीन मामलों पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान और सीखने का केंद्र है। MAKAIAS को एक शोध संस्थान के रूप में स्थापित किया गया था जो समाज और संस्कृति, वैज्ञानिक तर्कसंगतता और एशियाई संबंधों के व्यापक क्षेत्र का अध्ययन करता है। अधिक विशेष रूप से संस्थान की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक/प्रशासनिक विकास पर ध्यान देने के उद्देश्य से की गई थी, जिसमें भारत के साथ उनके संबंधों और मौलाना आज़ाद के जीवन और कार्यों पर विशेष जोर दिया गया था। पूर्वोत्तर भारत अनुसंधान कार्यक्रम के तहत, एनईआईआर के सामाजिक- सांस्कृतिक पहलुओं पर पूर्वोत्तर राज्यों के विश्वविद्यालयों/ संस्थानों के सहयोग से सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ:

- मौलाना आज़ाद संग्रहालय की गतिविधियाँ
- अनुसंधान परियोजनाएं/अकादमिक कार्यक्रम
- पुस्तकों/न्यूजलेटर्स/सामयिक पत्रों का प्रकाशन
- सेमिनार/सिम्पोजियम/वर्कशॉपऑनएशिया कनेक्ट विषय
- आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) की थीम पर सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं
- भारत सरकार के राष्ट्रीय कार्यक्रमों/राष्ट्रीय हस्तियों/अभियानों/मिशनों की वर्षगांठ मनाना।

२०२१-२०२२ के दौरान मकायास की गतिविधियाँ

अप्रैल, 2021

13 अप्रैल 2021: मकायास ने "5000 साल पहले एक भारतीय शहर: सिंधु-सरस्वती लिंक" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। सत्र के वक्ता डॉ. संजय कुमार मंजुल, संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और डॉ. सुभा मजुमदार, अधीक्षण पुरातत्वविद् (स्वतंत्र प्रभार), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, कोलकाता सर्कल थे। व्याख्यान मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष की उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने उक्त विषय पर अपने विचार और विचार भी रखे।

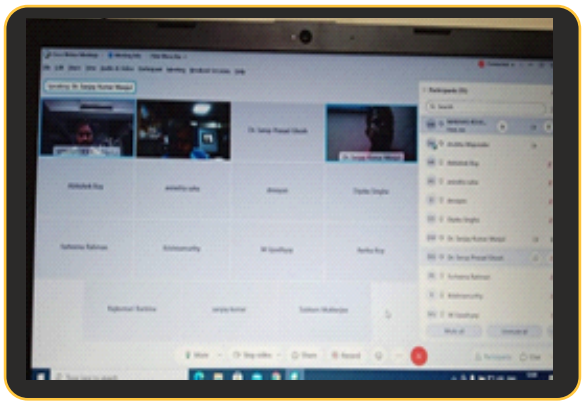

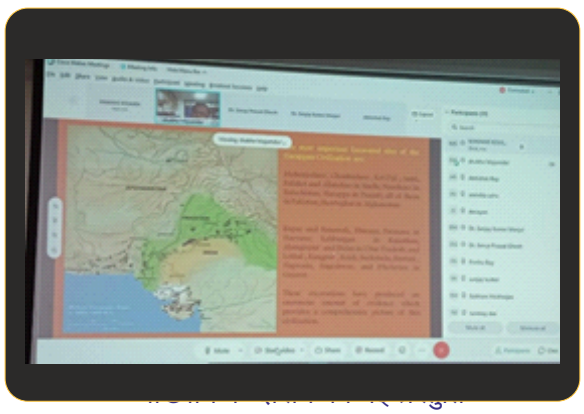

19 अप्रैल, 2021: विश्व विरासत दिवस के अवसर पर, मकायास ने "महाबलीपुरम / मामल्लपुरम: ए फॉरगॉटन पास्ट" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। व्याख्यान सत्र के वक्ता श्री पी.एस. श्रीरामन, अधीक्षण पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण थे । व्याख्यान विभिन्न विद्वानों द्वारा डेढ़ सदी से अधिक समय से ममल्लापुरम के प्रसिद्ध अर्जुन की तपस्या आधार राहत की व्याख्या के रुझानों पर केंद्रित था। क्या यह भागीरथ का प्रयास है कि गंगा को अर्जुन की तपस्या की धरती पर लाया जाए ताकि शिव के सर्वव्यापी पसुपथ रूप को प्राप्त किया जा सके। सवाल अब भी कायम है। यह वार्ता हमें कालानुक्रमिक ढांचे में विभिन्न व्याख्याओं से रूबरू कराती है। समय और स्थान पर स्थापित एक गतिशील मूर्तिकला के रूप में बस राहत की हालिया व्याख्या में भी बात समाप्त हुई। व्याख्यान अन्य प्रतिभागियों के साथ डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास की उपस्थिति में हुआ।

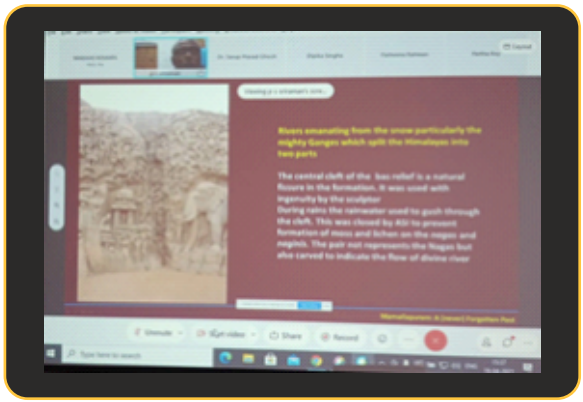

व्याख्यान के दौरान की गई प्रस्तुति

27-29 अप्रैल 2021: मकायास द्वारा "बुद्ध: द यूनिफाइंग फोर्स अमंग द ओरिएंटल वर्ल्ड" विषय पर एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। वेबिनार के पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन भाषण के साथ हुई, जिसे प्रोफेसर सुजीत के. घोष, अध्यक्ष, MAKAIAS ने दिया और विषय की शुरुआत प्रो. के.सी. बराल, वाइस चेयरमैन, मकायस ने दिया । इसके बाद मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने अभिनंदन भाषण दिया। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. अबीर कुमार गोराई, अकादमिक सलाहकार, MAKAIAS द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र के बाद शैक्षणिक सत्र हुआ। वेबिनार के दूसरे दिन में तीन शैक्षणिक सत्र थे और वेबिनार के समापन दिवस में हमारे पास एक

शैक्षणिक सत्र था। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कॉन्क्लेव का समापन प्रो. के.सी. बराल और डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा किया गया।

वेबिनार में कई विद्वान विद्वानों ने भाग लिया और शैक्षणिक सत्र में अपने पेपर प्रस्तुत किए। इस वेबिनार में थाईलैंड, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों के विद्वानों ने विचारोत्तेजक आलेख प्रस्तुत किए।

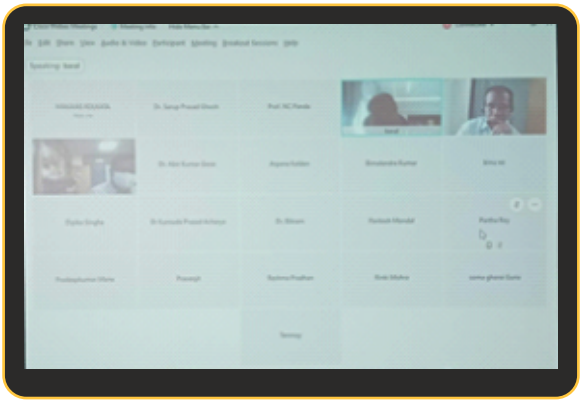

वेबिनार के प्रतिभागी

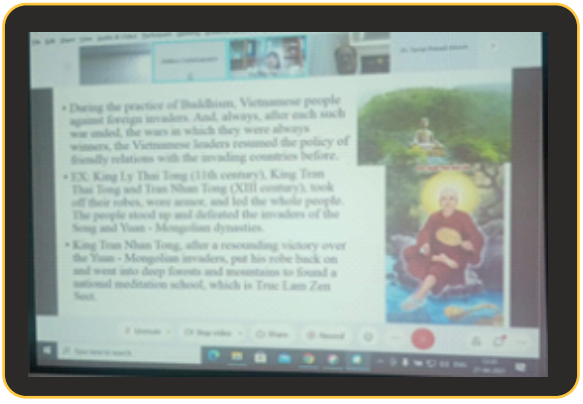

वेबिनार के दौरान दी गई प्रस्तुति

मई, 2021

17 मई 2021: मकायास ने "एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर कोविड-19 का प्रभाव" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे प्रोफेसर राजगोपालधर चक्रवर्ती, चेयर प्रोफेसर, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था। व्याख्यान सामान्य रूप से दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में आर्थिक गतिविधियों पर कोविड-19 महामारी के विभिन्न प्रभावों पर केंद्रित था। यह भी समझने की कोशिश की गई कि जनवरी 2021 के महीने में हमारे देश के व्यापार प्रदर्शन की तुलना करके भारत का विदेशी व्यापार वापस उछल गया है, जब अर्थव्यवस्था जनवरी 2020 के महीने से कोविड के प्रतिबंधों से कुछ हद तक मुक्त थी। इस प्रकार पाया गया कि आयात के मोर्चे पर सुदूर पूर्व भारत और आसियान से भारत के आयात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि यह अन्य सभी क्षेत्रों के लिए नकारात्मक थी। सभी वस्तुओं के आयात और निर्यात के लिए मार्च 2021 और मार्च 2020 के महीनों की तुलना ने स्थापित किया कि भारतीय विदेशी व्यापार वापस उछालने लगा है। हालाँकि हम अभी तक चीनी निर्भरता को कम नहीं कर पाए हैं, फिर भी भारत की बाहरी अर्थव्यवस्था फिर से लचीली है। व्याख्यान डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास की उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति में धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

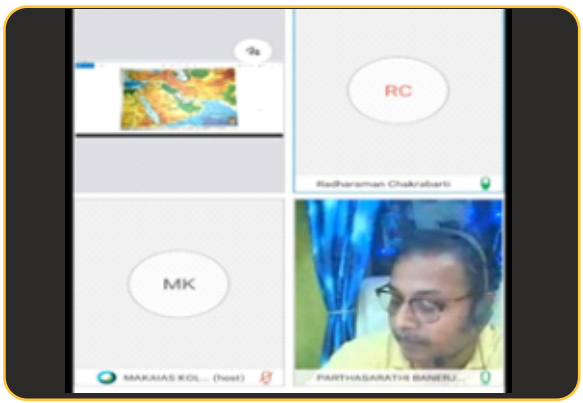

व्याख्यान सत्र की एक झलक

26 मई: मकायास ने "एशियाई चेतना पर बौद्ध नैतिकता का प्रभाव" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया, जिसे डॉ. प्रज्ञालंकार भिक्खु, संयुक्त कुलसचिव, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन द्वारा दिया गया था। व्याख्यान में मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने भी भाग लिया, जिन्होंने उक्त विषय में अपनी महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि देकर सत्र का समापन किया। वार्ता का उद्देश्य दुनिया में, विशेष रूप से एशिया में बुद्ध और उनकी विरासत की क्षमता और वैश्विक

समझ, दोस्ती और भलाई के लिए इसे बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व पर फिर से विचार करना था। देश भर से कई प्रतिभागी भी इस व्याख्यान सत्र का हिस्सा थे।

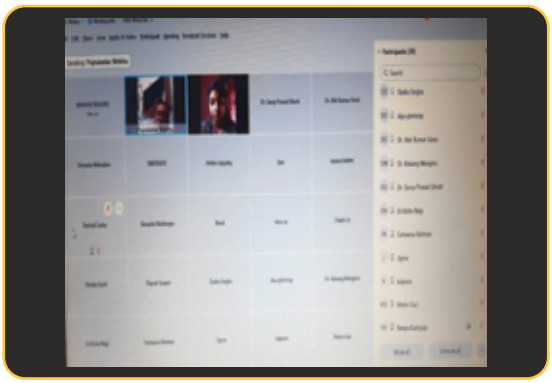

व्याख्यान सत्र में शामिल प्रतिभागी

31 मई 2021: मकायास ने एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे प्रोफेसर ज्योतिर्मय बनर्जी (सेवानिवृत्त), अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता ने दिया। सत्र का विषय था "भारत-इसराइल संबंध और समकालीन पश्चिम एशियाई राजनीति"। व्याख्यान में भारत और इज़राइल के बीच राजनयिक संबंधों और दोनों के बीच द्विपक्षीय व्यापार के लिए जिम्मेदार कारकों पर प्रकाश डाला गया। इसमें मुख्य रूप से भारत और इज़राइल के बीच द्विपक्षीय सहयोग के महत्व के बारे में बात की गई जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इस व्याख्यान सत्र में अन्य प्रतिभागियों के साथ डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास उपस्थित थे।

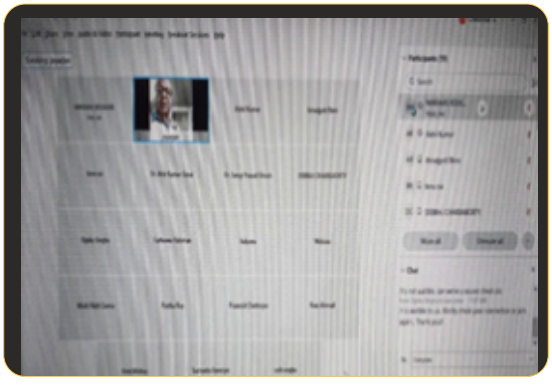

व्याख्यान सत्र में शामिल प्रतिभागी

जून, 2021

7 जून 2021: मकायास ने "भारत और पश्चिम एशिया: हालिया कूटनीति में टर्निंग पॉइंट" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे रामकृष्ण मिशन, गोल पार्क, कोलकाता में मानव एकता पर यूनेस्को कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर राधारमण चक्रवर्ती द्वारा दिया गया था। यह वार्ता पश्चिम एशिया में उभरती चुनौतियों पर केंद्रित थी, जो हमारी विदेश नीति प्रतिष्ठान की सावधानीपूर्वक जांच के अधीन हैं। ये मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों से परे हैं, जो वैसे भी प्रशंसनीय रूप से प्रबंधित किए जा रहे हैं। तीसरे पक्ष के समीकरण, स्थानीय और साथ ही बाहरी संलिप्तता मामले को जटिल बनाते हैं जो एक करीबी जांच की मांग करता है। सत्र के बाद चर्चा हुई जहां वक्ता ने प्रतिभागियों के कई सवालों के जवाब दिए। व्याख्यान में MAKAIAS के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने भी भाग लिया, जिन्होंने विषय वस्तु में अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि भी दी।

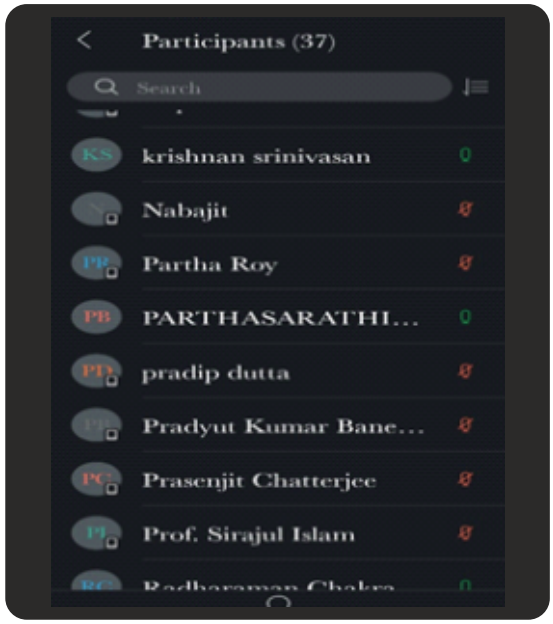

सत्र के प्रतिभागी

16 जून, 2021: मकायास ने "एशियाई संग्रहालय, शिक्षा-सांस्कृतिक केंद्र: पुनर्खोज और पुनर्मूल्यांकन" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। इस व्याख्यान के वक्ता डॉ. पियाली भारसा, सहायक प्रोफेसर, संग्रहालय विज्ञान विभाग,

कलकत्ता विश्वविद्यालय और डॉ. सुदक्षिणा मुखर्जी, व्याख्याता, संग्रहालय विज्ञान विभाग, रवींद्रभारती विश्वविद्यालय थे। वक्ताओं ने मुख्य रूप से एशिया में संग्रहालयों के महत्व और लोगों को बहुमूल्य जानकारी के संरक्षण, संरक्षण और प्रसार में इसकी भूमिका के बारे में चर्चा की। बात संग्रहालयों के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों पर केंद्रित थी जो एक बाधा के रूप में कार्य करता है और इन शैक्षिक-सांस्कृतिक केंद्रों के वास्तविक उद्देश्य में बाधा डालता है। वार्ता में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला गया जिन्हें शामिल किया जाना है और इन संग्रहालयों के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए कार्यान्वित किया गया। व्याख्यान में कुछ महत्वपूर्ण संग्रहालयों के बारे में चर्चा की गई जो एशिया के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं और इन संग्रहालयों को फिर से खोजने और पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। व्याख्यान का समापन मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा साझा किए गए विचारों के साथ हुआ।

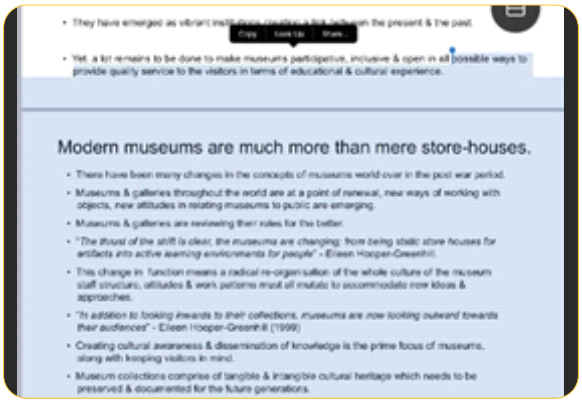

वेबिनार के दौरान दी गई प्रस्तुति

21 जून 2021: मकायास ने "योग: एक भारतीय विरासत और एक संस्थान में कर्म योग की भूमिका" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। व्याख्यान श्रद्धेय स्वामी वेदतीतानंदजी महाराज, प्राचार्य, बेलूर शिल्प विद्यामंदिर द्वारा दिया गया था। व्याख्यान योग के कई पहलुओं पर केंद्रित था, जिसमें भारत की विरासत के रूप में योग के साथ-साथ योग अभ्यास के हिस्से के रूप में कर्म योग के निष्पादन और कार्यान्वयन की प्रक्रिया भी शामिल थी। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में सभी चार योगों, राज योग, कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग को भी बहुत स्पष्ट रूप से समझाया है। चर्चा ने व्यावहारिकता और आदर्शवाद के बीच संतुलन बनाने की भी कोशिश की। व्याख्यान में मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने भी भाग लिया, जिन्होंने उक्त विषय पर अपने विचारों और विचारों से सभी को अवगत कराया और धन्यवाद प्रस्ताव भी दिया। देश भर से कई प्रतिभागी इस व्याख्यान सत्र का हिस्सा थे।

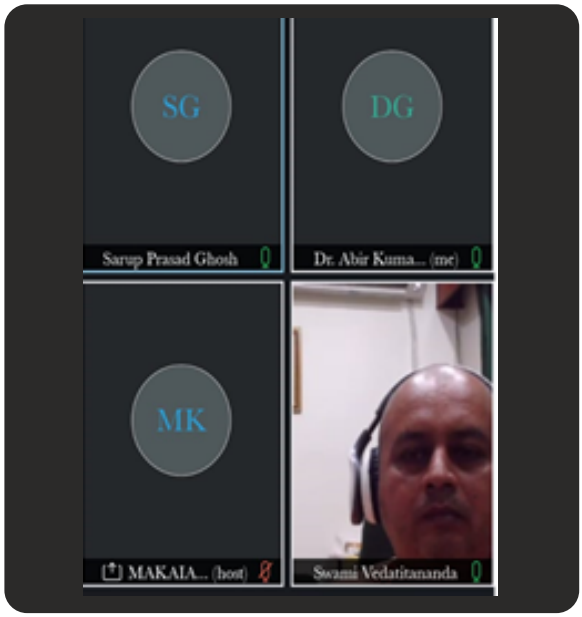

व्याख्यान सत्र की एक झलक

जुलाई, 2021

6-7 जुलाई, 2021: मकायास ने 6 और 7 जुलाई, 2021 को "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और आधुनिक भारत" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। यह कार्यक्रम भारत सरकार के **आज़ादी का अमृत महोत्सव** की थीम के तहत प्रगतिशील स्वतंत्र भारत के 75 साल, इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों को मनाने और मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

6-7 जुलाई, 2021: मकायास ने "श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मॉडर्न इंडिया" विषय पर 6 और 7 जुलाई, 2021 को एक राष्ट्रीय

वेबिनार आयोजित करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। । पहले दिन के शैक्षणिक सत्र के वक्ता डॉ. तरुण विजय, पूर्व सांसद, राज्यसभा और राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के अध्यक्ष; डॉ. नबा कुमार अदक और डॉ. देबदत्त चक्रवर्ती, रिसर्च फेलो, आईसीएचआर थे । सत्र की अध्यक्षता प्रो. के.सी. बराल, उपाध्यक्ष, मकायस ने किया । दूसरे दिन के शैक्षणिक सत्र के वक्ता डॉ. ओम जी उपाध्याय, निदेशक (आर एंड ए), आईसीएचआर; प्रो. रघुवेंद्र तंवर, एमेरिटस प्रोफेसर, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास थे । सत्र की अध्यक्षता प्रो. के.एस. चक्रवर्ती, कार्यकारी परिषद, मकाईस के सदस्य ने किया । वेबिनार में देश भर से कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. अबीर कुमार गोराई, अकादमिक और संग्रहालय सलाहकार, मकायास ने दो दिवसीय वेबिनार के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

10-12 जुलाई, 2021: टेक्नो इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सहयोग से मकायास ने 10 से 12 जुलाई, 2021 तक शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों के लिए तीन दिवसीय ई-अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो ध्रुबज्योति चट्टोपाध्याय, माननीय कुलपति, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सुजीत के. घोष, माननीय अध्यक्ष, मकायास द्वारा की गई थी और अध्यक्ष प्रोफेसर के.सी. बराल, उपाध्यक्ष, मकायस थे । समापन भाषण मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने दिया। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर डेजी बोरा तालुकदार द्वारा कार्यक्रम का समन्वयन किया गया। प्रत्येक दिन 4 शैक्षणिक सत्र होते थे जो प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा व्यक्त किए जाते थे। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन इस प्रकार थे:

1. प्रो दीक्षा कपूर, सतत शिक्षा विद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली
2. डॉ. एस.के. त्रिपाठी, क्षेत्रीय निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), भुवनेश्वर।
3. प्रो. के. सी. साहू, डीन, शिक्षा संकाय, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन।
4. डॉ. चार्लोट सिम्पसन वीगास, शिक्षा विभाग और वाइस-प्रिंसिपल, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।
5. डॉ. शलभ अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर और निदेशक, कंप्यूटर सेंटर और सेंट्रल कंप्यूटिंग सुविधाएं, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।
6. डॉ. मंदिरा मुखर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।
7. डॉ डेज़ी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम।

14 जुलाई, 2021: मकायास द्वारा "कोविड महामारी काल में भारत-रूस संबंध" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था। व्याख्यान डॉ. सोनाली सिंह प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था। व्याख्यान इस बात पर केंद्रित था कि कैसे वर्तमान कोविड स्थिति बहुआयामी संकट, बहस और शक्ति प्रतिद्वंद्विता को उजागर करके अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नया रूप दे रही है। इसके बीच, भारत-रूस संबंधों को न केवल निरंतरता और सहयोग बल्कि चुनौतियों से भी चिह्नित किया

गया है। प्रमुख शक्तियों के रूप में, उनका संबंध बहुध्रुवीयता, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य है। वेबिनार का समापन मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा साझा किए गए विचारों के साथ हुआ, जिन्होंने वोट ऑफ थैंक्स भी दिया।

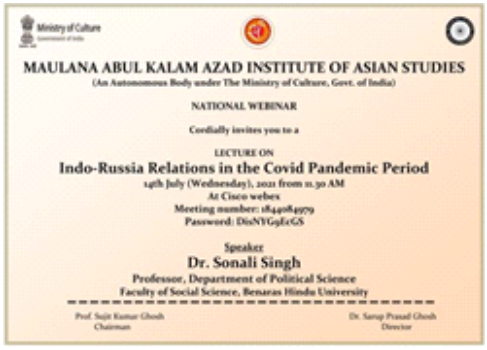

24-26 जुलाई, 2021: टेक्नो इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सहयोग से मकायास ने 24 से 26 जुलाई, 2021 तक शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों के लिए तीन दिवसीय ई-अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय राज्य मंत्री, मंत्रालय संस्कृति, भारत सरकार ने ई-अभिविन्यास कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उसका उद्‌घाटन किया। कार्यक्रम का विषय प्रोफेसर सुजीत के. घोष, माननीय अध्यक्ष, मकायास द्वारा पेश किया गया था और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास ने समापन भाषण दिया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. डेजी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रत्येक दिन में 4 शैक्षणिक सत्र होते थे जिनमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक सत्र में देश भर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों द्वारा विचार-विमर्श किया गया। समापन सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन इस प्रकार थे:

1. प्रो दीक्षा कपूर, सतत शिक्षा विद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली
2. डॉ. एस.के. त्रिपाठी, क्षेत्रीय निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), भुवनेश्वर।
3. डॉ. शार्लोट सिम्पसन वीगास, शिक्षा विभाग और उप-प्राचार्य, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।
4. डॉ. शलभ अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर और निदेशक, कंप्यूटर सेंटर और सेंट्रल कंप्यूटिंग सुविधाएं, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।
5. प्रो. बृंदाबजेले खरबिरंबाई, शिक्षा विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग।
6. (डॉ.) धीरेंद्र कुमार महापात्रा, पूर्व सचिव और सदस्य, राज्य चयन बोर्ड, उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर।
7. डॉ डेज़ी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम।

अगस्त, 2021

10 अगस्त 2021: मकायास ने भारत सरकार की एक पहल "**आजादी का अमृत महोत्सव**" विषय के तहत भारत की स्वतंत्रता के ७५ वर्षों और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का विषय था "मदन मोहन मालवीय और भारतीय चेतना के निर्माण में उनका योगदान"। वेबिनार आज़ाद भवन में ऑफ़लाइन और साथ ही वर्चुअल मोड दोनों में आयोजित किया गया था। सत्र के वक्ता डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता थे। वेबिनार की शुरुआत मकायास के माननीय अध्यक्ष प्रो. सुजीत के. घोष ने की और स्वागत भाषण मकायास के निदेशक डॉ. सरूपप्रसाद घोष ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अबीर कुमार गोराई, अकादमिक और संग्रहालय सलाहकार, मकायास द्वारा दिया गया।

डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय अपने विचार-विमर्श के दौरान

11-12 अगस्त, 2021: मकायास के नॉलेज रिसोर्स सेंटर के एक भाग के रूप में, शिक्षकों के लिए दो दिवसीय अंत:विषय ई-अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन 11 और 12 अगस्त 2021 को किया गया था। उन्मुखीकरण कार्यक्रम इतिहास के स्नातकोत्तर विभाग -सह-ऐतिहासिक शोध प्रकोष्ठ, रामाश्रय बालेश्वर महाविद्यालय, समस्तीपुर, बिहार के सहयोग से आयोजित किया गया था।कार्यक्रम का उद्घाटन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने किया । कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सुजीत के. घोष, माननीय अध्यक्ष, मकायास और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास ने समापन भाषण दिया। उक्त कार्यक्रम के अकादमिक समन्वयक प्रो डेज़ी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय और प्रोफेसर (डॉ) संजय झा, प्रमुख, इतिहास सह अनुसंधान प्रकोष्ठ, आरबी कॉलेज, दलसिंहसराय, समस्तीपुर के स्नातकोत्तर विभाग थे। उक्त कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति इस प्रकार थे:

1. प्रो. पीयूष कमल सिन्हा, प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार।
2. प्रोफेसर (डॉ.) संतोष कुमार शुक्ला, डीन, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
3. प्रो. (डॉ.) राजीव रंजन, इतिहास विभाग, वाणिज्य, कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना।
4. प्रो. किस्मत कुमार सिंह, प्रोफेसर एवं प्रमुख, दर्शनशास्त्र विभाग, वीर कुमवार सिंह विश्वविद्यालय, आरा कतीरा, आरा, बिहार।

15 अगस्त, 2021: माकायस ने आज़ाद भवन और मौलाना आज़ाद संग्रहालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारत का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने संस्थान के कर्मचारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया।

आज़ाद भवन में ध्वजारोहण / आजाद संग्रहालय में ध्वजारोहण

15 अगस्त, 2021: मकायास **आजादी का अमृत महोत्सव** मना रहा है और इस सिलसिले में हमारे देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनता के लिए एक नई गैलरी खोली गई। डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास ने सरकार के कोविड नियमों के अनुपालन में गैलरी का उद्घाटन किया। इस दीर्घा में स्वयं मौलाना अबुल कलाम आज़ाद द्वारा प्रयोग की गई वस्तुओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि लोग इसे ऑनलाइन भी देख सकें।

गैलरी का उद्घाटन करते हुए डॉ. सरूप प्रसाद घोष

16 अगस्त 2021: मकायास ने "रानी गाइदिन्ल्यू: हर रोल इन इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया, जिसे डॉ. गोनमेई लैनबिलुंग काबुई इतिहास

विभाग, इम्फाल कॉलेज ने प्रस्तुत किया। वेबिनार का आयोजन 75वें **आजादी का अमृत महोत्सव** के सिलसिले में किया गया था।

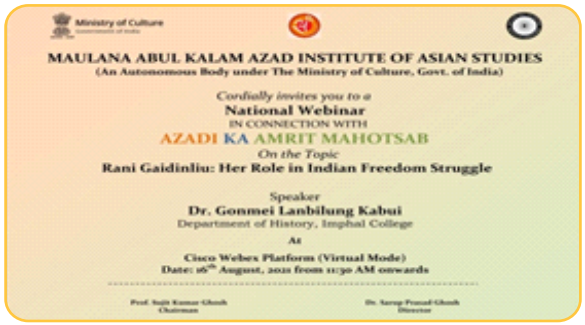

19 अगस्त 2021: मकायास ने **आजादी का अमृत महोत्सव** के संबंध में "वीर सावरकर: हिज क्लेरियन कॉल टू द नेशन" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वक्ता थे प्रो. (डॉ.) हिमांशु चतुर्वेदी, पूर्व प्रमुख, इतिहास और दर्शन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, उ.प्र. । वह वर्तमान में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और अध्ययन बोर्ड, सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज, जेएनयू के सदस्य हैं।

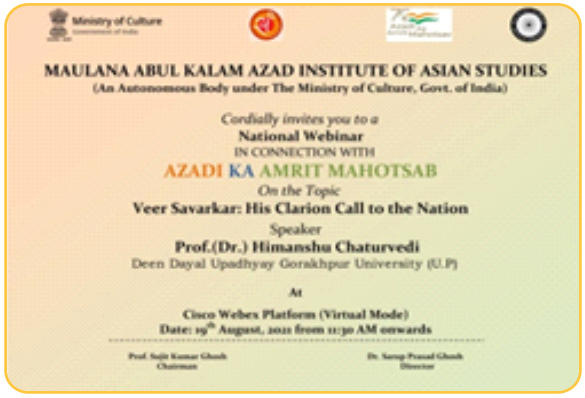

25-27 अगस्त, 2021: मकायास के ज्ञान संसाधन केंद्र के एक भाग के रूप में, स्टाफ सदस्यों के लिए 25 से 27 अगस्त, 2021 तक तीन दिवसीय ई-अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नरेंद्रपुर रामकृष्ण मिशन विद्यालय, कोलकाता और रामकृष्ण मिशन बॉयज़ होम हाई स्कूल, रहरा, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास द्वारा की गई और समापन भाषण प्रो. के.सी. बराल, माननीय उपाध्यक्ष, मकाईस द्वारा की गई । कार्यक्रम की समन्वयक डॉ डेज़ी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम थीं। उक्त कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति इस प्रकार थे:

1. प्रोफेसर बृंदाबजेले खरबिरंबाई, शिक्षा विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय।
2. श्रद्धेय संदीपन महाराज, प्रधानाध्यापक, रामकृष्ण मिशन विद्यालय, नरेंद्रपुर, कोलकाता
3. श्रद्धेय सरोज महाराज, प्रधानाध्यापक, रामकृष्ण बॉयज होम हाई स्कूल, रहरा, खरदाहा, कोलकाता।
4. (डॉ.) धीरेंद्रकुमार महापात्र, पूर्व सचिव और सदस्य, राज्य चयन बोर्ड, उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर।
5. प्रोफेसर दीक्षा कपूर, सतत शिक्षा विद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
6. डॉ. शार्लोट सिम्पसन वीगास, शिक्षा विभाग और उप-प्राचार्य, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता।

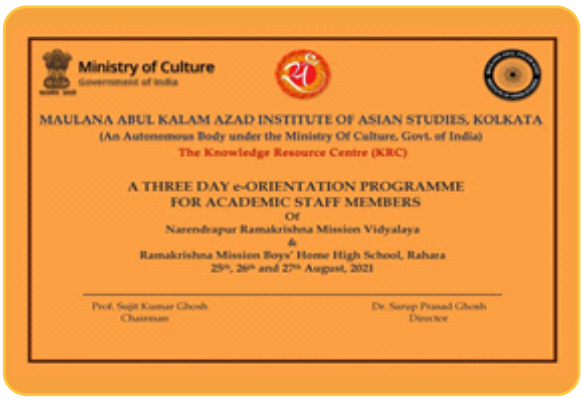

सितम्बर, 2021

2 सितम्बर, 2021: मकायास ने 2 सितंबर 2021 को एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का विषय था "केस स्टडी के रूप में मंगोलिया के साथ भारत-पूर्व एशिया संबंध: समस्याएं और संभावनाएं" जिसे प्रोफेसर सुगमानंद, इतिहास विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा दिया गया था।

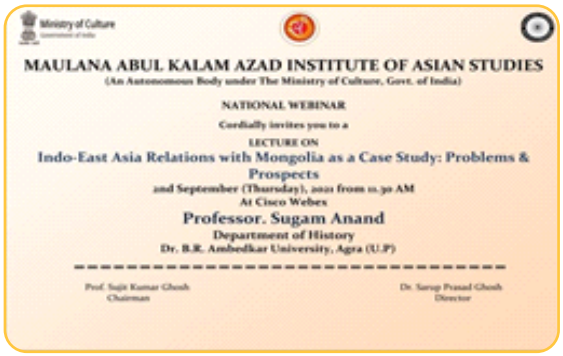
Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

(An Autonomous Body under The Ministry of Culture, Govt. of India)

NATIONAL WEBINAR

Cordially invites you to a

LECTURE ON

Indo-East Asia Relations with Mongolia as a Case Study: Problems & Prospects

2nd September (Thursday), 2021 from 11.30 AM

At Cisco Webex

Professor. Sugam Anand

Department of History

Dr. B.R. Ambedkar University, Agra (U.P)

Prof. Sujit Kumar Ghosh
Chairman

Dr. Saroop Prasad Ghosh
Director

3 सितम्बर, 2021: मकायास ने "राष्ट्र निर्माण में हिंदी का महत्व" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के मुख्य अतिथि और वक्ता श्री माननीय मुकुल कानिटकर जी, भारतीय शिक्षण मंडल थे। वेबिनार की शुरुआत प्रोफेसर सुजीत के. घोष, माननीय अध्यक्ष, मकायास द्वारा की गई और स्वागत भाषण मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने दिया। वेबिनार का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे डॉ. अबीर कुमार गोराई, शैक्षणिक और संग्रहालय सलाहकार, मकायास ने दिया।

बाएं से दाएं: वेबिनार के दौरान प्रो. सुजीत के. घोष, श्री माननीय मुकुल कानिटकर जी और डॉ. सरूप प्रसाद घोष।

9 सितम्बर 2021: मकायास ने "भारत-मध्य एशियाई संबंध: भारत के साथ उज्बेकिस्तान के सांस्कृतिक संबंधों पर एक करीबी नज़र" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के वक्ता प्रो. एन. राजेंद्रन, पूर्व कुलपति, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी तमिलनाडु थे।

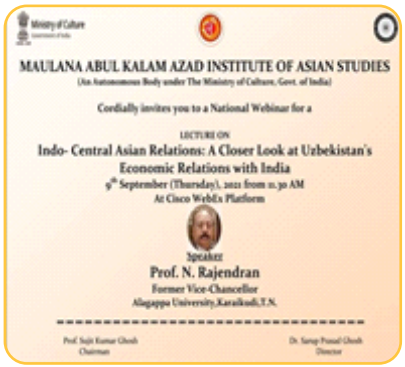
Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

(An Autonomous Body under The Ministry of Culture, Govt. of India)

Cordially invites you to a National Webinar for a

LECTURE ON

Indo- Central Asian Relations: A Closer Look at Uzbekistan's Economic Relations with India

9th September (Thursday), 2021 from 11.30 AM

At Cisco WebEx Platform

Speaker

Prof. N. Rajendran

Former Vice-Chancellor

Alagappa University,Karaikudi,T.N.

Prof. Sujit Kumar Ghosh
Chairman

Dr. Saroop Prasad Ghosh
Director

14 सितम्बर 2021: मकाईस ने हिंदी पखवाड़ा के पालन के संबंध में एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। सत्र के वक्ता श्री एल.के. सिंह थे, जिन्होंने वर्चुअल रूप से "राजभाषा हिंदी की संविधानिक स्थिति एवं संबंध अधिनियम नियम" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। सत्र की अध्यक्षता मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की, जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी दिया।

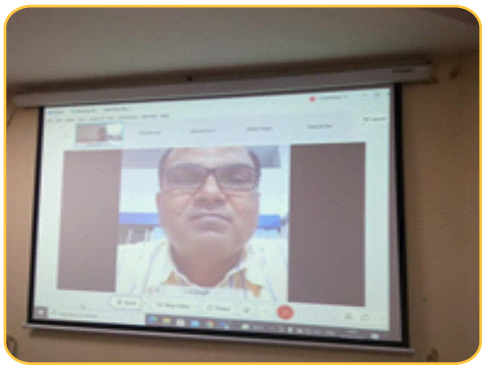

श्री एल.के. सिंह ऑनलाइन मोड के माध्यम से अपना व्याख्यान दे रहे हैं

25-26 सितम्बर, 2021: सीबीएसई स्कूलों के तहत प्रधानाचार्यों के लिए दो दिवसीय अंतःविषय ई-अभिविन्यास कार्यक्रम 25 और 26 सितम्बर 2021 को आयोजित किया गया

था। यह कार्यक्रम मकायास के ज्ञान संसाधन केंद्र (KRC) के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की। कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर डेज़ी बोरा तालुकदार, डीन, शिक्षा संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम और डॉ. प्रशांत मेश्राम, संयुक्त सचिव रजिस्ट्रार (अकादमिक और अनुसंधान), विश्वभारती, शांति निकेतन थे। समापन भाषण मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने दिया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन इस प्रकार थे:

1. प्रो. एच.बी. पटेल, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर।
2. सुश्री चंदना मंडल, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता।
3. प्रोफेसर दीक्षा कपूर, सतत शिक्षा विद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
4. प्रो. बृंदाबजेले खरबिरंबाई, शिक्षा विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय।
5. डॉ. जयेश पटेल, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, गुजरात।
6. प्रोफेसर प्रेरणा एच. शेलत, भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर।
7. डॉ. नूपुर सिंह, सहायक निदेशक (अनुसंधान), भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (ICHR0, नई दिल्ली।
8. श। एस विजय कुमार, निदेशक (छात्र सहायता सेवाएं), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली।
9. डॉ. विश्वजीत साहा, निदेशक (प्रशिक्षण एवं कौशल शिक्षा), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली।

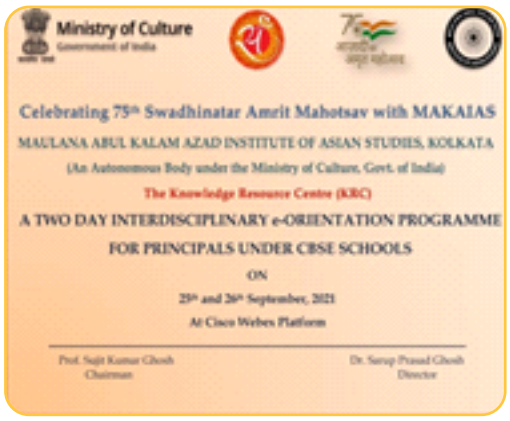

29 सितंबर, 2021: मकायास ने आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में "अनसंग हीरो वीर संबुधन फोंगलो, दक्षिण असम को याद करते हुए" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। सत्र के वक्ताओं में डॉ. फिरमी बोडो, सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम, स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जेएनयू और श्री अमित बर्मन, यूजीसी रिसर्च फेलो और पूर्व शोध सहायक, मकायास थे।

30 सितंबर, 2021: मकायास ने "भारत-श्रीलंका संबंध: दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। सत्र की वक्ता प्रोफेसर निधि चतुर्वेदी, इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय थीं। व्याख्यान में श्रीलंका और भारत पर ध्यान देने के साथ दक्षिण पूर्व क्षेत्र को आत्मसात करने वाले बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म के आम लिंक के बारे में चर्चा की गई। वेबिनार का समापन मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा साझा किए गए विचारों के साथ हुआ, जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी दिया।

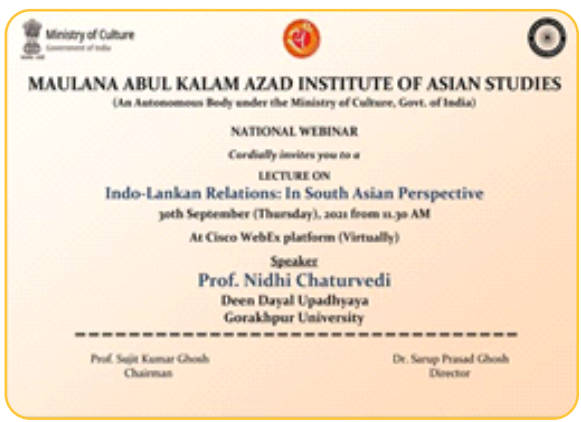

अक्टूबर, 2021

1अक्टूबर, 2021: मकायास ने आज़ाद भवन, साल्ट लेक में "मानवाधिकार: दक्षिण एशियाई क्षेत्र में हाल के दिनों में इसका मूल्यांकन" विषय पर एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। व्याख्यान श्री सुनील आंबेकर, एक शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दिया गया था।

श्री सुनील अम्बेकर अपना व्याख्यान देते हुए

25 अक्टूबर 2021: मकायास ने मकायास की चल रही व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय " इंडो- ओमान सांस्कृतिक संबंध: सॉफ्ट डिप्लोमेसी के विभिन्न पहलू" था, जिसे डॉ. पृथ्वीश नाग, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशीविद्यापीठ, वाराणसी द्वारा दिया गया था।

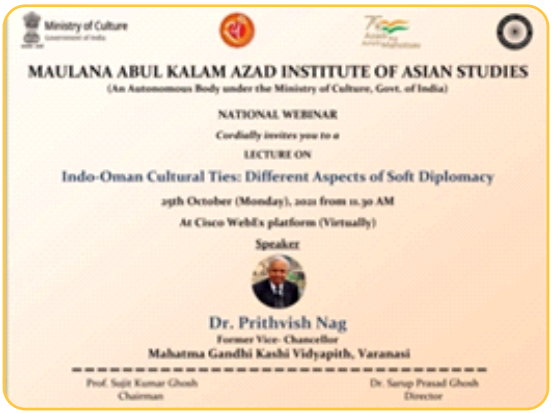

26 अक्टूबर, 2021: मकायास ने 26 अक्टूबर 2021 से 1 नवंबर 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस वर्ष की थीम "स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता" (स्वतंत्र भारत @ 75: आत्मनिर्भरता के साथ आत्मनिर्भरता) है। इस अवसर पर संस्थान के सभी कर्मचारियों ने आजाद भवन में डॉ. सरूपप्रसाद घोष, निदेशक, मकायास की उपस्थिति में सत्यनिष्ठा शपथ ली।

आज़ाद भवन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

29 अक्टूबर 2021: मकायास ने "कोविड के बाद के युग में आसियान और सार्क के बीच व्यापार संबंध" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया, जिसे प्रोफेसर श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी, माननीय कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (IGNTU) ने दिया।.

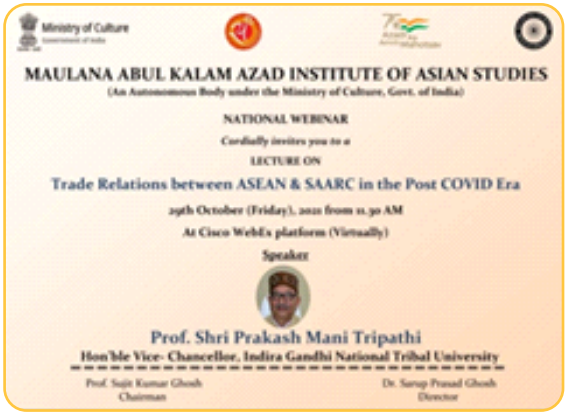

नवंबर, 2021

11नवंबर, 2021: मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की 133वीं जयंती और राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर, मकायास ने 11 नवंबर को साल्ट लेक के आज़ाद भवन में आज़ाद स्मारक व्याख्यान, 2021 का आयोजन किया। उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो. वी. किशनराव ने "भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की झलक" पर और डॉ. फरहीना रहमान ने "चंद्र प्रभा सैकियानी: एन अनसंग हीरो ऑफ़ फ्रीडम मूवमेंट ऑफ़ इंडिया" पर व्याख्यान दिया। .

प्रो. वी. किशनराव अपने विचार-विमर्श के दौरान

26 नवंबर 2021: मकायास ने "प्राचीन समाजों की सांस्कृतिक विरासत: हिमालय और उप-हिमालयी क्षेत्रों की सीमा का अध्ययन" विषय पर विश्व विरासत सप्ताह के संबंध में एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, सामाजिक विज्ञान के पूर्व विवेकानंद चेयर प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

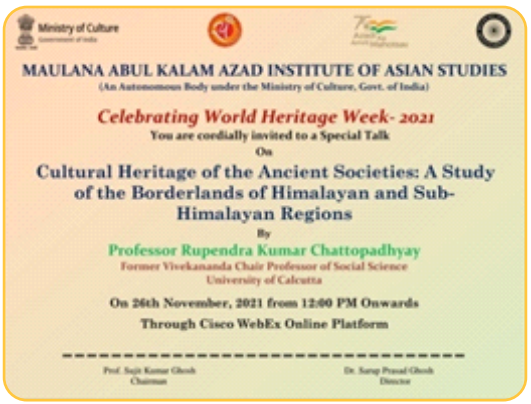

29 नवंबर, 2021: मकायास ने 75वें स्वाधीनता अमृतो महोत्सव के तहत "इंडो-जापान रिलेशंस एंड इट्स लिंक विद आईएनए एंड नेताजी" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान प्रोफेसर आभा पाल, इतिहास अध्ययन विद्यालय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया।

30 नवंबर, 2021: 75वें स्वाधीनोत्तर अमृतो महोत्सव के उत्सव के एक भाग के रूप में, मकायास ने "वस्तुनिष्ठता और 75वें स्वाधीनतार अमृतो महोत्सव की अवधारणा" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान डॉ. ओम जी उपाध्याय, निदेशक (अनुसंधान), भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद द्वारा दिया गया।

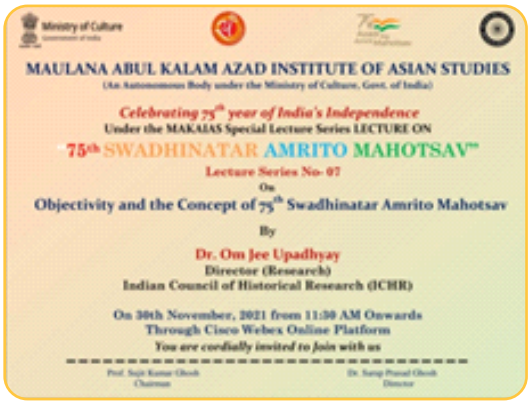

दिसंबर, 2021

9 दिसंबर 2021: मकायास ने **75वें स्वाधीनतार अमृतो महोत्सव** के एक भाग के रूप में "आजाद हिंद रेडियो: ए हिस्टोरिकल अकाउंट" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान डॉ मानसप्रतिम दास, कार्यक्रम कार्यकारी, ऑल इंडिया रेडियो, कोलकाता द्वारा दिया गया था।

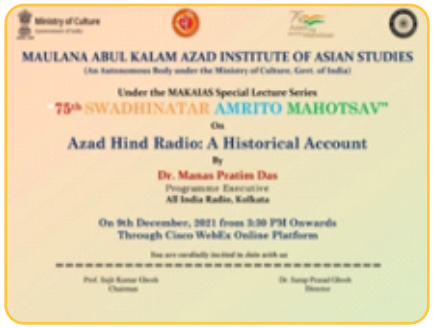

13 दिसंबर 2021: मकायास ने "दक्षिण एशिया में महिलाओं के प्रश्न" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया, जो प्रोफेसर श्वेता प्रसाद, सामाजिक विज्ञान संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

17 दिसंबर, 2021: मकायास ने 75वें **स्वाधीनतार अमृतो महोत्सव** के एक भाग के रूप में "अज़ान फकीर: हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक भूला हुआ अध्याय" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। सत्र के वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद सिराजुल इस्लाम, दर्शनशास्त्र और तुलनात्मक धर्म विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय थे।

21 दिसंबर 2021: मकायास ने **75वें स्वाधीनतार अमृतो महोत्सव** के तहत एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय था "भक्ति आंदोलन और ललन फकीर" जिसे डॉ. एस.के. मकबूल इस्लाम, प्रमुख, बंगाली विभाग, सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज, कोलकाता।

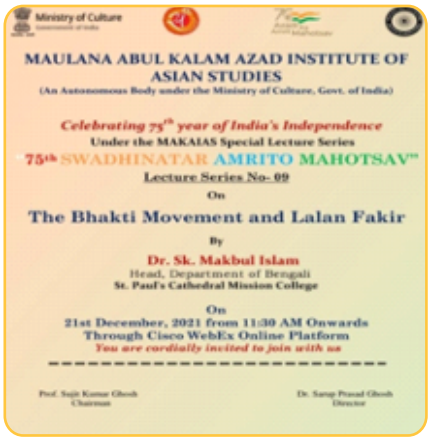

27 दिसंबर, 2021: 75वें स्वाधीनतार अमृतो महोत्सव के माकायस के अवलोकन के हिस्से के रूप में, 27 दिसंबर 2021 को एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था। सत्र का विषय "दक्षिण पूर्व एशिया में आईएनए की गुप्त सेवा" था, जिसे डॉ. तपन चट्टोपाध्याय, आईपीएस (सेवानिवृत्त) द्वारा दिया गया था।

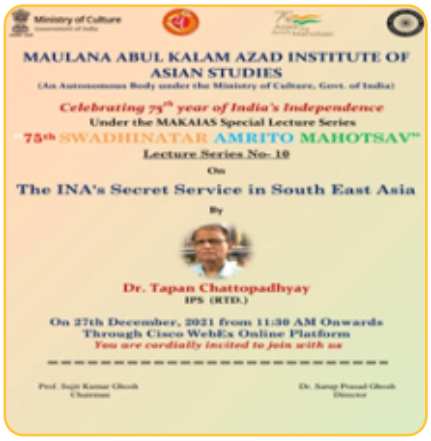

जनवरी, 2022

10-11 जनवरी, 2022: नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के संबंध में, मकायास ने 10 और 11 जनवरी, 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार का आयोजन किया। संगोष्ठी का विषय था "सुभाष से नेताजी: पुनरीक्षण एशियाई परिप्रेक्ष्य में उनका योगदान"। उक्त संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. अमिताभ चटर्जी, काजी नजरूल विश्वविद्यालय और डॉ. मीनाक्षी सिन्हा, रवींद्रभारती विश्वविद्यालय सेवानिवृत्त थे। । सत्र की अध्यक्षता मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की।

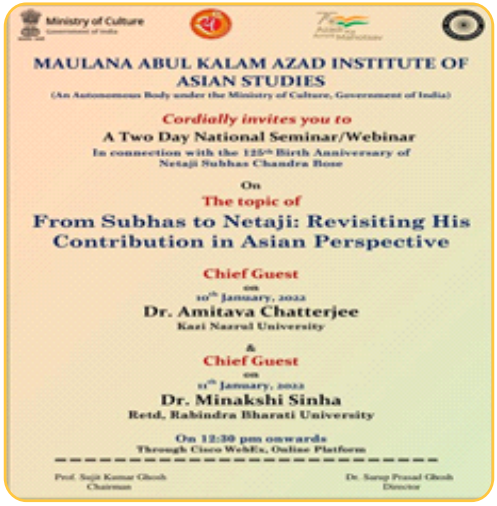

23-24 जनवरी, 2022: मकायास ने "नेताजी और एशिया में साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित करके नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई। वेबिनार का आयोजन 23 और 24 जनवरी 2022 को किया गया था। स्वागत भाषण मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने दिया और सेमिनार की शुरुआत मकायास के अध्यक्ष प्रो. सुजीत के. घोष ने की। प्रो. टोमियो मिज़ोकामी, प्रोफेसर एमेरिटस, ओसाका यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, जापान; अध्यक्ष, कंसाई-जापान-इंडिया कल्चरल सोसाइटी, कोबे ने मुख्य भाषण दिया। डॉ. नुमालमोमिन, डिप्टी स्पीकर, असम सरकार ने विशेष व्याख्यान दिया। वेबिनार के पहले दिन प्रो. मिज़ोकामी द्वारा "सुभाष से नेताजी की यात्रा: एशियाई परिप्रेक्ष्य में उनके योगदान पर फिर से विचार" पर मकायास, कोलकाता द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अबीर कुमार गोराई, सलाहकार, शैक्षणिक और संग्रहालय, मकायास द्वारा दिया गया। वेबिनार के दूसरे दिन की शुरुआत संस्थान के इनहाउस फेलो और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुतियों के साथ हुई। सत्र की अध्यक्षता मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की, जिन्होंने सत्र के अंत में अपनी टिप्पणी दी और धन्यवाद प्रस्ताव भी दिया।

प्रो. टोमियो मिज़ोकामी (ऊपर) और डॉ. नुमाल मोमिन (नीचे) अपने विचार-विमर्श के दौरान

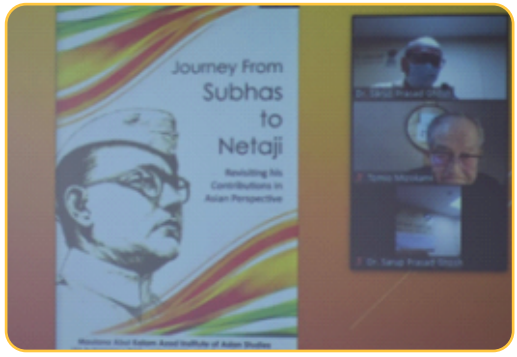

वेबिनार के दौरान "जर्नी फ्रॉम सुभाष टू नेताजी: रिविजिटिंग हिज़ कंट्रीब्यूशन्स इन एशियन पर्सपेक्टिव" नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

25 जनवरी 2022: मकायास ने सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय के सहयोग से "सुभाष से नेताजी तक की यात्रा: एशियाई परिप्रेक्ष्य में उनके योगदान की समीक्षा" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। स्वागत भाषण डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, MAKAIAS द्वारा दिया गया। वेबिनार का उद्घाटन प्रोफेसर ध्रुबज्योति चट्टोपाध्याय, माननीय कुलपति, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता ने किया। वेबिनार का विषय मकायास के अध्यक्ष प्रो. सुजीत के. घोष द्वारा पेश किया गया था। प्रो. कपिल कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी स्वतंत्रता अध्ययन केंद्र, इग्नू द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया। मुख्य भाषण डॉ. विश्वजीत साहा, निदेशक, सीबीएसई, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिया गया। उक्त वेबिनार में डॉ. फरहीना रहमान, समन्वयक, अकादमिक शोध इकाई, मकायास ने भी व्याख्यान दिया। वेबिनार का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे डॉ. अबीर कुमार गोराई, सलाहकार, शैक्षणिक और संग्रहालय, मकायास द्वारा दिया गया था।

वेबिनार के दौरान डॉ. सरूप प्रसाद घोष (बाएं) और प्रो. ध्रुबज्योति चट्टोपाध्याय (दाएं)।

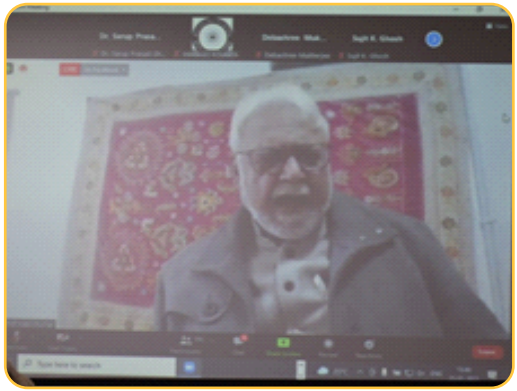

नेताजी पर विशेष व्याख्यान देते प्रो कपिल कुमार।

26 जनवरी, 2022: मकायास ने 26 जनवरी 2022 को भारत का 73वां गणतंत्र दिवस मनाया। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने संस्थान के कर्मचारियों की उपस्थिति में आज़ाद भवन और मौलाना आज़ाद संग्रहालय दोनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज़ाद भवन में ध्वजारोहण

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण आज़ाद संग्रहालय।

फरवरी, 2022

25-27 फरवरी, 2022: मकायास ने सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय के सहयोग से "मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पाठ्यक्रम में अनुसंधान पद्धति" पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई, जिसकी शुरुआत मकायास के अध्यक्ष प्रो. सुजीत के. घोष ने की थी। प्रो. के.सी. बराल, वाइस-चेयरमैन, मकायास ने परिचयात्मक भाषण दिया और मुख्य भाषण बर्दवान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. स्मृतिकुमार सरकार ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने किया। दूसरे दिन चार शैक्षणिक सत्र हुए जो इस प्रकार थे:

शैक्षणिक सत्र I.

विषय: भारतीय ज्ञान प्रणाली और amp; गंभीर पूछताछ

संसाधन व्यक्ति: प्रोफेसर के.सी. बराल, वाइस चेयरमैन, मकायास

शैक्षणिक सत्र द्वितीय

विषय: मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के नए मोर्चे: पर्यावरण इतिहास के नजरिए से

रिसोर्स पर्सन: प्रोफेसर राजीव हांडिक, प्रमुख, इतिहास विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

शैक्षणिक सत्र III

विषय: क्षेत्र अनुसंधान और इसके तौर-तरीके

रिसोर्स पर्सन: प्रो. एच. सुधीरकुमार सिंह, प्रमुख, दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग और प्रमुख, इतिहास विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय

शैक्षणिक सत्र चतुर्थ

विषय: अनुसंधान पद्धति पर अनुभव साझा करना

रिसोर्स पर्सन: प्रो. अमर्त्य दत्ता

भारतीय सांख्यिकी संस्थान

तीसरे दिन दो शैक्षणिक सत्र हुए जिसके बाद समापन सत्र हुआ। तीसरे दिन के सत्र इस प्रकार हैं:

शैक्षणिक सत्र वी

विषय: फेमिनिस्ट रिसर्च मेथडोलॉजी

रिसोर्स पर्सन: प्रोफेसर अल्पना बोर्गोहेन, पूर्व एचओडी, महिला अध्ययन विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम

शैक्षणिक सत्र VI

विषय: सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: सिद्धांत, तरीके और अभ्यास

संसाधन व्यक्ति: प्रो. सिराजुल इस्लाम,

दर्शनशास्त्र विभाग और amp; तुलनात्मक धर्म, विश्वभारती विश्वविद्यालय।

विदाई सत्र

विदाई का पता: प्रोफेसर अरुणा सिन्हा, प्रोफेसर एमेरिटस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कार्यशाला का सारांश: डॉ। अमित

कुंडू, सहायक समन्वयक

कार्यशाला, संयोजक- अनुसंधान बोर्ड

स्टडीज, सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी और प्रोफेसर और डीन - स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नो इंडिया ग्रुप

पता: प्रो के.सी. बराल, वाइस चेयरमैन, मकायस

धन्यवाद ज्ञापन और भागीदारी प्रमाणपत्र की एक प्रति का वितरण: डॉ. सरूपप्रसाद घोष, निदेशक, मकायास

मार्च, 2022

22-23 मार्च, 2022: मकायास ने इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR), नई दिल्ली, ICFAI, हैदराबाद, CESS, बैंगलोर के सहयोग से "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एक रोड मैप" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22 और 23 मार्च 2022 को तिरुपति, आंध्र प्रदेश में किया।

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

ANNUAL REPORT : 2021-22

AZAD BHAVAN

IB – 166, Salt Lake City, Kolkata – 700 106

AZAD MUSEUM

5, Ashraf Mistry Lane (Ballygunge Circular Road), Kolkata -700 019

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

AT A GLANCE

- **MAULANA AZAD MUSEUM :** 5, Ashraf Mistry Lane, Kolkata – 700 019.
- **AZAD BHAWAN** : IB-166, Sector-III, Salt Lake City, Kolkata – 700 106.
  Office Block; Library & Reading Room, Auditorium, Fellows Academic Work Station & Guest House.

Organizational Chart of MAKAIAS

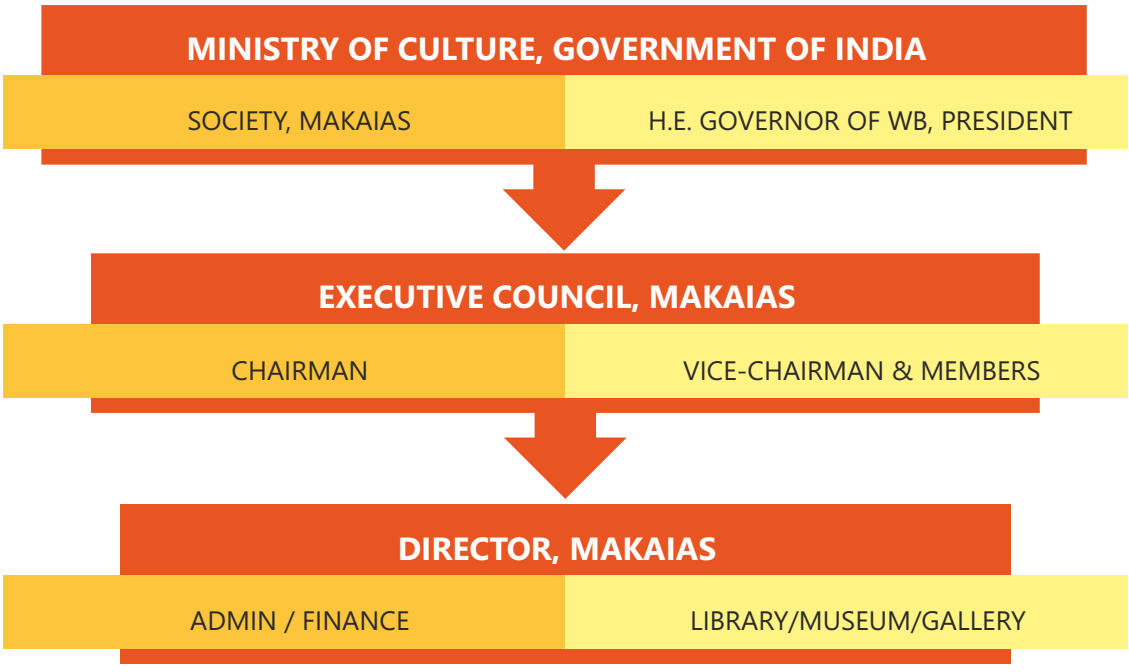

SOCIETY MEMBERS - MAKAIAS

1. **His Excellency Shri Jagdeep Dhankhar**
   Governor of West Bengal and President of the Society of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
   Raj Bhavan, Kolkata – 700 062

2. **Shri Arindam Mukherjee**
   Vice President of the Society
   Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies &
   Secretary, Institute of Social and Cultural Studies
   48/2, Dr. Suresh Sarkar Road
   Kolkata – 700 014

3. **Secretary to the Government of India**
   Ministry of Culture
   Room No.502, C–Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

4. **Secretary to the Government of India**
   Department of Higher Education
   Ministry of Human Resource Development
   Government of India
   Shastri Bhavan
   New Delhi – 110 001

5. **Joint Secretary & Financial Adviser**
   Ministry of Culture, Government of India
   Room No. 318, C - Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

6. **Dy. Director General**
   Indian Council for Cultural Relations (ICCR)
   Azad Bhavan, I.P. Estate
   New Delhi – 110 002

7. **Prof. V.K. Malhotra**
   Member Secretary
   Indian Council of Society Science Research (ICSSR)
   Aruna Asaf Ali Marg
   New Delhi – 110 067

8. **Dr. Om Jee Upadhyay**
   Director (Research)
   Indian Council of Historical Research (ICHR)
   35, Ferozeshah Road
   New Delhi – 110 001

9. **Prof. J.S. Rajput**
   Former Chairman, NCERT
   A-16, Sector P-7
   Mitra Society (Enclave)
   (Opposite Greater Valley School)
   Greater Noida-201310

10. **Prof. V. Suryanarayan**
    H 112-5, 18th Cross Street
    Besant Nagar, Chennai - 600 090

11. **Dr. S. Utham Kumar Jamadhagni**
    9/4A, Mettu Street
    Sayee Nagar
    Virugambakkam
    Chennai – 600 092

12. **Prof. Dipankar Sengupta**
    Department of Economics
    University of Jammu
    Jammu, Jammu and Kashmir – 180006

13. **Dr. Suresh R**
    Associate Professor & Director
    V.K. Krishna Menon Study Centre for International Relations
    Department of Political Science
    University of Kerala
    Thiruvananthapuram - 695581

14. **Dr. Rajiv Nayan**
    Asian Security and Defense Analyst
    Institute of Defense Studies and Analyses (IDSA)
    1, Development Enclave, (near USI)
    Rao Tula Ram Marg
    New Delhi- 110 010

15. **Prof. Priyankar Upadhyaya**
    UNESCO Chair for Peace and Inter Cultural Understanding
    Malaviya Centre for Peace Research
    Benaras Hindu University (BHU)
    Varanasi -221005

16. **Prof. Chandra Shekher**
    Head of the Persian Department
    Delhi University
    Room No – 81, Faculty of Arts,
    South Moti Bagh, South Campus,
    Delhi- 110021

17. **Prof. K. B. Warikoo**
    Specialization in Inner Asia & Central Asia
    School of International Studies
    Jawaharlal Nehru University
    New Delhi-110 067

18. **Prof. Ashwini K Mohapatra**
    Specialization in West Asian, South Asian & Central Asian Studies
    School of International Studies (SIS)
    Jawaharlal Nehru University
    New Delhi – 110 067

SOCIETY MEMBERS - MAKAIAS

19. **Prof. R.K. Mishra**
Department of Political Science
Lucknow University
Lucknow University Main Building
University Road, Babuganj, Hasanganj
Lucknow-226007
Uttar Pradesh

20. **Prof. Purabi Roy**
Retired Professor of International Relations
Jadavpur University, Kolkata
47C, Abdul Halim Lane, Kolkata -700016
(Near Mother Teresa Sishu Bhavan, KMC Garrage)

21. **Prof. Ripu Sudan Singh**
Specialization in West Asian Studies
Department of Political Science
Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
C-77, South City, Raibareli Road
Lucknow – 226025

22. **Prof. G. Gopal Reddy**
Member, University Grants Commission,
New Delhi
H.No. 3-5-199/B/7, Harivihar Colony,
Narayanguda
Hyderabad – 500 029
Telangana

23. **Shri Binod Bawri**
The Bawri Group
7th Floor, 3A Ecospace, New Town
Rajarhat,
Kolkata – 700 156

24. **Prof. Santishree Dhulipudi Pandit**
Professor, Department of Politics
and Public Administration
Savitribai Phule Pune University
(formerly University of Pune)
Ganeshkhind, Pune- 411007
Maharashtra

25. **Prof. Nikhiles Guha**
Retd. Professor of History
Kalyani University
65A, Jorabagan Road, Naktala,
Kolkata – 700 047

26. **Dr. Amarjiva Lochan**
President, South and Southeast Asian
Association for the Study of Culture and Religion
(SSEASR) &
General Secretary
International Centre for Cultural Studies (ICCS)
95, Vidya Vihar, Ring Road,
New Delhi – 110 095

27. **Dr. P.M. Kamath**
Chairman & Hon. Director,
VPM's Centre for International Studies (Regd.)
43, Rita Apartment
Devidayal Road, Mulund (West)
Mumbai 400 080

28. **Shri Sudesh Verma**
Eminent Journalist/Writer,
Biographer of PM Narendra Modi

29. **Shri Kanchan Gupta**
Former Joint Editor, "Pioneer" Daily
B1-101, Stellar Sigma Apartments
Sector Sigma 4
Greater Noida-201 310

30. **Vice-Chancellor**
University of Calcutta
87/1, College Street
Kolkata-700 073

31. **Secretary to the Government of West Bengal**
Department of Higher Education
Government of West Bengal
Social Education Branch
Bikash Bhavan, Central Vista, Salt Lake
Kolkata – 700 091

32. **Prof. Subhas Ranjan Chakraborty**
Vice-President
The Asiatic Society
BB-45, Flat No.1, Salt Lake City,
Kolkata – 700 064

33. **Prof. Anuradha Lohia**
Vice Chancellor
Presidency University
86/1, College Street
Kolkata – 700 073

34. **Director, MAKAIAS** – Member Secretary

EXECUTIVE COUNCIL – MAKAIAS

1. **Prof. Sujit K. Ghosh**
   Hon'ble Chairman
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies
   Block-IB, Sector-III, Salt Lake City,
   Kolkata – 700 106

2. **Prof. K.C. Baral**
   Hon'ble Vice Chairman
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies, Kolkata, &
   Professor of Indian Studies &
   Former Pro-Vice Chancellor
   English & Foreign Languages University
   University of Hyderabad
   Near Tarnaka,
   Hyderabad - 500 007, Telangana.

3. **Secretary to the Government of India**
   Ministry of Culture
   Room No. 502-C Wing
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

4. **Joint Secretary & Financial Adviser**
   Ministry of Culture,
   Government of India
   Room No. 318, C - Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

5. **Secretary to the Govt. of West Bengal**
   Department of Higher Education
   Government of West Bengal
   Social Education Branch
   Bikash Bhavan, Central Vista, Salt Lake
   Kolkata – 700 091

6. **Prof. I.S. Chauhan**
   Former Vice Chancellor &
   Ambassador (Fiji)
   4, Rishi Nagar, Char Imli
   Bhopal -462016

7. **Dr. K.S. Chakraborty**
   Regional Director
   Indira Gandhi National Open University
   (IGNOU)
   College Tilla
   Agartala -799004, Tripura

8. **Professor Smritikumar Sarkar**
   Fromer Vice-Chancellor
   Burdwan University
   57/2, B.C. Chatterjee Street
   Belghoria
   Kolkata - 700 056

9. **Prof. Om Prakash Mishra**
   Department of International Relations
   Jadavpur University
   Kolkata -700032

10. **Dr. Sreeradha Datta**
    Centre Head, Neighbourhood Studies
    and Senior Fellow
    Vivekananda International Foundation
    3, San Martin Marg, Chanakyapuri
    New Delhi – 110021

11. **Director, MAKAIAS** - Member Secretary

FINANCE COMMITTEE - MAKAIAS

1. **Chairman**
   Additional Secretary & Financial Adviser
   Ministry of Culture, Government of India
   318 C, Shastri Bhawan
   New Delhi - 110 001

2. **Prof. K.C. Baral**
   Vice Chairman of the Executive Council,
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies, Kolkata, &
   Professor of Indian Studies &
   Former Pro-Vice Chancellor
   English & Foreign Languages University
   University of Hyderabad
   Near Tarnaka
   Telangana, Hyderabad - 500 007

3. **Prof. Kumar Ratnam**
   Member Secretary
   ICHR, New Delhi

4. **Prof. S.K. Yadav**
   Director, School of Law,
   IGNOU, New Delhi

5. **Director, MAKAIAS**
   Ex-officio Member

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS) is under the Ministry of Culture, Government of India. The Institute is a centre for research and learning with focus on social, cultural, economic and political/administrative developments in Asia from the middle of the 19th Century onwards with special emphasis on their links with India. It also focuses on the life and the works of Maulana Abul Kalam Azad. Initially, the emphasis had been given on modern and contemporary affairs in South Asia, Central Asia and West Asia, and carrying on area studies on the five Central Asia Republics of the former Soviet Union (Uzbekistan, Turkmenistan, Tajikistan, Kazakhstan and Kyrgyzstan), Turkey, Iran, Afghanistan and Bangladesh. The Institute has now expanded the area of study to the Northeast region of India, Southeast Asia and China.

The Institute maintains a personalia Museum at the former residence of Maulana Azad in Kolkata. The Museum accentuates the life and works of Maulana Abul Kalam Azad as a distinguished national leader and thinker. The Institute has a well-equipped library attracting scholars from all parts of India and beyond. It regularly organizes conferences, special lectures, workshops, funds research projects and other research activities.

RESEARCH PROJECT UNDERTAKEN BY HONOURABLE AZAD FELLOW OF MAKAIAS

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay

Azad Fellow, MAKAIAS Visiting Faculty, Presidency University, Kolkata

Guest Faculty, West Bengal State University, Barasat

Former Vivekananda Chair Professor of Social Science, University of Calcutta

Former 'Paresh Chandra Chatterjee Professor of History', Presidency University, Kolkata

Former Professor and Head, Department of Archaeology, University of Calcutta

A Survey of Literary and Archaeological Sources to Revisit the Interactive Networks of Central Asia, South Asia, and South-east Asia, with a Special Emphasis on the Socio-Religious Contexts of Ancient and Medieval Periods

The objective of my proposed research is to reconstruct the cultural matrices of ancient societies in the so-called borderlands of Himalayan and sub-Himalayan regions of the Indian subcontinent, and unravel its bearing with the Asian world. It is very difficult to scoop out the entire findings related to the cultural mosaic of the total area from where we have gathered multifaceted archaeological as well as linguistic database pertaining to ancient societies. On the other hand, there exists a large number of research works presenting primary and secondary sources and the rise, growth and dispersal of ancient communities and their cultural contexts. In this context it is worth mentioning that if one goes through A Companion to the Archaeology of the Ancient Near-East, in two volumes edited by D.T. Potts, one could readily get a synoptic-frameworks as well as explanation. The volumes discuss the geographical, topographical, hydrological, and climatological backgrounds to render justification to subsequent issues. Besides, early excavation, political dimension of archaeological practice, trade in antiquities, and destruction of ancient Near East cultural horizon, the volumes cover a wide range of subtopics. On the one hand, the beginning of Holocene adaptation in Anatolian region, the arrival of agro-pastoral societies in South West Asia, consolidation of cattle-rearing, irrigation system, water craft, ceramic production, metallurgy; on the other hand varieties of early village and town life in Northern and Southern Levante, Northern and southern Mesopotamia, Arabian peninsula, the Iranian plateau, south-western Iran, and obviously the archaeology of the empires developed in Mesopotamia, Egypt, the Achaemenid heartland, Roman rule in Near-East, Byzantine and Sassanian Empires.

Dilip K. Chakrabarti in his recent work 'The Borderlands and Boundaries of the Indian Subcontinent' highlights the major conceptualizations regarding the so-called borderlands and the context of a cultural trap covering

from Baluchistan to the Arakan-Myanmar region. The current objective is oriented towards exploring Chakrabarti's theorization in a new light. While exploring the various findings related to academic contexts of Central Asia, Iran, Afghanisthan, along with geographical and historical perspectives of Eurasian Steppes, Mongolia, Kazakhstan, Uzbekistan, Tajikistan, Pamir mountainous zone, Chinese province of Xinjiang, Turkmenistan, Ladakh to Arunachal Pradesh, the bordering areas of Myanmar, "the various boundary lines, which were drawn from time to time in the late 19th and early 20th centuries to define the subcontinent in relation to its overland neighbours, were the products of contemporary political circumstances and the consensus between the negotiating government but behind the apparent precision of these boundary lines, lies hidden an interaction zone of what we may call borderland, stretching from Baluchistan at one point and the Arakan Yoma hills at another".

Besides, exploring this theme further, two particular points strike me the most: (1) religion played a crucial role in the expansion of settlements secular and religious, formulation of land routes, changing contexts of survival strategies, along with trade and commerce, and (2) the common population groups along with their languages in the Himalayan and sub-Himalayan tracts is another important issue that must be explored. Here, I must mention that while exploring our finds related to the Kingdom of Saivacarya and the spread of later Buddhism particularly Lokesvara Visnuimages, we have touched upon the connection between one major centre of activity and the others. For example, the Saivism in Nepal had apparently connections with the rise and growth of Saiva ideology in and around north Bengal. On the other hand, Tibetan texts and the rise of Bodhisattva Buddhism had enough contacts with northern and southern Bihar, and adjoining parts of ancient Bengal. The Buddhist monasteries and their functioning in this area is a well-known affair. One may note that sometimes we have confusion with the rituals or samskara and samskriti and we think that these are parts of rigorous religious systems. Mobility of various social groups and the cultural mosaic of the Old World must be read in terms of ancestry, and our cultural roles that have been specified in a plethora of works.

The proposed research will render importance to the role played by religion through the ages within contexts of these interactive networks, and will also try to unravel their bearing with interregional diversities. For instance, the north-eastern part of the Indian subcontinent apparently remains neglected while studying the larger socio-religious paradigms of the above-mentioned geographical space. If possible, the present research would strive to understand the contribution of Islam in 'Frontier' Bengal, specifically with respect to the proliferation of Islamic doctrines in the present Bangladesh, Arakan, and the larger South-East Asian regions.

Since Asian studies remain a thrust area of MAKAIAS' research program, the proposed work may extend their objective further. Apart from the fellowship, the other logistic support including library facilities would certainly offer me with the scope to carry out intensive research work in the subject concerned.

RESEARCH PROJECTS UNDERTAKEN BY INTERNAL FELLOWS OF MAKAIAS

Mr. Amit Barman

Interactive Network and Tourism in North East India and South East Asia: A Case Study of Assam and Myanmar

Tourism plays an important role in economic development, employment generation, and sustainable development of any country or region. Tourism industry has the potential to grow at a high rate and ensure the consequential development of the infrastructure of a region. It can benefit from on the country's success in the service sector and provide sustainable models of growth. The tourism sector stimulates other economic sectors like agriculture, horticulture, poultry, handicrafts, transport, construction, etc. The consumption demand, emanating from tourist expenditure also induces more employment and generates a multiplier effect on the economy. The tourism industry has the unique advantage of generating employment for skilled, semi-skilled, and unskilled persons. It ensures inclusive development for the locals. North East India has got enormous potential to be tapped. Tourism has a major contribution to the socio-economic development of any region. This region has immense potential for the development of Tourism. It is surrounded by several international borders such as Tibet (China), Myanmar, Bhutan, and Bangladesh. On the other hand, this region is very rich in natural beauty, religious and historical places, culture, food habits, and tradition which can easily make attract tourists to visit in that region.

Though it has the potential for the development, the tourism industry in this region faces several challenges, such as lack of infrastructural facilities, lack of connectivity, lack of skill in the Tourism sector, insurgency, etc. As a result, this region remains underdeveloped. However, after the renaming of 'Look East policy' into 'Act East Policy', several connectivity projects are going on rapidly. Therefore, it is in this context, the present study tries to understand the potentiality of tourism development in North East India in connection with the border areas of Myanmar.

Mr. Arka Chowdhury

Counterinsurgency, Technology and Imperial Frontier: North-West Frontier of India and Central Asia, From Small Wars to Total War, 1850-1947

Is it possible to trace a cogent rationale underlying the seemingly chaotic nature of frontier warfare in colonial India? What is the interrelation between warfare, environment and technology in the context of colonial counterinsurgency? Did the British-Indian Army adhere to the doctrine of 'minimum force' in their expeditions in the frontiers of India? How far did military technology influence the doctrinal development of the British Indian Army's warfare? Finally, how far colonial counterinsurgency can provide guiding principles for counterinsurgency in the world today? These are the central questions around which the proposed work revolves. It aims to use technology as an entry point into the British Indian Army's Counterinsurgency warfare in India's unstable and fluid frontiers to analyze how technology can be a determinant factor in the outcome of war.

The proposed work attempts to revisit the idea of British empire-building in the frontiers of India. The existing literature in their debates and deliberations negates the agency of the tribals in the North-West Frontiers extending to Central Asia regarding state formation. The British-Indian Army's invasion in Afghanistan in the nineteenth and twentieth centuries demonstrates the fact that rather than consolidating the rule of the Afghan Amir, it tended to destabilise his authority and thereby reduce his legitimacy and the allegiance that he commanded. Therefore, the thesis attempts to redefine the entire notion of state-building in the Indian frontiers by focusing on the lessons drawn from the colonial counterinsurgency campaign and their practical implications in today's context.

Ms. Barnali Sarma

Migration Leads to Urbanization: A Study of Migrant Street Vendors and Their Livelihood in Guwahati City

Migration determines the size, distribution and growth of population along with its composition and characteristics. Migration has always been a component of livelihood portfolio and one of the most significant livelihood strategies adopted among the poorest section in rural India, predominantly in the form of seasonal mobility of labour. This study attempts to analyze the socio-economic, factors that explain the variation in migration from one place to another. Street Vendors are thus not only a significant part of the informal sector but also an integral part of urban economy. Article 19(1) (g) of the Constitution of India promises the right to practice any profession, or to carry on any occupation, trade or business to all Indian citizens. Paradoxically, on the other hand, different sections of Indian Penal Code (IPC) and Police Act empower police to remove any obstructions on the streets. Due to Poverty and lack of gainful employment in the rural areas the large numbers of people migrated to the cities for work and livelihood. Because of its geographical location as the gateway to the India's north east, Guwahati became a major trade and commerce hub and the fastest growing city in the North- East Region where the majority of its workers are in the informal sector. This study is concentrated on the livelihood of migrant street vendors and consequences of migration in Guwahati city. Even today, Street vendors and street vending/ markets are an important part of Guwahati's urban life and trade and commerce as can be observed through the functioning of three major kinds of informal markets namely, a) 13 GMC(Guwahati Municipal Corporation) rent markets, b) 3 Daily markets, and c)1 Bi-weekly market (Mahadevia et.al. 2016:10).

Mr. Bedabrata Bhadury

Road Infrastructure in North-Eastern Region: A Study on Their Role in Promoting Regionalism and Economic Development in Connection With Selected ASEAN Countries

Infrastructural facilities, more specifically road infrastructure provides a foundation for understanding access, inclusion, fairness, and social justice, among other challenges, under the development narrative in North-Eastern India. Lack of proper communication and connectivity facilities in the North-Eastern Region has created roadblock in the process of economic development and overall prosperity of the region .The importance of infrastructure in the development of the northeastern area was recognized by the Indian government in the early phases of the region's economic growth and continues to be addressed today.

In Asia and the Pacific, the Association of South East Asian Nations (ASEAN), which comprises the majority of South East Asian countries, seeks to further promote regional political stability and economic growth. In the context of engagement with ASEAN countries as a part of 'Act East Policy' this study emphasizes on the connection with Myanmar - gateway to Southeast Asia and on Thailand as they have had significant volume of trade exchange with India , more so with the North-Eastern Region . Ministry of Road Transport &Highways in recent times has initiated/undertaken many major National Highway development projects in this region. Major initiatives taken on the behalf of Govt. of India includes - Special Accelerated Road Development Programme for North East (SARDP-NE), Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY), North Eastern States Road Investment Project (NESRIP). This may speed up the urbanization process which will improve the overall standard of living of citizens that will help backing up the "Act East Policy" of the government.

Mr. Elloit Cardozo

Ethnonarrative Histories of Hip Hop Culture in India

Through this project I attempt to record and document oral histories of the underground Hip Hop culture in India. For this, I plan to take an ethnonarrative approach: combining ethnographic fieldwork with narratological methods of hermeneutic analyses. This will entail ethnographic data collection majorly in the cities of Bangalore, Chandigarh, Chennai, Delhi, and Mumbai, as well as a few other smaller cities. The ethnographic data will then be subjected to narratological analyses in order to collate a comprehensive account of Hip Hop's histories in India. In doing this, I seek to understand the development of the culture in India before the advent of what seems to be a second generation-led transformation of Hip Hop in the country. As opposed to existing research on Hip Hop culture in India, majorly the work of Ethriaj Gabriel Dattatreyan and Jaspal Naveel Singh (which focused on Hip Hop culture in Delhi), this project is broader in scope with the aim to understand the similarities between these historical narratives across Hip Hop communities spanning various geographical regions within India.

Dr. Farheena Rahman

Mahapurush Srimanta Sankaradev and Building of Indian Cultural Nationalism

Nationalism, ideology based on the premise that the individual's loyalty and devotion to the nation-state surpass other individual or group interests. Nationalism is said to be a modern movement. Throughout history people have been attached to their native soil, to the traditions and to established territorial authorities, but it was not until the end of the 18th century that nationalism began to be a generally recognized sentiment moulding public and private life and becomes one of the great single determining factors of modern history. However, In the Indian context, the idea of nationalism can be consolidated with the idea of creating an "Akhand Bharat" that can literally translated to undivided India. This notion revolved around reuniting the ancient Indian civilisation by fighting the British. The civilization of the Indian subcontinent is one of the oldest in the world. Its cultural continuities, and its powerful influence across most of Asia, can be traced from ancient times. It can be argued that India cannot be a nation of British creation. India has been blessed by a distinct continuity of civilisation and an ancient conception of nationhood with its religious, civilizational, cultural and linguistic continuity. India is a nation with history, ancient heritage, culture and civilisation. India is a nation of cultural pluralism or cultural diversity. Since time immemorial, it is the home to numerous languages, religions, tribes, races, castes and sub-castes. Of these elements of cultural pluralism in India, language, tribe and, religion, happen to be crucial, as they not only serve as important markers of group identity, but also provide viable bases for nationality formation. Therefore, it can be argued that as against the dominant political ideology of Indian nationalism that emerges with the rise of all India resistance to the colonial power in the first decade of the twentieth century; nationalist discourse in India in the form cultural nationalism could be traced back in the ancient period of India. It can be found that cultural values play a significant role in the integration of people belonging to a particular nation since long back.

In the above context, the present study seek to explore the Indian ideas shaping nation and nationalism in the context of cultural nationalism as there are several ways in which nationalism can manifest itself. The study will attempt to analyse the historical trajectory of the manifestations of cultural nationalism in India. For this purpose, the study aims to analyse the contribution of Mahapurush Srimanta Sankaradev towards building of Indian cultural nationalism in 15th-16th century India.

Mr. Jay Prakash Gupta

Public Policy and Effective Environmental Governance for Sustainable Development: A Case Study of Myanmar

The reasons for failure in achieving the targets under sustainable development are its direct confrontation with the immediate development requirements of the nation states. World is a classic case of being caught in the quandary of immediate and sustainable development. The quandary is most felt in her approach to its Myanmar - a region that is experiencing the irony of poverty with vast natural resources. Entangled with issues of ethnicity, culture and nationalist aspirations, development of the region was slower than the rest of World. The slower development caused further disenchantment among the populations of the Myanmar who felt a sense of relative deprivation that led to a surge in insurgency demands of various hues. The uphill task the government of Myanmar faces now is to cause development in the region that should be in consonance with the environment, culture and other mosaic of the region. So a focused research is very necessary for climate governance and sustainable development issues in the region. The study will help the policy makers and academic community to explore the result of the research on wider scale for the benefit of humanity. The specific objectives are:

1) To understand the reasons for failure in the implementation of Millennium Development Goals and important environmental treaties in Myanmar Region.

2) To understand the existing gaps between the commitments of the nation state to international community and national level implementation.

3) To delve into the process of public policy formulation and governance compulsions at the regional level in Myanmar Region.

4) To evaluate the role of Global Environmental Governance for the attainment of the Sustainable Development Goals in Myanmar Region.

5) Suggest effective public policy and governance for nation states those will be models for the implementation of Post- 2015 Agenda for sustainable future.

Dr. Kanu Halder

Covid-19: Impact on Bengal Namasudra (Matua) Society (2021 to 2022)

The Covid-19(SARS-CoV-2) Pandemic, which rampaged across the globe, also spread its tentacles in India. Just like other Indian states, West Bengal could not shield herself from the rapid proliferation of this disease. This pandemic has had a long-lasting impact on sectors like politics, economics, science, and society, and in this context, it has become important to revisit and reassess the conditions of the backward society of West Bengal. The present study tries to re-contextualize and reinterpret the condition of the Matuas in the changing social, political, economic, and cultural milieu of the pandemic-stricken Bengal. A true welfare state attempts to integrate people from all sections of the society to its developmental project. The present study uses this trope to make the act of research into the marginal groups/backward society more realistic and utilitarian. Not only does the present study want to chalk out the differences existing between the Covid-19(SARS-CoV-2) Pandemic and the previous pandemics that struck Bengal, it also wants to examine the impact of the pandemic on the Matuas, by taking into account factors like lockdown, unemployment, pressure on agricultural land, loss of property, sanitation, healthcare, etc., and how these factors have had an impact on their social sphere, that includes factors like psychological sphere, public recognition, education, child marriage, women emancipation. These factors will create long-lasting impressions on the political psyche of the Matuas, this can be said with certainty. Therefore, the objective of the present study is to examine how the Matuas of Bengal crossed the Rubicon of the pandemic through their negotiations with its different modalities and aspects, and what has been its effect.

Ms. L. Dipika Singha

Understanding the Meaning of Prehistoric Stone Implements among the Karbis of Dimoria, Assam along with a Comparative Study of some Social Groups in South East Asia

The existence of a prehistoric human past was first established with the discovery of stone implements and other such objects by naturalists. The prehistoric stone implements have long been an important source of information about the earliest stages of human technological and cultural evolution. The belief that stone adzes are connected to thunder is ancient and is found in many parts of Asia and around the world. Beliefs associated with prehistoric stone implements have been a matter of study for archaeologists and naturalists since time immemorial. While corresponding examples of identifying and using 'thunderbolts' are given from different areas of the world, the emphasis on research pertaining to the beliefs associated with 'thunderbolts' in the Indian subcontinent is very limited. This study is intended to reconstruct the attitude of the Karbi people, a major tribe of Assam in the North Eastern part of India towards the vestiges of prehistoric material culture through an interdisciplinary approach at the convergence area between socio-cultural anthropology and archaeology. The present study is an attempt to explore the ideas of origin associated with the prehistoric stone implements among the Karbi people. It will also try to bring out the meanings and beliefs pertaining to these objects among the people of the area. The study will also focus on the role and utilization of these objects in the socio-religious life of the people.

Mr. Mintu Barua

The Belt and Road Initiative: Achieving Dominance through Investment

Chinese president Xi Jinping launched the Belt and Road Initiative (BRI) in 2013. The BRI has so far involved nearly 68 countries and 40 percent of the global GDP. However, there are differences of opinion regarding the motivation behind the implementation of the BRI. Some scholars have argued that the BRI is designed to transform the existing regional-global order into a Sino-centric order, whereas others contend that the BRI is a Chinese geo-strategy to achieve regional dominance. Some contend that the BRI is an economic initiative; nevertheless, some argue that strategic dimensions are very prominent in the BRI. China has been using investments as a weapon to achieve its BRI goals and secure its financial and strategic interest. In order to secure its national interests, China has been investing in the land-based and maritime infrastructures in the different corners of the world, from Europe to the Indo-Pacific region. In addition, China is investing in the Arctic region. This research project explores how Chinese investments in the foreign countries can help China to fulfill its strategic ambitions and revise the regional geo-political landscape in its favor. For example, Using Sri Lanka's inability in repaying Chinese debt, China captured Hambantota port on a 99-year lease. Hambantota is a most glaring example of how China uses investment to extend its strategic interests. Recently, a Chinese battleship was harbored in Hambantota Port. This research examines Chinese investment in the different parts of the world and analyzes how those investments can strengthen China's strategic position in those regions. Explaining the motives, the challenges, and the probable outcomes of Chinese investment in the foreign countries, this research project can contribute to the existing scholarships on Chinese foreign policy.

Dr. Raju Sarkar

Urbanization and Migration in North East India and its neighboring South East region: A Study of Socio-economic Disparities and Policy Recommendations

In the North Eastern region of India (NER), there is a disparity in demography, health, economic situations, infrastructure, education, and standard of living. North-East India is India's least urbanized state, with only 18% of the population living in 414 small towns. In India, migration has been dominated by people from Eastern and Central regions moving to western and northwestern regions. On the other side, the Northeast has a reputation for in-migration and the resulting tensions, but there is little research on out-migration from the region. The region's demographic profile is defined by a high birth rate, a rapid pace of population expansion generated by migration, and a population structure with a young age structure (demographic dividend). Low levels of urbanization, the prevalence of agricultural employment, diversity of languages, and vernaculars are among the less usual demographic characteristics. The present study focuses attention on the nature, pattern, and measure of uneven urbanization in North East India and its neighboring South East region on basis of census data then find out the determinants and causes of urbanization. This study examines the internal and international migration in the Northeast, as well as the reasons for migration. Finally, this study analyzes the socioeconomic disparities in NE India and suggests some policy implications. The Ordinary Least Squares (OLS) regression will be used to investigate the factors that influence urbanization. A mixed-methods approach will be employed to explore the socioeconomic gaps in NE India. The resource-rich North East with its expanses of fertile farmland and huge talent pool could turn into one of India's most prosperous regions. However, due to poor infrastructure and connectivity, unemployment and low economic development, and law & order problems we believe that market-based solutions may not work here. The policy should be related to effective urban planning, which includes operational, developmental, and restorative planning. Improvements to urban infrastructure, such as roads, traffic, and transportation, will be the focus of operational planning.

Ms. Sayanti Ganguly

Bauls of Bengal: A Study of their Origin, Regional Diversity and Socio-cultural Dynamics

Intangible cultural heritage includes traditions or living expressions inherited from our ancestors and passed on to our descendants. These include, oral traditions, performing arts, social practices, rituals, knowledge and practices concerning nature and the universe or the knowledge and skills to produce traditional crafts. They not only represent cultural heritage that we inherit from the past but also the contemporary rural and urban practices which contribute to cultural diversity. Intangible cultural heritage thrives on its basis in communities and depends on those whose knowledge of traditions, skills and customs are passed on to the rest of the community, from generation to generation or to other communities. An important aspect of intangible cultural heritage is that it becomes heritage only after it is recognised as such by the communities, groups or individuals that create, maintain and transmit it. The proposed project deals with one such intangible cultural heritage.

Bauls are rural minstrels who sing songs about change. Bauls were socially, economically, politically and religiously marginalised. They formed a separate cultural community in rural Bengal. Bauls generally situate themselves outside the purview of any organised religion and do not conform to the rules of the caste system. Their songs are primarily those of emancipation. Bauls through their songs discuss injustices, discrimination and intolerance perpetuated through the hegemonic social and religious institutions. Through their songs, Bauls aim to raise societal consciousness while establishing a distinct spiritual

tradition. Historically, Bauls were influenced by three different religious traditions; these were Sahajiya, Bhakti and Sufism. Bauls would express their spirituality and critique of the society by performing songs while travelling across rural Bengal. Traditionally, these songs were taught orally to those within and outside the community with a hope to finding an alternative , less exploitative, egalitarian and just spiritual and social order. On 25th November, 2005, UNESCO included the Baul tradition in the global list of masterpieces of oral and intangible heritage. Like any other cultural heritage, this tradition too has been undergoing transformation in the recent years. There are several factors which are posing a constant threat to the tradition and to those who are performing this tradition. The proposed study aims at understanding some of these factors at play. The broad objectives of the study include tracing the origin and gradual development of this tradition in specific districts of West Bengal and Bangladesh. An attempt would be made to comprehend the transition that the content of these songs might have undergone and the present condition of performers of this tradition. The study would also include the challenges that performers face today and the reason for their global appeal.

Mr. Subrata Mandal

The Socio-Economic Political and Cultural Dynamics of the Indian OBC Community Past, Present and Future

The topic concerning the Other Backward Classes (OBCs) is a multi-dimensional one; to understand its many facets, a sound knowledge of history, sociology, political science, religion and law is essential. OBC or Other Backward Class is not a religion but a constitutionally approved class. It comprises of Hindu, Muslim, and other five to six thousand sorts of minority classes and subclasses. According to the Mandal Commission more than the half (52%) of the total population of India engulfs in it. In the Indian context, class being also a caste, the issues concerning OBCs spring from the Hindu caste system. So much has been written about this by scholars of eminence and historians, consensus among them being that it is a cruel social system, hard-hearted and baneful that could possibly be invented for demeaning the human race. Man born and brought up into a particular caste and upholds the same status in culture as a result they move out with the same familial profession in all the way of vocation and avocation. All this familial and occupational divisions are well fenced through a prolonged classification and stratification. The code of caste emerged in ancient India following the view of the god Krishna (Chatuvarna maya srstam guna-karma vibhagssha tasya -Geeta chapter 4 verse 13) based on the profession but by the course of time through Mediaeval to Modern era especially when it came across Mughal and British rule it totally lost its way and perverted to the interpretation of class conflict.

After the Muslim invasion, the Islam became a state religion. Based on the principle of social equality, Islam religion attracted the great mass of lower caste Hindus and shudras. But, regardless their conversion to Islam, the erstwhile lower caste shudras remained accursed by the social inequality and untouchability. Along with the descendants of Iran and Arab the converted upper caste Hindus occupied the highest position in the Islam social hierarchy and came to be known as "Asraf". It was followed by Atraf which cheifly constitutes of converted Shudras and Arzal which covers untouchables at the bottom.

The position in Christianity is no better. After the advent of British rule, many communities, high and low among Hindus, embraced Christianity. Upper caste Hindu converts enjoyed the benefits of lucrative jobs and important positions on the other hand the Sudras and Untouchables were exploited and couldn't escape social immobilities and tyranny of cast system. The plight of Hindu women was deplorable, especially of Sudras and Dalits. The people belonging to the lowest strata of society and labelled as sudras were deprived of all kind of social, political, cultural and economical rights and restrained one's mobility to break through one's current predicament. Various social reformers like Kavir, Guru Nanaka, Sri Chaytanya, Raja Ram Mohon Roy, Pundit

Ishwarchandra Vidyasagr, Swami Vivekananda, Rabindranath Tagore, Yotiba Phule, Sabitri Bai Phule, Narayana Guru, E.V Ramaswami, Dr. B. R Ambedkar including the social reforming movement Buddhism battled against this evil caste system.

Socially oppressed men are still fighting through decades for justice, identity and to participate in national and political activities. This nationwide OBC movement has one drawback in its empowerment as It failed to build an inter cast unity among them. A neoupper class Sudra emerged due to economical prosperity from agricultural land. It led them break the barrier of superstation and made them free from hatred and exploitation. Taking advantage of this internal conflict, political leaders for the sake of their vote bank disintegrated their unity. Besides, for the dominance of orthodox class in every field of politics, administration, judiciary and media this movement has gained a very little success. Their demand for right was prevalent throughout the country. The voices from north (Uttarpadesh, Bihar) south (Tamilnadu, Karnataka, Hydrabad and Telengana) east (West Bengal) and west (Gujarat) failed to bring any major change. (PS especially in west Bengal for the sake of vote bank Hindu OBC were deprived off the privilege of the reservation, in 2012 CM of WB Mamata Banerjee has passed OBC-A in Legislative Assembly, an act named West Bengal backward class reservation of vacancy in services and post act 2012. Among the 17% of total OBC reservation, OBC-A constitutes 10% and OBC-B constitutes 7%. Without conducting any proper survey 73 Muslim communities have been shortlisted from 81 communities in OBC-A and 45 Muslim communities were enlisted among 97communities in OBC-B. As per the recommendation of Mandal Commission in West Bengal only 69 caste among 150 Hindu caste have been covered under OBC reservation, a large number of Hindus have been still deprived of reservation and yet to include in it. On other hand, where Mandal commission had finalized only 12 Islamic caste where it illegally it extended to 118.

On 7th August 1990, the then Prime Minister V.P. Singh proclaimed that his government had decided to implement the Mondal Commision's recommendation of 27% reservation for OBC. This issue of OBC reservation gained a momentum again in 2014 during the government of Narendra Modi. This time not only the aforesaid reservation was preserved but also more benefits were added to the list. Prime Minister Narendra Modi caused the OBC community to merge with the main section of society.

1) For the first time in history, 27 cabinet ministers came from OBC community.

2) OBC community has been given the constitutional dignity.

3) A historical decision has been taken to make constitutional reservation for admission in Central schools, Navodaya schools and Army schools.

3) Rohini Commission has been built to identify the most backward class from the centrally listed OBC community.

4) The limit of creamy layer has been increased from ₹6 lakh to ₹8 lakh.

5) Ammending the Constitution the right has been given to the states to make OBC list.

6) During the financial year 2021-2022, Modi Government gave OBC 27% reservation and EWS 10% reservation for Medical entrance examination.

7) Modi government has especially emphasized on OBC community's education, health and skill development.

RESERCH ARTICLES ON WHICH THE INTERNAL RESEARCH ASSISTANTS OF MAKAIAS ARE WORKING

Ms. Madhumita Malakar

Review of Travelogues: Buddhism of Bengal province

India is a land of cultural diversity which has its own glorious past, and this feature itself has been passed down through the ages of prehistoric times to the present historical time with the same glory and prosperity. The travelogue takes a big part to describe the philosophical aspect of our society. In term of ancient text and travelogue, it's very interesting to find the roots of our society and its principal sources of thought which represents the socio-cultural and philosophical culture of our ancient society. Buddhism throughout India and especially in Bengal flourished largely due to royal patronage at different times by the reigning monarchs. To conclude the research and understanding of the expansion of Buddhism throughout the land of Bengal it is very essential to correlate the archaeological shreds of evidence with the text or literary sources which are available in the form of the travelogues of Hiuen Tsang, Fa-Hien, et sing, mainly foreign accounts and Rahul Sankritayan's Indian travel account. The proposed research will try to explain and elaborately illustrate the sites and their importance and correlation with adjoining travelogues as well as talk about the sanguine prospects of the glorious past of Buddhism in Bengal province. The end of this treatise and its correlation with archaeological evidence will help to prove the expansion of Buddhism in the province of Bengal.

Mr. Pulkit Buttan

India's Refugee Policy

The contemporary world has witnessed migratory movements of various kinds and magnitudes. One of the kinds is the movement of refugees and stateless persons within and across the borders. The movement of refugees, stateless persons, asylum seekers and internally displaced persons can be generated due to various factors, including ethnic conflict, civil strife, and wars in the place of origin. Currently, there are 79.5 million forcibly displaced people around the world. Among them, 26 million are refugees, 45.7 million are internally displaced, and 4.22 million are asylum seekers (UNHCR 2020).

India has been one of the primary recipients of migrants and refugees in South Asia. Nearly 300000 people are categorized as refugees in India. But India is neither a signatory of the 1951 UNHCR Convention nor has its protocol developed a comprehensive uniform policy. This has allowed it to manoeuvre its policy responses from time to time and has often generated ambiguity in the minds of those in need of protection like recently happened in the case of Rohingyas, where it often resorts to the Foreigners Act or the Indian Passport Act to deal with the Rohingyas. Its response towards Sri Lankan Tamils was completely different where the government has adhered to the principle of non-refoulment. It points further to India's inconsistent treatment of refugees (Subramaniam 2021).

This ambiguity is also visible in legislation. The significant acts dealing with refugees in India, including Foreigner's Act 1946, Passport Act 1967, Extradition Act 1962, Citizenship Act 1955, apply to foreigners and refugees. It often leaves the discretion with the authorities to determine who is the needier of the protection. Recently, India came out with the CAA, 2019, that sought to give citizenship to those facing religious persecution in their home countries but excluded Muslims on the pretext that they are not the minorities in the three countries. Despite not being the Convention's signatory, India still has some obligations towards refugees under various International Protocols that India has signed, like International Covenant on Civil and Political Rights. With growing number of refugees from both Afghanistan and Myanmar in India, there is a need to understand the nature of India's refugee policy and the factors that affects it. This study seeks to understand India's refugee policy's nature and analyses the role of different actors, including judiciary, state governments, central government, and non-state actors like the UNHCR, in determining India's refugee policy.

Mr. Rebanta Gupta

Women Hindustani Classical Musicians in the Age of Recorded Music

The project aims to understand how women Hindustani Classical Musicians in the twentieth century and twenty-first century created an ontological space of their own in the phallocentric musical atmosphere of North India by analyzing performative/ biographical details of some select women musicians like Gauhar Jaan, Begum Akhtar, Kesarbai Kerkar, Kishori Amonkar, and Kaushiki Chakraborty to name a few. The project utilizes the literary trope of Virginia Woolf as expounded in her A Room of One's Own (1929) to spearhead the analysis. The project also attempts to find whether these musicians had been able to craft a specific musical language of their own, with its unique musical sensibilities and semantic registers.

Ms. Sahelee De

Material Culture and the Tribals: A Study on the Changing Status among the Santals in the District of Birbhum, West Bengal

Tribal society is normally conceptualized as clan-lineage based segmentary system characterized by mechanical solidarity. Beteille (1977), described the tribe as a society; further society based on kinship, where social stratification is absent. Broadly tribe is an aggregate of people sharing social values, common dialect, territory and culture. The ways of livelihood of Indian tribe are several and it is true that they cannot be exclusively placed in a particular typology in its strict sense. They use all available means to eke out its subsistence and make complex economy, though the tribesmen of India have their primary means of economy that grading from hunting and gathering stage to settled agricultural stage according to varied environmental circumstances of the country. Thus, over 8 percent of India's total population, the tribals have a variety in their culture, lifestyle and above all different customs and worldview of their own.

Today despite their adaptation and exposure to the culture of larger society, modernization, industrialization, they live in a world of dynamic isolation that helps them to maintain their distinct socio-cultural identity. The changing status of the material culture of the Santals is a significant aspect of modernization. Being the oldest ethnological section of the population, they still pursue their primitive way of living. If not the major, but most of the Santal communities automatically dived into the ever-changing modern society.

Mr. Sridam Mondal

Revisiting the Socio-Cultural History of the Portuguese and Dutch Architecture in Bengal

The present research proposal is an attempt to explore the architectural history related to Dutch settlement in Chinsurah region for the understanding of its secular and religious heritages. Apart from a brief historical discourse about the emergence of Dutch settlements along the bank of Hooghly in general and Chinsurah in particular, a careful perusal of documents of Dutch heritage remains will be carried out. The basic academic ambition of the study includes an analytical study of fundamental data and the interpretation of the same with a hope it will provide a coherent picture of the subject concerned. Historically, they received a legal decree from the count of Europe of Sahazahan. The document stated that "On the basis of the complaint lodged by the Dutch, the Subedar of Bengal is being directed to ensure that none can realize money beyond the range as declared by the old laws and none can apply any new law or method in this regard." Initially the Dutch Company first occupied Hooghly but due to the flood and other natural problems they shifted and made the new trading center at Chinsurah approximately in 1656 A.D. In the subsequent year the Dutch company negotiated with Nawab of Bengal. This long history is beyond our purview. August 1759 marked the arrival a

Dutch ship carrying a few Dutch and European troops and the teacel was going on between British India Company and Dutch traders. Finally, Chinsurah was restored to the Dutch once again in 1783. It is worth maintaining that from the time trade and concern became an active part of Bengal particularly in Chinsurah and a few more places. Many of the Dutch traders spoke in favor of the local economy. Mughal art administration or Nawab of Bengal was involved in conspiracy with the British traders, it was the Dutch who gave their opinion in favor of the local economy and thought in terms of doing local development.

The present work is essentially to explore the Dutch heritage remains in the said area. Tentatively the present work will concentrate on the evidence of Dutch East India Company and Factory, Old Barracks (in an around Chinsurah Court), the governor residence, General Perron's House (Now Hooghly Mohsin College), Church, Cemetery and other miscellaneous remains. The presence of Dutch settlement along the Ganga or Hooghly has promoted the description of Bengal in the 17-19 centuries. For Dutch traders who had been settling in Bengal since 1607. Physically the Bengal delta attracted the early Europeans and assumed that the region was most profitable for long term trade and commerce. The beginning of Dutch settlement could be recorded in and around Chinsurah, about 50k.m. from Kolkata on the bank of the river Hooghly. The historical legacy of the vibrant Dutch presence in Chinsurah is today visible in the form of Sturdy Fortresses, Beautiful Tombs, Grant Country Houses, Silent Factories, Sprawling Cemetery and other remaining Bricks Stone and Plaster. Literary and Archeological Sources give us enormous scope of Research.

Annual Report for the year 2021-22

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India is a centre for research and learning with focus on life and the works of Maulana Abul Kalam Azad and on modern and contemporary affairs in South Asia, Central Asia, Eurasia and West Asia.

MAKAIAS was set up as a research institute which would seek to study Society and Culture, scientific rationality and the broad field of Asian relations. More specifically the Institute was established with the objective of carrying out research with focus on social, cultural, economic and political/ administrative developments in Asia from the middle of the 19th Century with special emphasis on their links with India and the life and works of Maulana Azad.

Under the North East India Research Programme, the socio-cultural aspects of the NEIR are being focused through organization of seminars/symposium/workshops in collaboration with the Universities/ Institutions of the North-Eastern states.

The Major Activities / Achievements of MAKAIAS :

- Activities of the Maulana Azad Museum.
- Research Projects/ Academic Programmes.
- Publication of Books/ Newsletters/ Occasional Papers.
- Seminars/ Symposiums/ Workshops on Asia Connect topics.
- Seminars/ Symposiums/ Workshops on the theme of Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM).
- Observance of National events/ anniversaries of national celebrities/ Campaigns/ Missions of Government of India.

ACTIVITIES OF MAKAIAS

APRIL, 2021

13th April 2021: MAKAIAS organized a lecture session on the topic ***"An Indian City 5000 Years Ago: Sindhu-Saraswati Link".*** The speakers for the session were Dr. Sanjay Kumar Manjul, Joint Director General, Archaeological Survey of India and Dr. Subha Majumder, Superintending Archaeologist (I/C), Archaeological Survey of India, Kolkata Circle. The lecture took place in the presence of Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who also gave his views and ideas on the said topic.

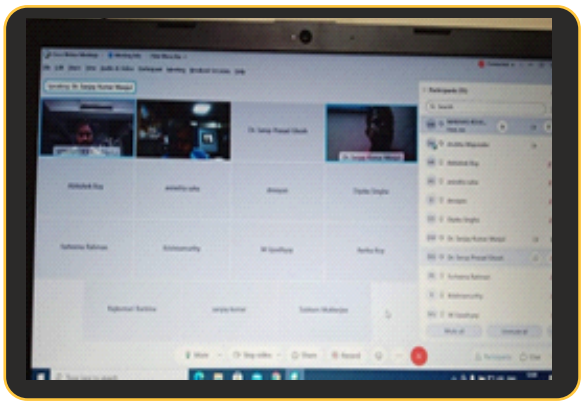

Participants of the lecture session

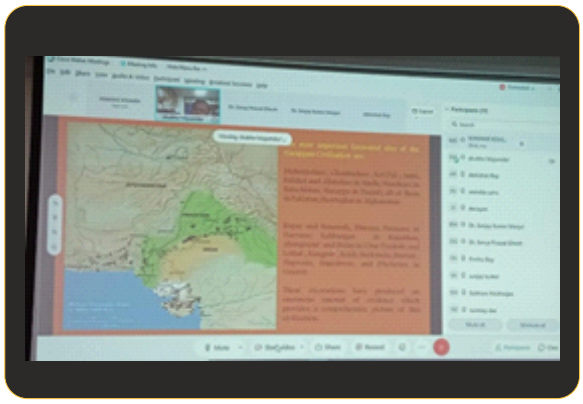

Presentation made during the lecture

19th April, 2021: On the occasion of World Heritage Day, MAKAIAS organized a lecture session on the topic "Mahabalipuram/Mamallapuram: A Forgotten Past". The lecture was delivered by Shri P.S. Sriraman, Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India. The lecture focused on the trends in the interpretation of the famous Arjuna's Penance bas relief of Mamallapuram over a century and half by various scholars. Is it Bhagiratha's effort to bring Ganga to the earth of Arjuna's Penance to obtain the all pervading Pasupatha form of Siva. The question still lingers. The talk took us through the various interpretations in a chronological framework. The talk also culminated in the recent interpretation of the bas relief as a dynamic sculpture set over the time and space. The lecture took place in the presence of Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS along with other participants.

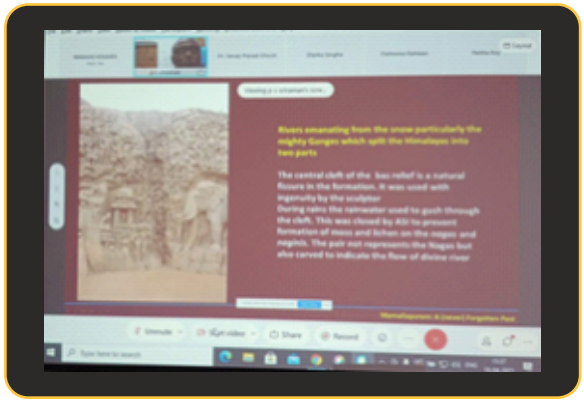

Presentation made during the lecture

27th-29th April 2021: A Three-Day International Buddhist Conclave on the topic ***"Buddha: The Unifying Force amongst the Oriental World"*** was organized by MAKAIAS. Day 1 of the Webinar started with the Inaugural Speech which was delivered by Prof. Sujit K. Ghosh, Chairman, MAKAIAS and the theme was introduced by Prof. K.C. Baral, Vice Chairman, MAKAIAS. It was then followed by the felicitation speech which was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The inaugural session concluded with a Vote of Thanks given by Dr. Abir Kumar Gorai, Academic Consultant, MAKAIAS. The inaugural session was then followed by Academic Session I and Academic Session II. Day II of the Webinar had three Academic Sessions and in the concluding day of the webinar we had one Academic Session. The Three Day International Buddhist Conclave was concluded by the

Valedictory Speeches delivered by Prof. K.C. Baral and Dr. Sarup Prasad Ghosh. A number of learned scholars participated in the webinar and presented their papers in the academic sessions. Scholars from countries like Thailand, Vietnam and Indonesia presented thought-provoking papers in this webinar.

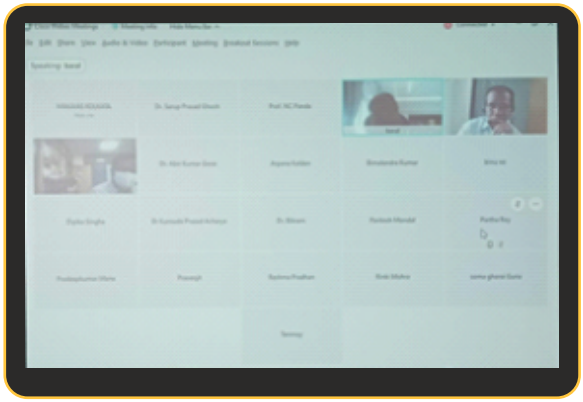

Participants of the webinar

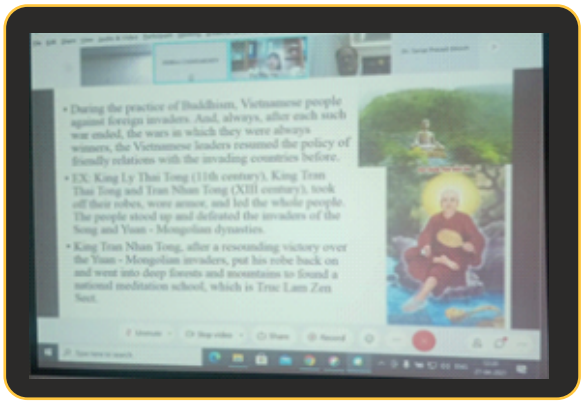

Presentation made during the webinar

MAY, 2021

17th May 2021: MAKAIAS organized a lecture on ***"Impact of Covid-19 on India's Trade with Asian Countries"*** which was delivered by Prof. Rajagopal Dhar Chakraborty, Chair Professor, Department of South and South East Asian Studies, University of Calcutta. The lecture focused on the various impacts of the Covid-19 pandemic on economic activities worldwide in general and India in particular. It also tried to understand whether India's foreign trade has bounced back by comparing the trade performance of our country in the month of January 2021 when the economy was to a certain extent free from the restrictions of Covid to that of the month of January 2020. It was thus found that, on the import front India's imports from Far East India and ASEAN registered positive growth, while it was negative for all other regions. Comparisons of the months of March 2021 and March 2020 for imports and exports of all commodities established that Indian foreign trade is starting to bounce back. Although we are yet to reduce Chinese dependency, India's external economy is resilient again. The Lecture took place in the presence of Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who delivered the Vote of Thanks in the presence of other participants.

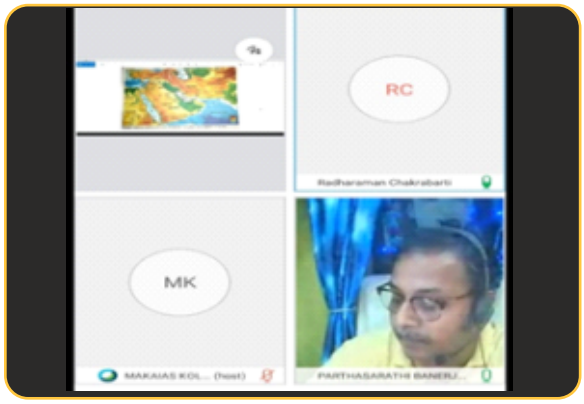

Glimpse of the lecture session

26th May: MAKAIAS organized a lecture session on the topic "The impact of Buddhist Ethics on Asian Consciousness" which was delivered by Dr. Prajnalankar Bhikkhu, Joint Registrar, Visva Bharati University, Shantiniketan. The lecture was also attended by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who concluded the session by giving his important insights into the said topic. The aim of the talk was to re-look the potential of Buddha and his heritage in the world, especially in Asia, and India's leadership in promoting the same for global understanding, friendship and well-being. A number of participants from across the country were also a part of this lecture session.

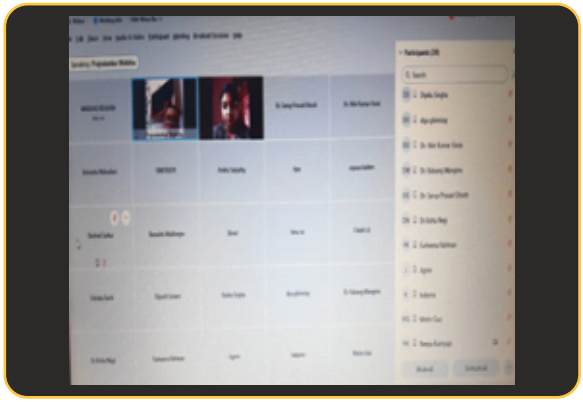

Participants attending the lecture session

31st May 2021: MAKAIAS organized a lecture which was delivered by Prof. Jyotirmoy Banerjee (Retd.), Professor of International Relations, Jadavpur University, Kolkata. The topic of the session was ***"Indo-Israel Relations and Contemporary West Asian Politics".*** The lecture highlighted the diplomatic relationship between India and Israel and the factors attributing to bilateral trade between the two. It mainly talked about the significance of bilateral cooperation between India and Israel which is needed for India's national security. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS was present along with other participants in this lecture session.

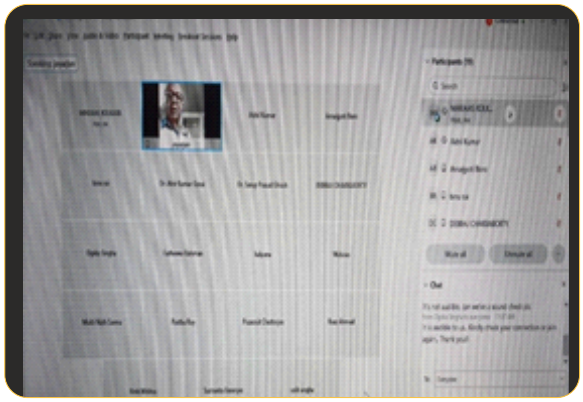

Participants attending the lecture session

JUNE, 2021

7th June 2021: MAKAIAS organized a lecture on the topic "India and West Asia: Turning Point in Recent Diplomacy" which was delivered by Prof. Radharaman Chakrabarti, Director of UNESCO Programme on Human Unity at the Ramakrishna Mission, Gol Park, Kolkata. The talk centred on the emerging challenges in West Asia, which are under careful scanner of our Foreign Policy Establishment. The issues are well beyond bilateral relationship, which anyway are being admirably managed. What complicates matters is third party equations, local as well external involvements that demands a close scrutiny. The session was followed by discussion where the speaker answered a number of queries of the participants. The lecture was also attended by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who also gave his valuable insights into the subject matter.

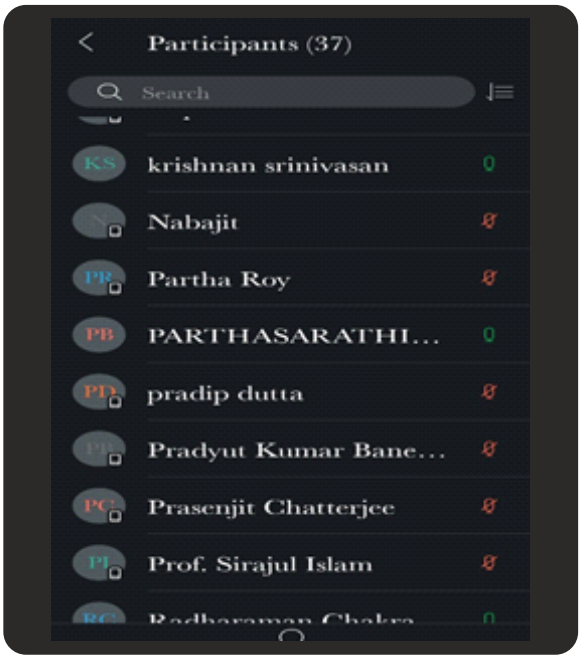

Participants of the session

16th June, 2021: MAKAIAS organized a lecture session on the topic ***"Asian Museums, the Edu-Cultural Centers: Rediscovering and Reasserting".*** The speakers of this lecture were Dr. Piyali Bharasa, Assistant Professor, Department of Museology, university of Calcutta and Dr. Sudakshina Mukherjee, Lecturer, Department of

Museology, Rabindra Bharati University. The speakers mainly discussed about the significance of Museums in Asia and its role in conserving, preserving and disseminating valuable information to the people. The talk focused on the issues and challenges faced by the Museums which acts as a barrier and hinders the actual purpose of these edu-cultural centers. The talks also highlighted a number of important points which are to be incorporated and implemented for these Museums to be used at its full potentiality. The lecture discussed about some of the important Museums which is located in different parts of Asia and the need for rediscovering and reasserting these museums. The lecture concluded with the views shared by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS.

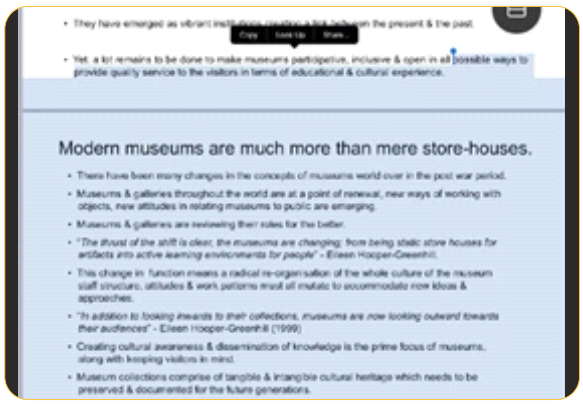

Presentation made during the webinar

21st June 2021: MAKAIAS observed the International Yoga Day by organizing a lecture on the topic titled ***"Yoga: An Indian Heritage and the Role of Karma Yoga in an Institution"***. The lecture was delivered by Revered Swami Vedatitanandaji Maharaj, Principal, Belur Silpa Vidyamandir. The lecture focused on many aspects of yoga including yoga as the heritage of India as well as the process of execution and implementation of Karma Yoga as part of the yogic practices. He has also very lucidly explained all the four yogas, the Raja Yoga, the Karma Yoga, the Bhakti yoga and the Gyana Yoga as part of the Indian cultural heritage. The discussion also tried to draw the balance between practicality and idealism. The lecture was also attended by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who summed up the session by enlightening everyone with his views and ideas on the said topic and also delivered the Vote of Thanks. A number of participants from around the country were a part of this lecture session.

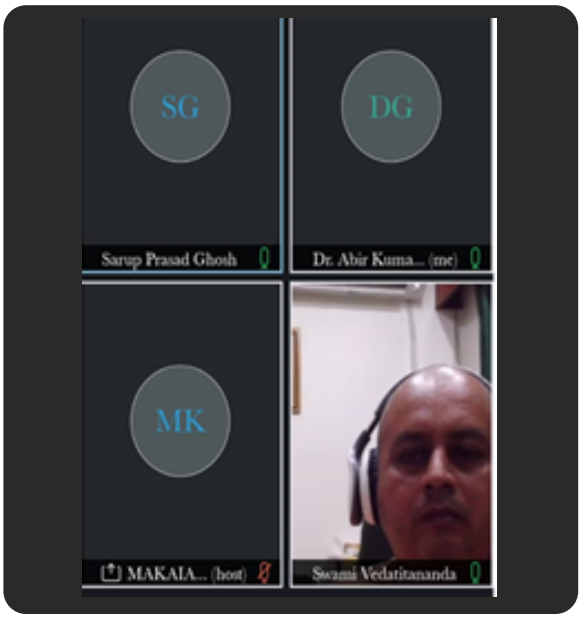

Glimpse of the lecture session

JULY, 2021

6th-7th July, 2021: MAKAIAS observed the Birth anniversary of Dr. Syama Prasad Mookerjee by organising a National Webinar on the topic ***"Dr. Syama Prasad Mookerjee and Modern India"*** on 6th and 7th July, 2021. This programme was organized under the theme of Government of India's Azadi Ka Amrit Mahotsav, an initiative to celebrate and commemorate 75 years of progressive independent India, its people, culture and achievements.

The speakers for the academic session for Day 1 were Dr. Tarun Vijay, Former M.P, Rajya Sabha and Chairman of National Monument Authority; Dr. Naba Kumar Adak and Dr. Debdatta Chakravarty, Research Fellow, ICHR. The

session was chaired by Prof. K.C. Baral, Vice-Chairman, MAKAIAS. The speakers for the academic session for Day Two were Dr. Om Jee Upadhyay, Director (R&A), ICHR; Prof. Raghuvendra Tanwar, Emeritus Professor, Department of History, Kurukshetra University and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The session was chaired by Prof. K.S. Chakrabarti, Member of Executive Council, MAKAIAS. The webinar was attended by a number of participants from across the country. Dr. Abir Kumar Gorai, Academic and Museum Consultant, MAKAIAS delivered the Vote of Thanks at the end of the Two-Day webinar.

10th-12th July, 2021: MAKAIAS in collaboration with Techno India Group of Institutions organized a Three-Day e-Orientation Programme for Academic Staff Members from 10th to 12th July, 2021. The Chief Guest of the programme was Prof. Dhrubajyoti Chattopadhyay, Hon'ble Vice Chancellor, Sister Nivedita University, Kolkata. The programme was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS and the Chairperson was Prof. K.C. Baral, Vice-Chairman, MAKAIAS. The Valedictory speech was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The programme was coordinated by Prof. Daisy Borah Talukdar, Dean Faculty of Education, Dibrugarh University. Each day had 4 academic sessions which were delivered by eminent academicians. The resource persons of the programme were as follows:

1. Prof. Deeksha Kapur, School of Continuing Education, Indira Gandhi National open University (IGNOU), New Delhi
2. Dr. S.K. Tripathi, Regional Director, Indira Gandhi National Open University (IGNOU), Bhubaneswar.
3. Prof. K.C. Sahoo, Dean, Faculty of Education, Visva-Bharati University, Shantiniketan.
4. Dr. Charlotte Simpson Veigas, Department of Education and Vice-Principal, St. Xavier's College, Kolkata.
5. Dr. Shalabh Agarwal, Associate Professor and Director, Computer Centre & Central Computing Facilities, St. Xavier's College, Kolkata.
6. Dr. Mandira Mukherjee, Associate Professor, Department of Education, St. Xavier's College, Kolkata.
7. Dr. Daisy Borah Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University, Assam.

14th July, 2021: A Lecture on the topic ***"Indo-Russia Relations in the Covid Pandemic Period"*** was organized by MAKAIAS. The lecture was delivered by Dr. Sonali Singh Professor, Department of Political Science, Faculty of Social Science, Benaras Hindu University. The lecture focused on how the present covid situation is reshaping international relations by unleashing multidimensional crisis, debates and power rivalries. Amidst this, Indo-Russian relations have been marked not only by continuity and cooperation but also challenges. As leading powers, their relationship is indispensable for maintaining multi-polarity, strategic autonomy and global security. The webinar was concluded with the views shared by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who also delivered the Vote of Thanks.

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

NATIONAL WEBINAR

LECTURE ON

Indo-Russia Relations in the Covid Pandemic Period

Speaker

Dr. Sonali Singh

Professor, Department of Political Science

Faculty of Social Science, Benaras Hindu University

24th-26th July, 2021: MAKAIAS in collaboration with Techno India Group of Institutions organized a Three-Day e-Orientation Programme for Academic Staff Members from 24th to 26th July, 2021. Shri Arjun Ram Meghwal, Hon'ble Minister of State, Ministry of Culture, Government of India, graced and inaugurated the e-Orientation programme. The theme of the programme was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Valedictory address. The programme was coordinated by Prof. Daisy Borah Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University. Each Day had 4 academic sessions which was attended by a number of participants. Deliberations in each session were made by eminent academicians from across the country. The programme concluded with the Valedictory session. The resource persons of the programme were as follows:

1. Prof. Deeksha Kapur, School of Continuing Education, Indira Gandhi National open University (IGNOU), New Delhi
2. Dr. S.K. Tripathi, Regional Director, Indira Gandhi National Open University (IGNOU), Bhubneswar.
3. Dr. Charlotte Simpson Veigas, Department of Education and Vice-Principal, St. Xavier's College, Kolkata.
4. Dr. Shalabh Agarwal, Associate Professor and Director, Computer Centre & Central Computing Facilities, St. Xavier's College, Kolkata.
5. Prof. Brinda Bazeley Kharbirymbai, Department of Education, North-Eastern Hill University, Shillong.
6. Flt. Ltd. (Dr.) Dhirendra Kumar mohapatra, Former Secretary & Member, State Selection Board, Higher Education Department, Government of Odhisha, Bhubaneswar.
7. Dr. Daisy Borah Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University, Assam.

AUGUST, 2021

10th August 2021: MAKAIAS organized a National Webinar to celebrate and commemorate 75 years of India's independence and the glorious history of it's people, culture and achievements under the theme ***"Azadi Ka Amrit Mahotsav"***, an initiative of the Government of India. The topic of the webinar was ***"Madan Mohan Malaviya and His Contributions towards Building up Indian Consciousness".*** The webinar was conducted at Azad Bhavan both in the offline as well as the virtual mode. The speaker for the session was Dr. Balmukund Pandey, Educationist and Social Activist. The webinar was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS and the welcome address was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The Vote of Thanks was delivered by Dr. Abir Kumar Gorai, Academic and Museum Consultant, MAKAIAS.

Dr. Balmukund Pandey during his deliberation

11th-12th August, 2021: As a part of MAKAIAS's Knowledge Resource Centre, a Two-Days Interdisciplinary e-Orientation Programme for Teachers was organized on the 11th and 12th August 2021. The orientation programme was organized in collaboration with Post Graduate Department of History-cum-Historical Research

Cell, Ramashray Baleshwar College, Samastipur, Bihar. The programme was inaugurated by Prof. Surendra Pratap Singh, Vice-Chancellor, Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga, Bihar. The programme was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Valedictory speech. The Academic coordinators of the said programme were Prof. Daisy Borah Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University and Prof (Dr.) Sanjay Jha, head, Post Graduate Department of History cum Research Cell, RB College, Dalsingsarai, Samastipur. The resource persons for the said programme were as follows:

1. Prof. Piyush Kamal Sinha, Professor and Former Head, Department of History, Magadh University, Bodhgaya, Bihar.
2. Prof. (Dr.) Santosh Kumar Shukla, Dean, School of Sanskrit and Indic Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi.
3. Prof. (Dr.) Rajeev Ranjan, Department of History, College of Commerce, Arts & Science, Patliputra University, Patna.
4. Prof. Kismat Kumar Singh, Professor & Head, Department of Philosophy, Veer Kumwar Singh University, Aara Katira, Arrah, Bihar.

15th August, 2021: MAKAIAS celebrated the 75th Independence Day of India by hoisting the National Flag at Azad Bhavan and Maulana Azad Museum. The flag was hoisted by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS in the presence of the staff members of the Institute.

Flag hoisting at Azad Bhawan

Flag hoisting at Azad Museum

15th August, 2021: MAKAIAS is celebrating ***Azadi Ka Amrit Mahotsav*** and in this connection, a new gallery was opened for the public on the occasion of 75th Independence Day of our Nation. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS inaugurated the gallery in compliance with the Covid rules of the Government. Objects used by Maulana Abul Kalam Azad himself are being displayed in this gallery. Keeping in mind the current situation, arrangements are being made so that people can view it online as well.

Dr. Sarup Prasad Ghosh inaugurating the Gallery

16th August 2021: MAKAIAS organized a National Webinar on the topic ***"Rani Gaidinliu: Her Role in Indian Freedom Struggle"*** which was delivered by Dr. Gonmei Lanbilung Kabui, Department of History, Imphal College. The webinar was organized in connection with the observance of the ***75th Azadi ka Amrit Mahotsav.***

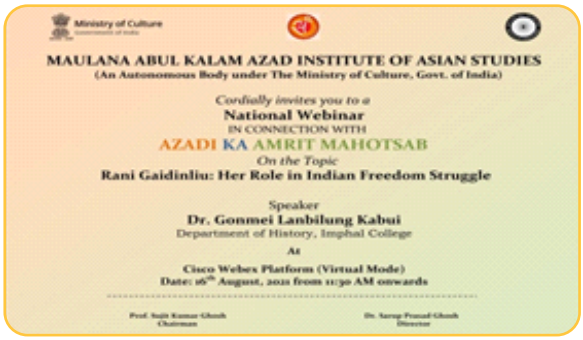

19th August 2021: MAKAIAS organized a National Webinar on the topic ***"Veer Savarkar: His Clarion Call to the Nation"*** in connection with the Government of India's commemoration initiatives under ***Azadi Ka Amrit Mahotsav.*** The speaker was Prof. (Dr.) Himanshu Chaturvedi, Former Head, Department of History and Philosophy, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, U.P. He is currently the member of Indian Council of Historical Research, New Delhi and Board of Studies, Centre for Historical Studies, JNU.

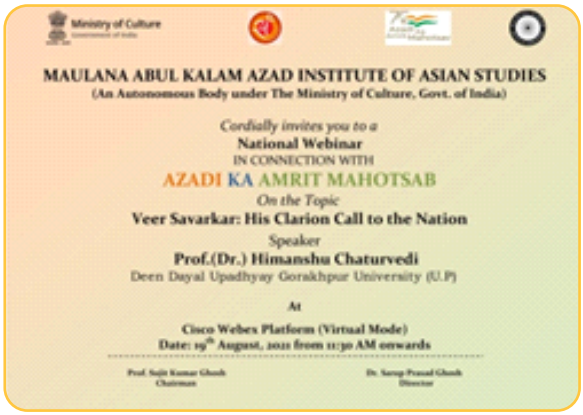

25th-27th August, 2021: As a part of MAKAIAS's Knowledge Resource Centre, a Three-Day e-Orientation Programme for Staff Members was organized from 25th to 27th August, 2021. The programme was organized in collaboration with Narendrapur Ramakrishna Mission Vidyalaya, Kolkata and Ramakrishna Mission Boys' Home High School, Rahara, West Bengal. The programme was introduced by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS and the Valedictory speech was delivered by Prof. K.C. Baral, Hon'ble Vice-Chairman, MAKAIAS. The coordinator of the programme was Dr. Daisy Bora Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University, Assam. The resource persons of the said programme were as follows:

1. Prof. Brinda Bazeley Kharbirymbai, Department of Education, North-Eastern Hill University, Shillong, Meghalaya.
2. Revered Sandipan Maharaj, Headmaster, Ramakrishna Mission Vidyalaya, Narendrapur, Kolkata
3. Revered Saroj Maharaj, Headmaster, Ramakrishna Boys' Home High School, Rahara, Khardaha, Kolkata.
4. Flt. Ltd. (Dr.) Dhirendra Kumar Mohapatra, Former Secretary & Member, State Selection Board, Higher Education Department, Government of Odisha, Bhubaneswar.
5. Professor Deeksha Kapur, School of Continuing Education, Indira Gandhi National Open University (IGNOU), Ministry of Education, Govt. of India, New Delhi.
6. Dr. Charlotte Simpson Veigas, Department of Education & Vice-principal, St. Xavier's College, Kolkata.

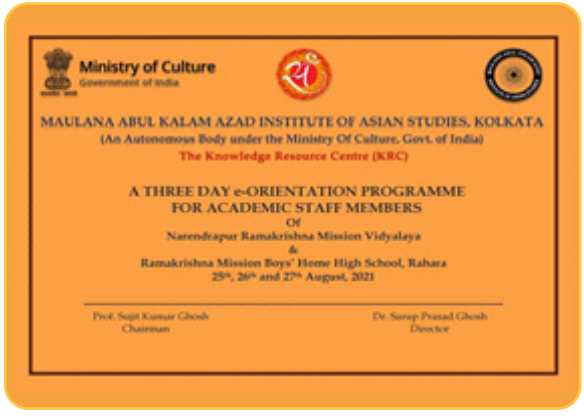

SEPTEMBER, 2021

2nd September, 2021: MAKAIAS organized a National webinar on 2nd September 2021. The topic of the webinar was ***"Indo-East Asia Relations with Mongolia as a Case Study: Problems and Prospects"*** which was delivered by Prof. Sugam Anand, Department of History, Dr. B.R. Ambedkar University, Agra.

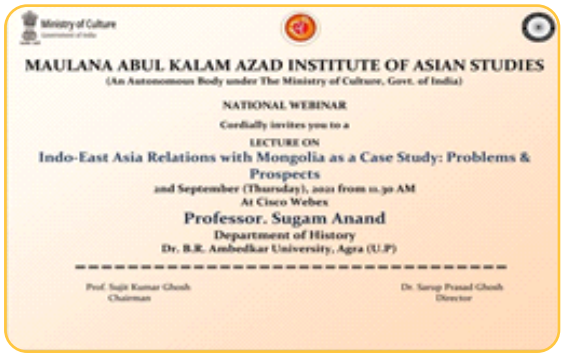
MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
(An Autonomous Body under The Ministry of Culture, Govt. of India)
NATIONAL WEBINAR
Cordially invites you to a
LECTURE ON
Indo-East Asia Relations with Mongolia as a Case Study: Problems & Prospects
2nd September (Thursday), 2021 from 11.30 AM
At Cisco Webex
Professor. Sugam Anand
Department of History
Dr. B.R. Ambedkar University, Agra (U.P)

3rd September, 2021: MAKAIAS organized a National Webinar under ***"Azadi Ka Amrit Mahotsav" initiative on the topic "Rashtra Nirman Mein Hindi ka Mahatva".*** The Chief Guest and Speaker for the webinar was Shri Hon'ble Mukul Kanitkar Ji, Bharatiya Shikshan Mandal. The webinar was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS and the welcome address was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The webinar concluded with the Vote of Thanks which was delivered by Dr. Abir Kumar Gorai, Academic and Museum Consultant, MAKAIAS.

From left to right: Prof. Sujit K. Ghosh, Shri Hon'ble Mukul Kanitkar Ji and Dr. Sarup Prasad Ghosh during the webinar.

9th September 2021: MAKAIAS organized a National webinar on ***"Indo-Central Asian Relations: A Closer Look at Uzbekistan's Cultural Ties with India"***. The speaker for the webinar was Prof. N. Rajendran, Former Vice-Chancellor, Alagappa University, Karaikudi, Tamil Nadu.

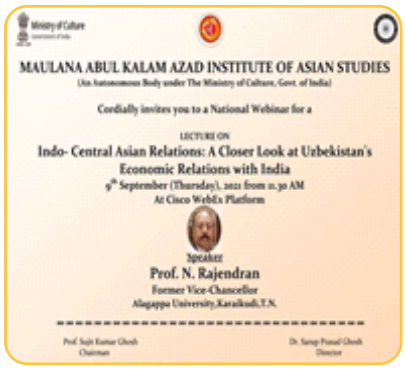
MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
(An Autonomous Body under The Ministry of Culture, Govt. of India)
Cordially invites you to a National Webinar for a
LECTURE ON
Indo- Central Asian Relations: A Closer Look at Uzbekistan's Economic Relations with India
9th September (Thursday), 2021 from 11.30 AM
At Cisco WebEx Platform
Speaker
Prof. N. Rajendran
Former Vice-Chancellor
Alagappa University, Karaikudi, T.N.

14th September 2021: MAKAIAS organized a lecture session in connection with the observation of Hindi Pakhwada under ***"Azadi Ka Amrit Mahotsav"***. The speaker for the session was Shri L.K Singh who delivered his lecture on the topic ***"Rajbhasha Hindi ki Samvidhanik Sthiti Evam Sambandhit Adhiniyam Niyam"*** virtually. The session was chaired by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who also delivered the Vote of Thanks.

Shri L.K Singh delivering his lecture via online mode

25th-26th September, 2021: A Two-Day Interdisciplinary e-Orientation Programme for Principals under CBSE Schools was organised on 25th and 26th September 2021. The programme was organized as part of MAKAIS's Knowledge Resource Centre (KRC). The programme was introduced by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The programme coordinators were Prof. Daisy Bora

Talukdar, Dean, Faculty of Education, Dibrugarh University, Assam and Dr. Prashant Meshram, Jt. Registrar (Academic & Research), Visva Bharati, Shantiniketan. The valedictory speech was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. The resource persons of the programme were as follows:

1. Prof. H.B. Patel, School of Education, Central University of Gujarat, Gandhinagar.
2. Ms. Chandana Mandal, Deputy Commissioner, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Regional Office, Kolkata.
3. Professor Deeksha Kapur, School of Continuing Education, Indira Gandhi National Open University (IGNOU), Ministry of Education, Govt. of India, New Delhi.
4. Prof. Brinda Bazeley Kharbirymbai, Department of Education, North-Eastern Hill University, Shillong, Meghalaya.
5. Dr. Jayesh Patel, Assistant Regional Director, IGNOU Regional Centre, Gujarat.
6. Professor Prerana H. Shelat, Indian Institute of Teacher Education, Gandhinagar.
7. Dr. Noopur Singh, Assistant Director (Research), Indian Council of Historical Research (ICHR0, New Delhi.
8. Sh. S. Vijaya Kumar, Director (student Support Services), National Institute of Open Schooling, New Delhi.
9. Dr. Biswajit Saha, Director (Training & Skill Education), Central board of Secondary Education (CBSE), New Delhi.

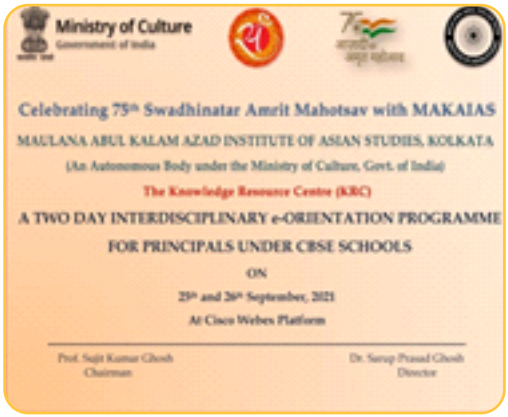

29th September, 2021: MAKAIAS organized a lecture session on the topic ***"Remembering Unsung Hero Veer Sambudhan Phonglo, South Assam"*** in connection with ***Azadi ka Amrit Mahotsav***. The speakers of the session were Dr. Phirmi Bodo, Assistant Professor, Centre for the Study of Social System, School of Social Science, JNU and Mr. Amit Barman, UGC Research Fellow and former Research Assistant, MAKAIAS.

30th September, 2021: MAKAIAS organized a National webinar on the topic ***"Indo-Lankan Relations: South Asian Perspectives"***. The speaker for the session was Prof. Nidhi Chaturvedi, Department of History, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University. The lecture discussed about the common link of Buddhism and Hinduism assimilating the southeast region with a focus on Sri Lanka and India. The Webinar concluded with the views shared by the Director of MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghost who also delivered the Vote of Thanks.

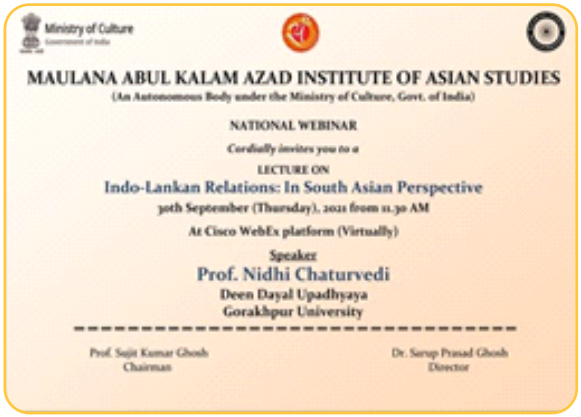

OCTOBER, 2021

1st October, 2021: MAKAIAS organized a lecture session on the topic "Human Rights: Its Evaluation in Recent Times in South Asian Region" at Azad Bhavan, Salt Lake. The lecture was delivered by Shri Sunil Ambekar, an Educationist and Social Activist.

Shri Sunil Ambekar delivering his lecture

25th October 2021: MAKAIAS organized a National Webinar as part of MAKAIAS's ongoing lecture series. The topic of the lecture was ***"Indo-Oman Cultural Ties: Different Aspects of Soft Diplomacy"*** which was delivered by Dr. Prithvish Nag , Former Vice-Chancellor, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi.

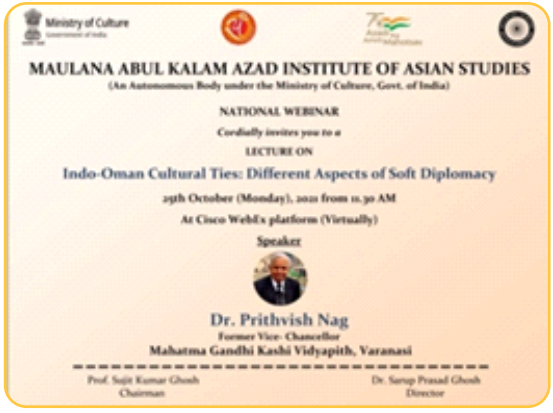

26th October, 2021: MAKAIAS observed the Vigilance Awareness Week from 26th October 2021 to 1st November 2021. The theme for this year is "स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता" (Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity). On this occasion, all the staff of the Institute in the presence of Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS took the Integrity Pledge at Azad Bhavan.

Observance of Vigilance Awareness Week at Azad Bhawan

29th October 2021: MAKAIAS organized a National Webinar on the topic ***"Trade Relations between ASEAN & SAARC in the Post Covid Era"*** which was delivered by Prof. Shri Prakash Mani Tripathi, Hon'ble Vice-Chancellor, Indira Gandhi National Tribal University (IGNTU).

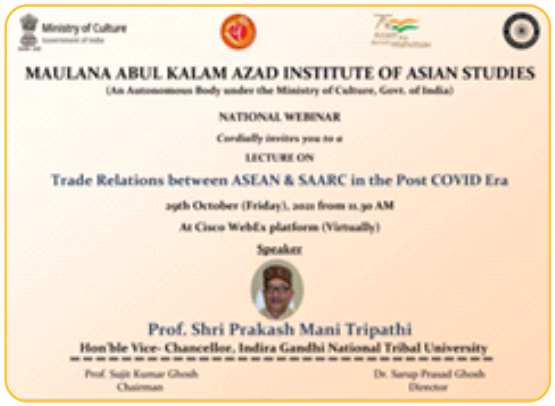

NOVEMBER, 2021

11th November, 2021: On the occasion of the 133rd Birth Anniversary of Maulana Abul Kalam Azad and the observance of the National Education Day, MAKAIAS organized the Azad Memorial Lecture, 2021 on 11th November at Azad Bhavan, Salt Lake. The lecture was delivered by Prof. V. Kishan Rao Former Registrar, Osmania University on ***"Glimpses of Maulana Abul Kalam Azad, the First Education Minster of India"*** and Dr. Farheena Rahman on ***"Chandra Prabha Saikiani: An Unsung Hero of Freedom Movement of India".***

Prof. V. Kishan Rao during his deliberation

26th November 2021: MAKAIAS organised a lecture in connection with World Heritage Week on the topic of ***"Cultural Heritage of the Ancient Societies: A Study of the Borderlands of Himalayan and Sub-Himalayan Regions".*** The lecture was delivered by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Former Vivekananda Chair Professor of Social Science, University of Calcutta.

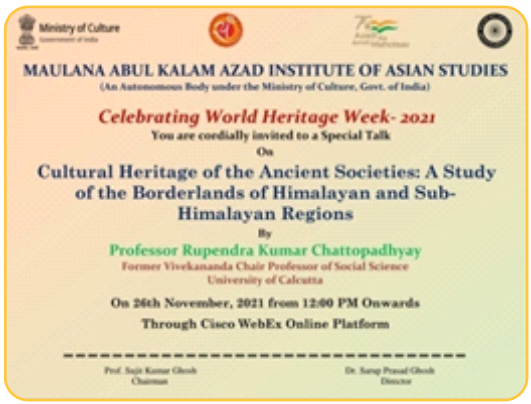

29th November, 2021: MAKAIAS organised a lecture on ***"Indo-Japan Relations and it's Link with INA & Netaji"*** as part of the observance of ***75th Swadhinatar Amrito Mahotsav.*** The lecture was delivered by Professor Abha Pal, School of Studies in History, Pt. Ravi Shankar Shukla University.

30th November, 2021: As a part of the celebration of the ***75th Swadhinotar Amrito Mahotsav***, MAKAIAS organised a lecture on ***"Objectivity and the Concept of 75th Swadhinatar Amrito Mahotsav".*** The lecture was delivered by Dr. Om Jee Upadhayay, Director (Research), Indian Council of Historical Research.

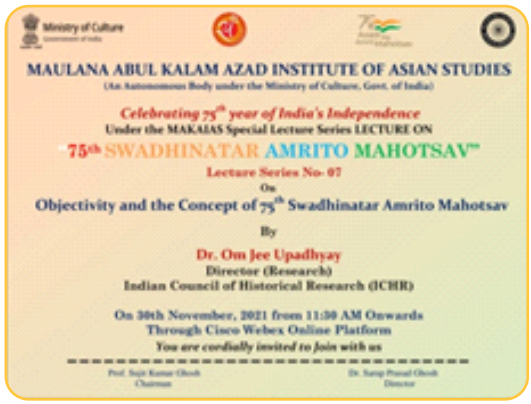

DECEMBER, 2021

9th December 2021: MAKAIAS organised a lecture on the topic ***"Azad Hind Radio: A Historical Account"*** as a part of the observance of ***75th Swadhinatar Amrito Mahotsav***. The lecture was delivered by Dr. Manas Pratim Das, Programme Executive, All India Radio, Kolkata.

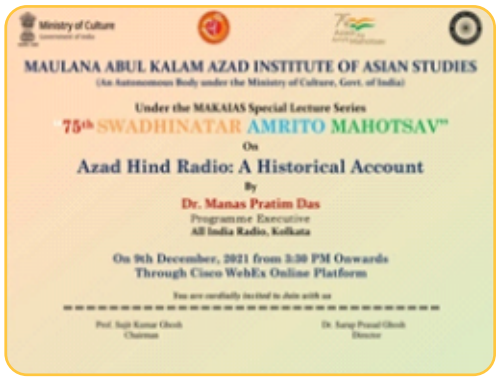

13th December 2021: MAKAIAS organised a lecture on the topic ***"Women's Question in South Asia",*** delivered by Professor Shweta Prasad, Faculty of Social Science, Benaras Hindu University.

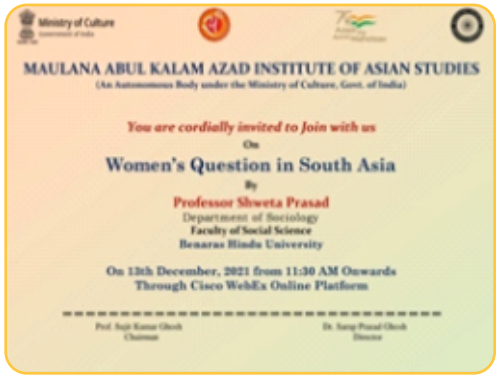

17th December, 2021: MAKAIAS organized a lecture on the topic ***"Azan Fakir: A Forgotten Chapter of Our Cultural Legacy"*** as a part of the observance of ***75th Swadhinatar Amrito Mahotsav.*** The speaker of the session was Prof. Md. Sirajul Islam, Department of Philosophy and Comparative Religion, Visva Bharati University.

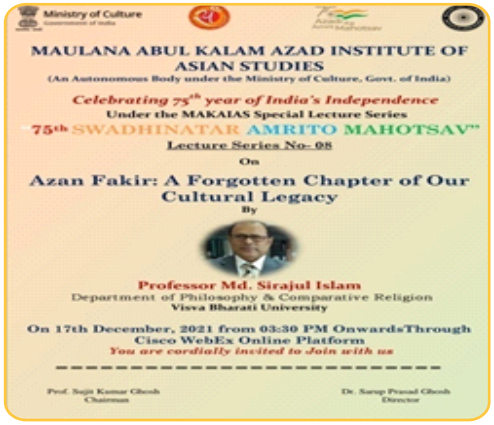

21st December 2021: MAKAIAS organized a Lecture session as part of the observance of ***75th Swadhinatar Amrito Mahotsav.*** The topic of the lecture was ***"The Bhakti Movement and Lalan Fakir"*** which was delivered by Dr. Sk. Makbul Islam, Head, Department of Bengali, St. Paul's Cathedral Mission College, Kolkata.

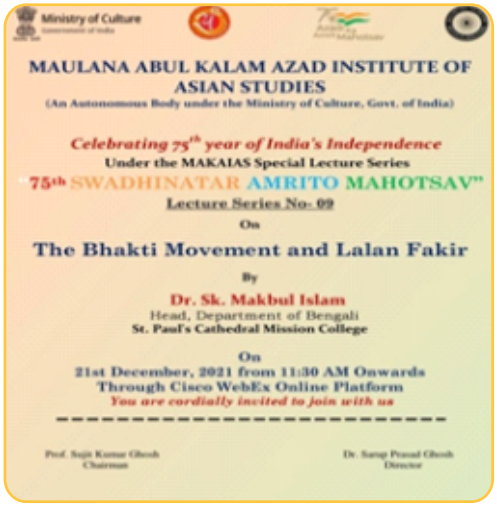

27th December, 2021: As part of MAKAIAS's observation of the ***75th Swadhinatar Amrito Mahotsav,*** a lecture session was organized on 27th December 2021. The topic of the session was ***"The INA's Secret Service in South East Asia"*** which was delivered by Dr. Tapan Chattopadhyay, IPS (Retd.)

JANUARY, 2022

10th-11th January, 2022: In connection with the 125th Birth Anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose, MAKAIAS organized a Two Day National Seminar/ Webinar on 10th and 11th January, 2022. The topic of the seminar was ***"From Subhas to Netaji: Revisiting His Contribution in Asian Perspective"***. The chief guests for the said seminar were Dr. Amitava Chatterjee, Kazi Nazrul University and Dr. Minakshi Sinha, Retd. Rabindra Bharati University. The session was chaired by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS.

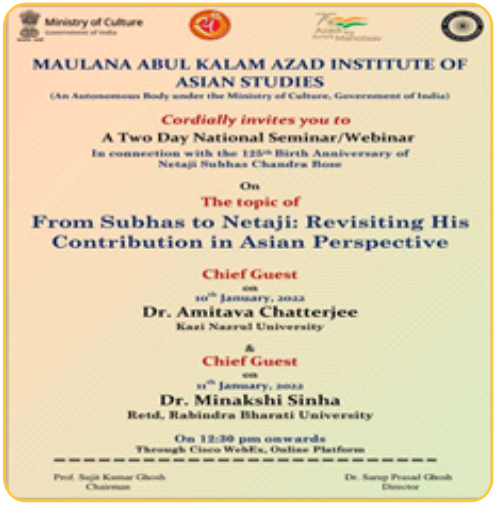

23rd-24th January, 2022: MAKAIAS celebrated the 125th Birth Anniversary of Netaji Subhas Chandra Bose by organizing a Two Day International Webinar on ***"Netaji and the Anti-Imperial Movements in Asia: A Historical Perspective"***. The webinar was organized on 23rd and 24th January 2022. The welcome address was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS and the seminar was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Chairman, MAKAIAS. Prof. Tomio Mizokami, Professor Emeritus, Osaka University of Foreign Studies, Japan; President, Kansai-Japan-India Cultural Society, Kobe delivered the Keynote Address. Dr. Numal Momin, Deputy Speaker, Govt. of Assam delivered a special lecture. A book published by MAKAIAS, Kolkata on "Journey from Subhas to Netaji: Revisiting his Contribution in Asian Perspective" was also released by Prof. Mizokami on the first day of the webinar. The Vote of Thanks was delivered by Dr. Abir Kumar Gorai, Consultant, Academic and Museum, MAKAIAS. The second day of the webinar started with the presentations by the in house fellows and staffs of the Institute. The session was chaired by Dr, Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS who gave his comments at the end of the session and also delivered the Vote of Thanks.

Prof. Tomio Mizokami (up) and Dr. Numal Momin (down) during the webinar.

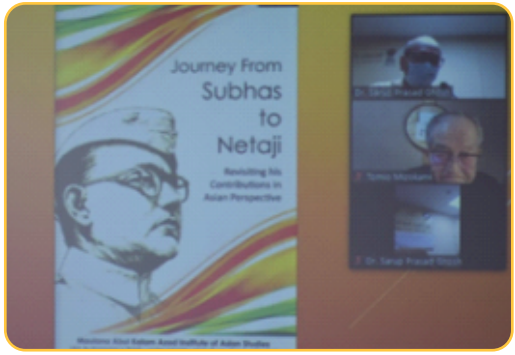

A MAKAIAS Publication titled "Journey From Subhas to Netaji: Revisiting his Contributions in Asian Perspective" being released during the webinar.

25th January 2022: MAKAIAS organized a National Webinar in collaboration with Sister Nivedita University on the topic "Journey from Subhas to Netaji: Revisiting his Contributions in Asian Perspective". The welcome address was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Directore, MAKAIAS. The webinar was inaugurated by Prof. Dhrubajyoti Chattopadhyay, Hon'ble Vice-Chancellor, Sister Nivedita University, Kolkata. The theme of the webinar was introduced by Prof. Sujit K. Ghosh, Chairman, MAKAIAS. a special lecture was delivered by Prof. Kapil Kumar, Director, Indira Gandhi Centre for Freedom Studies, IGNOU. The keynote address was delivered by Dr. Biswajit Saha, Director, CBSE, Ministry of Education, Government of India. Dr. Farheena Rahman, Co-ordinator, Academic Research Unit, MAKAIAS also delivered a lecture in the said webinar. The webinar concluded with the Vote of Thanks which was delivered by Dr. Abir Kumar Gorai, Consultant, Academic and Museum, MAKAIAS.

Dr. Sarup Prasad Ghosh (left) and Prof. Dhrubajyoti Chattopadhyay (right) during the webinar.

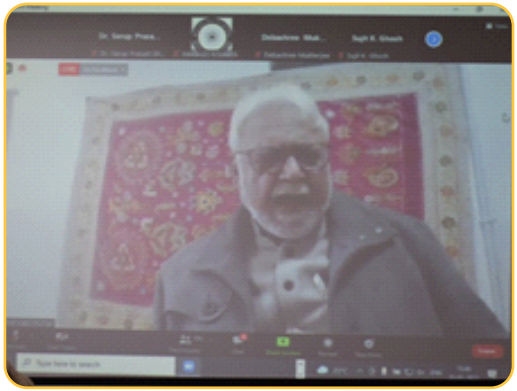

Prof. Kapil Kumar delivering the special lecture on Netaji.

26th January, 2022: MAKAIAS observed the 73rd Republic Day of India on 26th January 2022. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, hoisted the National Flag both at Azad Bhawan and Maulana Azad Museum in the presence of the staff of the Institute.

Flag Hoisting on the occasion of 73rd Republic Day at Azad Bhawan

Flag Hoisting on the occasion of 73rd Republic Day Azad Museum.

FEBRUARY, 2022

25th-27th February, 2022: MAKAIAS in collaboration with Sister Nivedita University organised a three day workshop on ***"Research Methodology Course in Humanities and Social Sciences".*** Day 1 started with the inaugural session which was initiated by Prof. Sujit K. Ghosh, Chairman, MAKAIAS. Prof. K.C. Baral, Vice-Chairman, MAKAIAS, delivered the introductory speech and the keynote address was delivered by Prof. Smritikumar Sarkar. Former Vice-Chancellor, University of Burdwan. The Vote of Thanks was livered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS. Day 2 had four Academic sessions which were as follows:

Academic Session I

Topic: Indian Knowledge System & Critical Enquiry

Resource Person: Prof K.C. Baral, Vice Chairman, MAKAIAS

Academic Session II

Topic: New Frontiers of Research in Humanities and Social Sciences: Through the Lens of Environmental History

Resource Person: Prof. Rajib Handique, Head, Department of History, Gauhati University

Academic Session III

Topic: Field Research and Its Modalities

Resource Person: Prof. H. Sudhirkumar Singh, Head, Department of South-East Asian Studies & Head, Department of History, Manipur University

Academic Session IV

Topic: Sharing Experiences on Research Methodology

Resource Person: Prof. Amartya Dutta

Indian Statistical Institute

Day 3 had two academic sessions which was followed by the valedictory session. The sessions of day 3 are as follows:

Academic Session V

Topic: Feminist Research Methodology

Prof. Alpana Borgohain, Former HOD, Department of Women's Studies, Gauhati University, Assam

Academic Session VI

Topic: Social Science Research: Principles, Methods and Practices

Resource Person: Prof. Sirajul Islam,

Department of Philosophy & Comparative Religion, Visva-Bharati University.

Valedictory Session

Valedictory Address: Prof. Aruna Sinha, Professor Emeritus, Banaras Hindu University, Varanasi

Summarizing the Workshop: Dr. Amit Kundu, Assistant Co-ordinator of the Workshop, Convener- Board of Research Studies, Sister Nivedita University & Professor & Dean - School of Management, Techno India Group

Address by: Prof K.C. Baral, Vice Chairman, MAKAIAS

Vote of Thanks and Distribution of a Copy of Certificate of Participation: Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS

MARCH, 2022

22nd-23rd March, 2022: MAKAIAS in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR), New Delhi, ICFAI, Hyderabad, CESS, Bangalore organized a National Seminar on ***"National Education Policy-2020: A Road Map to Revamp the Indian Higher Education System"*** on 22nd and 23rd March 2022 at Tirupati, Andhra Pradesh.

Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies

FINANCIAL STATEMENTS

FOR THE

CENTRAL AUTONOMOUS BODIES

RELATING TO THE YEAR 2021-22

(NON-PROFIT ORGANISATION AND SIMILAR ORGANISATIONS)

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

FoÙk&o"kZ „Œ„ƒ&„„ ls lofU/kr dUnzh; Lok;Ùk fudk;ksa
ds fy;s foÙkh; fooj.k

MAULANA ABUL KALAM AZAD

Separate Audit Report on the accounts of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Salt Lake, Kolkata, for the financial year ended 31 March 2022

Introduction

We have audited the attached Balance Sheet of the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata, as at 31 March 2022, Income and Expenditure account and Receipts and Payments Account, for the year ended on that date, under Section 20(1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period upto 2024-25. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions, in regard to compliance with extant Laws, Rules & Regulations (i.e. Propriety and Regularity aspects) and efficiency-cum-performance aspects etc, if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account, dealt with in this report, have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), Kolkata, as required, under the rules and regulations of the MAKAIAS, insofar as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Balance Sheet

1.1 Liabilities

1.1.1 Corpus/Capital Fund (Schedule 1): ₹11.93 crore

The Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS) during the year added ₹10.00 lakh as contribution towards Capital Grant received from the MoC (Govt. of India) to Capital Fund. It was noticed from Note-A of Schedule-1 (Capital Fund) that total cost of capital asset acquired during the year was ₹4.27 lakh and ₹5.73 lakh was remained as unspent balance during the year. Therefore, total amount of Capital Grant utilized for the purchase of Capital asset was ₹4.27 lakh only which was to be credited to Capital Fund instead of ₹10.00 lakh. This resulted in overstatement of Capital Fund (Schedule-1) by ₹5.73 lakh and understatement of Un-utilized Grant under the Current Liabilities and Provision (Schedule 7) by ₹5.73 lakh.

1.2 Assets

1.2.1 Investment-Others (Schedule-10): ₹1.59 crore

The Institute during the year disclosed an investment amounting to ₹158.81 lakh made for the purpose of Gratuity/Pension/Leave Encashment. Out of 15 Term Deposits, value of 10 Term Deposits was exhibited as ₹136.76 lakh instead of exhibiting the auto-renewed value

of those term deposits which was ₹165.43 lakh. This resulted in understatement of the 'Investment-Others' (Schedule-10) by an amount of ₹28.67 lakh and understatement of the Capital Fund (Schedule-1) by the same amount. Despite the issue being raised with the Institute in the previous year, no corrective measure was taken, in this regard.

B. General Comments:

2.1 The Accounting Ledger was maintained manually and was not authenticated by the competent authority.

2.2 Five Cheques bearing numbers 640955 dated 17.02.2020, 640957 dated 25.02.2020, 192479 dated 14.01.2021, 192497 dated 05.03.2021 and 192504 dated 23.03.2021 amounting to ₹63,310, ₹31,655, ₹823, ₹820 and ₹1400 respectively apart from one Bank Transfer dated 30.09.2021 amounting to ₹662, had been time-barred. These time-barred cheques/Bank Transfer need cancellation/ revalidation.

2.3 'Current Liabilities and Provisions'(Schedule-7) included an amount of ₹67.56 lakh as 'Provision for project Grant' which has not been utilized for last three years. The same needs to be checked and proper utilization should be ensured.

C. Grant-in-Aid

The Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies is an autonomous body mainly funded by Grant-In-Aid from Ministry of Culture (MoC), Govt. of India. Audit noted that during the year 2021-22 the Institute had received total grants of ₹465.00 lakh (GIA-Capital: ₹10.00 lakh, GIA-Salary: ₹178.00 lakh, GIA-General: ₹275.00 lakh, SAP-General: ₹2.00 lakh). The Institute during the year spent ₹461.98 lakh (Revenue Expenditure: ₹457.71 lakh and Capital Expenditure: ₹4.27 lakh). Therefore, an amount of ₹5.73 lakh remained unspent under the Capital head and the excess revenue expenditure amounting to ₹2.71 lakh was met from its internal receipts.

D. Net Effect

Net effect of the comments given in the preceding paragraphs was that both the Assets and Liabilities were understated by ₹28.67 lakh as on 31st March 2022.

E. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director, MAKAIAS, Kolkata, through a management letter, issued separately, for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account, dealt with by this report, are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion, and to the best of our information, and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:

i. insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata, as at 31 March 2022, and

ii. insofar as it relates to Income and Expenditure Account of the *deficit*, for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

(Debolina Thakur)
Director General of Audit
(Central)::Kolkata

Place: Kolkata
Date: 03.07.2023

Annexure

A. Adequacy of the Internal Audit System

The Internal Audit system of the Institute is inadequate, on account of the following:

i. The Institute does not have any Internal Audit Wing. However, a CA firm was assigned for the task of conducting Internal Audit.

ii. There is no Internal Audit manual in use.

B. Adequacy of the Internal Control System

The Internal Control System of the Institute was not found to be adequate, on account of the following:

i. The accounts are not coded.

ii. The post of Administrative-cum-Finance Officer, the incumbent of which is responsible for overall supervision of the Finance, Budget, Accounts & Audit and Administration functions, has been lying vacant for over three years.

iii. The accounting ledger was maintained manually and was not authenticated by the competent authority.

C. System of Physical Verification of Fixed Assets and Inventories

The Institute did conduct physical verification of its Fixed Assets and Inventories, for the financial year 2021-22 but the Institute is yet to conduct physical verification of its Library Books for the financial year 2021-22.

D. Statutory Dues:

The Institute was regular in payment of its Statutory Dues for the financial year 2021-22.

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
IB-166, SECTOR - III, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONAL UTILISATION CERTIFICATE for the year 2021-2022, in respect of recurring / non-recurring GRANTS-IN-AID (GENERAL)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2021-22

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2021-2022.

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2021-2022 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (5-6)
	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
REVENUE	NIL	NIL	F.No.32-7/2021-A&A	03/05/2021	45,83,000.00		2,77,31,684.00	(-)2,31,684.00
			F.No.32-7/2021-A&A	14/06/2021	22,92,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	13/07/2021	16,16,000.00			
			F No 32-7/2021-A&A	07/08/2021	16,17,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	01/09/2021	16,17,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	16/09/2021	20,25,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	14/10/2021	22,91,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/11/2021	22,92,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	07/12/2021	22,92,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	28/01/2022	22,92,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/02/2022	22,91,000.00			
				02/03/2022	22,92,000.00			
Total	NIL	NIL			2,75,00,000.00	2,75,00,000.00	2,77,31,684.00	(-)2,31,684.00

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs. NIL

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

30/6/22
P. Mitra (M.No - 054015)
Partner, Guha & Matilal
Chartered Accountants
FRN : 301036E
UDIN : 22054015AMMEHH1729

IB-166, SECTOR - III, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONALUTILISATION CERTIFICATE for the year 2021-2022, in respect of recurring / non-recurring GRANTS-IN-AID (SALARIES)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2021-2022

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2021-2022

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2021-2022 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds]	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (5 -6)
REVENUE	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
	NIL	NIL	F.No.32-7/2021-A&A	03/05/2021	29,66,000.00		1,78,18,998.00	(-)18,998.00
			F.No.32-7/2021-A&A	14/06/2021	14,84,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	13/07/2021	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	07/08/2021	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	01/09/2021	14,84,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	14/10/2021	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/11/2021	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	07/12/2021	14,84,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	28/01/2022	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	38/02/2022	14,83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	02/03/2022	14,84,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A					
Total	NIL	NIL			1,78,00,000.00	1,78,00,000.00	1,78,18,998.00	(-) 18,998.00

Sd/- Prasad Ghosh
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs. NIL
Total Rs. NIL

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

Sd/- 30/6/22
P. Mitra (M.No 054015)
Partner, Guha & Matilal
Chartered Accountants
FRN: 301036E
UDIN: 22054015AMMENF6967

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
1B-166, SECTOR - III, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]

FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION

PROVISIONALUTILISATION CERTIFICATE for the year 2020-2021, in respect of recurring / non-recurring GRANTS-IN-AID (CREATION OF CAPITAL ASSETS)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BECINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2021 2022

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2021-2022

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2021-2022 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (5 -6)
	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
CAPITAL	NIL	NIL	F.No.32-7/2021-A&A	03/05/2021	1,66,000.00		4,27,326.00	(+) 5,72,674.00
			F.No.32-7/2021-A&A	14/06/2021	84,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	16/09/2021	2,50,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	14/10/2021	83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/11/2021	83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	07/12/2021	83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	28/01/2022	83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/02/2022	83,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	02/03/2022	84,000.00			
Total	NIL	NIL			10,00,000.00	10,00,000.00	4,27,326.00	(+) 5,72,674.00

Details of Grants Position at the end of the year
(i) Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs 5,72,674.00
(ii) Total. Rs 5,72,674.00

P. Mitra (M.No. 054015)
Partner Guha & Matilal
Chartered Accountants
FRN: 301036E
UDIN: 22054015AMMERC2246
30/6/22

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
1B-166, SECTOR - III, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
1 See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONAL UTILISATION CERTIFICATE for the year 2021-2022, in respect of recurring / non-recurring GRANTS-IN-AID (GENERAL – SAP)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2021-2023

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2021-2022

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2021-2022 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (5-6)
REVENUE	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
	NIL	NIL	F.No.32-7/2021-A&A	03/05/2021	33,000.00		2,15,036.00	(-) 15,036.00
			F.No.32-7/2021-A&A	14/06/2021	17,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	13/07/2021	50,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	14/10/2021	20,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	08/11/2021	15,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	07/12/2021	15,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	28/01/2022	16,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	05/02/2022	16,000.00			
			F.No.32-7/2021-A&A	02/03/2022	18,000.00			
Total	NIL	NIL			2,00,000.00	2,00,000.00	2,15,036.00	(-) 15,036.00

डा: सरूप [illegible] / Dr. Sarup Prasad Ghosh
[illegible] / Director
मोलाना अबुल [illegible] आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul [illegible] Azad Institute of Asian Studies

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs. NIL
Total Rs. NIL

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

30/6/22
P. Mitra, (M. No. 054015)
Partner, (Guha & Matilal)
Chartered Accountants FRN: 301036E
UDIN: AMMEXE4270

STATEMENT -A

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

Statement of Grant Received during 2021-22under GRANT-IN AID (GENERAL)

Sl No.	Sanction Letter No. & Date	Amount of G.I.A Received
1.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 03.05.2021	45,83,000.00
2.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.06.2021	22,92,000.00
3.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 13.07.2021	16,16,000.00
4.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 07.08.2021	16,17,000.00
5.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 01.09.2021	16,17,000.00
6.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 16.09.2021	20,25,000.00
7.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.10.2021	20,91,000.00
8.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 08.11.2021	20,92,000.00
9.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 07.12.2021	20,92,000.00
10.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 28.01.2022	20,92,000.00
11.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 08.02.2022	20,91,000.00
12.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 02.03.2022	22,92,000.00
		2,75,00,000.00

Statement of Grant Received during 2021-22 under GRANT-IN AID (SALARIES)

Sl No.	Sanction Letter No. & Date	Amount of G.I.A Received
1.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 03.05.2021	29,66,000.00
2.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.06.2021	14,84,000.00
3.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 13.07.2021	14,83,000.00
4.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 07.08.2021	14,83,000.00
5.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 01.09.2021	14,84,000.00
6.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.10.2021	14,83,000.00
7.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 08.11.2021	14,83,000.00
8.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 07.12.2021	14,84,000.00
9.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 28.01.2022	14,83,000.00
10.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 08.02.2022	14,83,000.00
11.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 02.03.2022	14,84,000.00
	TOTAL	1,78,00,000.00

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डॉ. सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

Statement of Grant Received during 2021-22 under GRANT-IN AID (SAP))

Sl No.	Sanction Letter No. & Date	Amount of G.I.A Received
1.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 03.05.2021	33,000.00
2.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.06.2021	17,000.00
3.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 13.07.2021	50,000.00
4.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.10.2021	20,000.00
5.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 08.11.2021	15,000.00
6.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 07.12.2021	15,000.00
7.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 28.01.2022	16,000.00
8.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 05.02.2022	16,000.00
9.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 02.03.2022	18,000.00
	TOTAL	2,00,000.00

Statement of Grant Received during 2021-22under GRANT-IN AID (CCA)

Sl No.	Sanction Letter No. & Date	Amount of G.I.A Received
1.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 03.05.2021	1,66,000.00
2.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.06.2021	84,000.00
5.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 16.09.2021	2,50,000.00
6.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 14.10.2021	83,000.00
7.	F No.32-7/2021-A&A (General) dt 08.11.2021	83,000.00
8.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 07.12.2021	83,000.00
9.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 28.01.2022	83,000.00
10.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 08.02.2022	83,000.00
11.	F No.32-7/2020-A&A (General) dt 02.03.2022	84,000.00
	TOTAL	10,00,000.00

GUHA & MATILAL
KOLKATA
CHARTERED ACCOUNTANTS

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

BALANCE SHEET

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

BALANCE SHEET AS AT 31.3.2022

CAPITAL FUND AND LIABILITIES	Schedule	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
CAPITAL FUND	1	₹ 11,93,31,018.27	₹ 12,55,42,625.71
RESERVE AND SURPLUS	2	₹ 0.00	₹ 0.00
EARMARKED / ENDOWMENT OF FUND	3	₹ 0.00	₹ 31,583.37
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	₹ 0.00	₹ 0.00
UNSECURED LOANS AND BOROWINGS	5	₹ 0.00	₹ 0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	₹ 0.00	₹ 0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	₹ 2,13,08,702.11	₹ 2,23,71,346.11
TOTAL		**₹ 14,06,39,720.38**	**₹ 14,79,45,555.19**
ASSETS	**Schedule**	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
FIXED ASSETS	8	₹ 8,71,33,019.03	₹ 9,35,09,709.85
CAPITAL-WORK-IN –PROGRESS	8	₹ 0.00	₹ 0.00
MAULANA AZAD MEMORABALIA	8	₹ 44,04,315.96	₹ 48,93,684.40
OFFICE DIGITILIZATION	8	₹ 11,70,970.79	₹ 13,01,078.66
INVESTMENTS – FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	₹ 0.00	₹ 0.00
INVESTMENTS – OTHERS	10	₹ 1,58,81,143.00	₹ 1,43,31,143.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	11	₹ 3,20,50,271.60	₹ 3,39,09,939.28
MISCELLANEOUS EXPENDITURE	12	₹ 0.00	₹ 0.00
TOTAL		**₹ 14,06,39,720.38**	**₹ 14,79,45,555.19**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		-
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		-

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2022

(Amount in Rupees)

PARTICULAR	Schedule	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grants/Subsidies	13	4,55,00,000.00	3,73,98,000.00
Fees/Subscriptions	14	0.00	0.00
Income from Investments (Income on Invest from earmarked/ endow. Funds transferred to Funds)	15	0.00	0.00
Income from Royalty, Publications, etc.	16	10,342.00	33,737.00
Interest Earned	17	2,35,918.00	1,10,195.00
Other Income	18	12,429.00	2,43,050.00
Decrease in stock of Finished Goods and works-in-progress	19	0.00	0.00
Deferred Revenue income		0.00	0.00
Total (A)		**4,57,58,689.00**	**3,77,84,982.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses (Salaries)	20	1,79,52,297.00	1,56,11,453.00
Other Administrative Expenses etc.(Plan)	21	11,56,828.00	10,85,618.00
Expenditure on Grants etc.(Plan)	22	2,79,62,012.00	2,25,03,653.00
Finance Charges (Bank Charges)	23	830.68	1,119.50
Depreciation (Net Total at the year-end-corresponding to Schedule 8)	8	65,26,449.13	79,08,220.53
Total (B)		**5,35,98,416.81**	**4,71,10,064.03**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		(-) 78,39,727.81	(-) 93,25,082.03
Transfer to Special Reserve (Specify each)		0.00	0.00
Transfer to/from General Reserve		0.00	0.00
BALANCE BEING SURPLUS/DEFICIT CARRIED TO CAPITAL FUND		**(-) 78,39,727.81**	**(-) 93,25,082.03**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24	0.00	0.00
CONTINGENT LIBILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25	0.00	0.00

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

SCHEDULES

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022

(Amount in Rupees.)

SCHEDULE – 1 CAPITAL FUND	Current Year 2021-22		Previous Year 2020-21	
Balance as at the beginning of the year	₹ 12,55,42,625.71		₹ 13,48,67,707.74	
Add- Contribution towards Capital Fund (As per Note A)	₹ 10,00,000.00		₹ 0.00	
		₹ 12,65,42,625.71	₹ 13,48,67,707.74	
Add/Less: Balance of net Income /Surplus transferred from the Income & Expenditure Account		₹ 78,39,727.81	₹ 93,25,082.03	
		₹ 11,87,02,897.90		
Add- Adjustment from Capital Account (As per Note-D)		₹ 6,28,120.37		
Total		₹ 11,93,31,018.27		₹ 12,55,42,625.71

Note-A

a) Library (Books)	₹ 1,54,906.00
b) Library (Journalas & Periodicals)	₹ 2,230.00
c) procurement of Equipment & furniture	₹ 78,900.00
d)Procurement of Computer & Laptop	₹ 1,91,290.00
Total Expenditure on CCA in the year 2021-22	₹ 4,27,326.00
Add: unspent balance for the year 2021-22	₹ 5,72,674.00
	₹ 10,00,000.00

Note-B

Cost of Anti Plagiarism software	₹ 14,68,266.00
Add- TDS (Tax contractor)	₹ 25,315.00
Total	₹ 14,93,581.00

Note C

Calculation of Depreciation on Anti-Plagiarism Software

Addition : 2019-20	₹ 14,93,581.00
Less: Depreciation for 2019-20	Nil
Closing Value 2019-20	₹ 14,93,581.00
Less: Depreciation for 2020-21	₹ 5,97,432.00
Closing Value 2020-21	₹ 8,96,149.00
Opening Value for 2021-22	₹ 8,96,149.00
Library Book value writenoff	₹ 895.00
Total	₹ 8,97,044.00

Note-D

Calulation of Note-B	₹ 14,93,581.00
Less- Calculation of Note-C	₹ 8,97,044.00
	₹ 5,96,537.00
Add Endowment fund transferred to Capital Ac	₹ 31,583.37
Adjustment from Capital Account	₹ 6,28,120.37

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 **(Amount in Rupees.)**

SCHEDULE – 2 RESERVES AND SURPLUS	Current Year 2021-22		Previous Year 2020-21	
1. Capital Reserve:				
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year (Depreciation)	Nil	Nil	Nil	Nil
2. Revaluation Reserve:	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil
3. Special Reserve :	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil
4. General Reserve :	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022

(Figures in Rupees)

SCHEDULE – 3 EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	FUND-WISE BREAK UP				TOTAL	
	Fund Building & Others	Fund XX	Fund YY	Fund ZZ	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
a) Opening balance of the funds	Nil	Nil	Nil	Nil	₹ 31,583.37	₹ 31,583.37
b) Additions to the Funds :						
i) Donations/grants	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
ii) Income from investments made on account of funds	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
iii) Other additions (Bank Interest)	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
Total (a+b)					₹ 31,583.37	₹ 31,583.37
c) Utilization /Expenditure towards objectives of funds						
i) Capital Expenditure						
- Fixed Assets		Nil	Nil	Nil		
- Others		Nil	Nil	Nil		
Total		Nil	Nil	Nil		
ii) Revenue Expenditure						
Salaries, Wages and Allowances etc.		Nil	Nil	Nil		
Rent		Nil	Nil	Nil		
Other Administrative expenses		Nil	Nil	Nil		
Transfer to Capital Account		Nil	Nil	Nil	₹ 31,583.37	
Total (c)		Nil	Nil	Nil		
NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a + b - c)					NIL	₹ 31,583.37

Notes:

1. Disclosures shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.
2. Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 **(Figures in Rupees)**

SCHEDULE 4- SECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year 2021-22		Previous Year 2020-21	
1. Central Government		Nil		Nil
2. State Government (Specify)		Nil		Nil
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	Nil		Nil	
b) Interest Accrued & Due	Nil	Nil	Nil	Nil
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest Accrued & Due	Nil		Nil	
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued & due	Nil	Nil	Nil	Nil
5. Other Institutions & Agencies		Nil		Nil
6. Debentures & Bonds		Nil		Nil
7.Others (Specify)		Nil		Nil
TOTAL		**Nil**		**Nil**
Note: Amounts due within one year				

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 **(Figures in Rupees)**

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1. Central Government	Nil	Nil
2. State Government	Nil	Nil
3. Financial Institutions	Nil	Nil
4. Banks:		
a) Term Loans	Nil	Nil
b) Other loans (Specify)	Nil	Nil
5. Other Institutions and Agencies	Nil	Nil
6. Debentures and Bonds	Nil	Nil
7. Fixed Deposits	Nil	Nil
8. Others (Specify)	Nil	Nil
TOTAL	**Nil**	**Nil**
Note : Amounts due within one year		

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 6-DEFERRED CREDIT LIABILITITES	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment & other assets	Nil	Nil
b) Others	Nil	Nil
TOTAL	Nil	Nil
Note : Amounts due within one year		

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: दारुप प्रसाद घोष / Dr. Darup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

SCHEDULE – 7 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS CURRENT LIABILITIES	Details	Amount	Details	Amount
a) Acceptances				₹ 0.00
b) Sundry Creditors				
For goods	₹ 0.00		₹ 0.00	
For others	₹ 0.00		₹ 0.00	
i) Library Books	₹ 3,413.00		₹ 3,413.00	
ii) Library (Journals & Periodicals)	₹ 50.00		₹ 50.00	
iii) Vendors (Journals & Periodicals)	₹ 2,66,350.00		₹ 1,39,787.00	
iv) Security Deposit(Journals & Periodicals)	₹ 0.00		₹ 1,26,563.00	
v) Maulana Azad Building (Renovation)	₹ 139.00		₹ 139.00	
vi) Library & Office Equipment & Furniture	₹ 43,790.00		₹ 43,790.00	
		₹ 3,13,742.00		₹ 3,13,742.00
c) Advance Received	₹ 0.00		₹ 0.00	
d) Interest Accrued but not due on				
Secured Loan/Borrowings	₹ 0.00		₹ 0.00	
Unsecured Loan/Borrowings	₹ 0.00		₹ 0.00	
e) Statutory Liabilities :				
Overdue	₹ 0.00		₹ 0.00	
Others	₹ 0.00		₹ 0.00	
f) Other Current Liabilities				
i) Accounts Payable				
Plan	₹ 5,64,404.00		₹ 5,81,468.00	
Non – Plan	₹ 0.00		₹ 0.00	
		₹ 5,64,404.00		₹ 5,81,468.00
iii) Miscellaneous Remittance				
Salaries	₹ 11,447.00		₹ 0.00	
Plan	₹ 17,962.00	₹ 29,409.00	₹ 36,163.00	
				₹ 36,163.00
iv) Security Deposit				
Journals & Periodicals		₹ 5,511.00		₹ 5,511.00
v) Security Deposit (Others)		₹ 10,37,278.00		₹ 10,43,319.00
vi) C.P.F Clearing		₹ 15,939.00		₹ 15,939.00
Total (A)		₹ 19,66,283.00		₹ 19,96,142.00
PROVISIONS				
g) For Taxation		₹ 0.00		₹ 0.00
h) Gratuity Fund		₹ 20,40,846.00		₹ 12,90,846.00
i) Superannuation/Pension Fund		₹ 0.00		₹ 0.00

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

j) Accumulated Leave Encashment Fund/Pension Leave		₹ 26,65,949.00		₹ 18,65,949.00
k) Trade Warranties/ Claim		₹ 0.00		₹ 0.00
l) Other (Specify)		₹ 0.00		₹ 0.00
i)Provision for Research Project				
-Central Asia	₹ 0.00		₹ 0.00	
-South Asia	₹ 0.00		₹ 0.00	
-General	₹ 21,450.00		₹ 21,450.00	
-North-East	₹ 9,550.00		₹ 9,550.00	
		₹ 31,000.00		₹ 31,000.00
ii) Provision for Seminar/Symposium				
a) South – East Asia	₹ 33,700.00		₹ 33,700.00	
b) Central Asia	₹ 2,00,149.00		₹ 2,00,149.00	
c) North-East	₹ 27,82,356.00		₹ 34,92,813.00	
d) General	₹ 26,71,823.00		₹ 30,32,356.00	
		₹ 56,88,028.00		₹ 67,59,018.00
iii) Provision for E.C./F.C/Society Meeting		₹ 0.00		₹ 0.00
iv)Provision for Audit Fee		₹ 0.00		₹ 0.00
v) Provision for Fellowship				
a) South-East Asia	₹ 25,000.00		₹ 25,000.00	
b) North-East	₹ 20,000.00		₹ 20,000.00	
		₹ 45,000.00		₹ 45,000.00
vi) Provision for Project Grant				
a) General	₹ 45,90,177.00		₹ 45,90,177.00	
b) North-East	₹ 21,66,618.00		₹ 21,66,618.00	
		₹ 67,56,795.00		₹ 67,56,795.00
vii) Provision for Travelling Expenses (Foreign)		₹ 1,95,355.00		₹ 1,95,355.00
viii) Provision for House Building Loan /Advance		₹ 5,81,000.00		₹ 5,81,000.00
ix) Provision for Website & Internet Service		₹ 50,000.00		₹ 50,000.00
x) Provision for Traveling Expenses (Domestic)		₹ 42,869.00		₹ 42,869.00
xi) Advance to Govt. Servant		₹ 76,235.00		₹ 58,990.00
xii) Suspense A/C		₹ 40,956.11		₹ 40,956.11
xiii)Stale Cheque Reversed		₹ 11,28,386.00		₹ 26,57,426.00
Total (B)		₹ 1,93,42,419.11		₹ 2,03,75,204.11
Total (A + B)		₹ 2,13,08,702.11		₹ 2,23,71,346.11

*Provision for Gratuity & Leave Encashment Fund made as per lump sum basis. No actuarial valuation has been made.

A.S.a

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA			
SCHEDULE – 7 (A)			
Breakup of item b(i to vi)			
Sundry Creditors			
Library Books	Amount	Amount	Amount
Readers Service	₹ 255.00		
Manas Publication	₹ 2,618.00		
Emancipation Publication	₹ 540.00		
		₹ 3,413.00	
Library (Journals & Periodicals)			
Mainstream	₹ 50.00	₹ 50.00	
Vendors (Journals & Periodicals)			
Prints Publication	₹ 10.00		
VPH. Subscription Services	₹ 1,39,777.00	₹ 1,39,787.00	
Maulana Azad Building (Renovation)			
C.P.W.D		₹ 139.00	
Security Deposit (Journals & Periodicals)			
VPH. Subscription Services		₹ 1,26,563.00	
Libray & office Equipment & Furniture			
Webel Electronic	₹ 43,786.00		
Genx Creation	₹ 4.00	₹ 43,790.00	₹ 3,13,742.00
Breakup of item f(i & ii)			
Accounts Payable			
From previous Year 2020-21		₹ 5,64,354.00	
T.D.S. (Income Tax)		₹ 50.00	₹ 5,64,404.00
Miscellaneous Remittance			
From Privious year 2020-21		₹ 10,848.00	
T.D.S (Profession Tax)	₹ 200.00		
T.D.S.(Income Tax Contractor)	₹ 7,114.00		
C.P.F Advance	₹ 5,027.00		
C.P.F Clearing	₹ 6,220.00		₹ 29,409.00
			₹ 9,07,555.00

GUHA MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA		
SCHEDULE – 7 (B)		
Provision for Project Grant		
A) Areas other than North East	Amount	Amount
i) India Central Asia Foundation	25,00,000.00	
ii) S. Sunderasan	1,60,500.00	
iii) Global India Foundation	1,05,164.00	
iv) Debesh Roy	2,75,000.00	
v) Amitava Bhattacharya	75,771.00	
vi) Kasaf Ghani	1,00,000.00	
vii) Shreya Ghosh	2,00,000.00	
viii)K.K.N.Kurup	1,50,000.00	
ix) Bidisha Dhar	1,50,000.00	
x) Arunava Patra	80,300.00	
xi) Paramita Roy	3,33,941.00	
xii) Parama Sinha	2,49,501.00	
xiiii)Bimal Narayan Prasad	2,10,000.00	
		45,90,177.00
B) North-East		
i) D. Nath	1,833.00	
ii) T.N Banerjee	1,09,890.00	
iii) Jemes Linggi	16,000.00	
iv) Dilip Banerjee	2,00,015.00	
v) Anirban Das	1,00,000.00	
vi) Kajera Kharashi	1,78,880.00	
vii) Lalandika	1,05,000.00	
viii)Philip Modi	50,000.00	
ix) Abdus Salam Azad	1,00,000.00	
x) Jadavpur Association of International Relation	3,00,000.00	
xi) –Do-	1,25,000.00	
xii) Abanti Adhikari	40,000.00	
xiii) Ranjit Ray	4,80,000.00	
xiv) A. Mahapatra	1,00,000.00	
xv) S. Shmon John	2,00,000.00	
xvi) Chandan Kumar Sharma	60,000.00	
		21,66,618.00
Provision for Seminar/Symposium		
Central Asia		
i) Seminar at Gwalior University	2,00,000.00	
ii) Seminar at Jamia Millia University	149.00	
		2,00,149.00
South-East Asia		
i) Bardwan University	26,621.00	
ii)Global India Foundation	7,079.00	
		33,700.00
North-East		
i) Seminar at Rajiv Gandhi University	2,65,000.00	
ii) Seminar at Mizoram University	5,85,000.00	
iv)Tezpur University	6,23,340.00	
v)-Do-	1,38,585.00	
vi)Seminar at North-Eastern hill University	1,14,010.00	
vii) Seminar at North Bengal University	55,888.00	
ix)Rajib Gandhi University	3,90,000.00	
x)–Do-	5,00,000.00	
		26,71,823.00
General		
i) Jawaharlal Nehru University	1,40,025.00	
ii) –Do-	4,50,000.00	

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा. स्वरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

iii) –Do-	2,00,000.00	
iv)Seminar at U.K	21,271.00	
v) Global India Foundation	3,50,000.00	
vi) Jadavpur University	25,000.00	
vii) India Central Asia Foundation	6,22,260.00	
ix) Burdwan University	2,50,000.00	
x) I.C.C.R	1,00,000.00	
xi) Kolkata Doordarsan	28,240.00	
xii) India International Centre	7,500.00	
xiii) Global India Foundation	50,000.00	
xiv) Jadavpur University	25,000.00	
xv) Institute seminar	2,060.00	
xvi) Rabindra Bharati University	55,000.00	
xvii) Apeejay Oxford Store	50,000.00	
xviii) IRIIS	2,50,000.00	
xix)Swatch Bharat	1,56,000.00	
		27,82,356.00
Provision for Fellowship		
South-East Asia		
Dr. Malika Basu	25,000.00	
North-East		
Dr. I.S. Mumtaza Khatun	20,000.00	
		45,000.00
Provision for Research Project		
General		
Ms.Diloram Karamat	11,147.00	
Shri Subhra Parui	10,303.00	
		21,450.00
North East		
i) Research Project Nagaland University	7,000.00	
ii) Shri Mrinal Kanti Chakma	2,550.00	
		9,550.00
Provision for Website Maintenance & Internet Service		
Bangali Net	50,000.00	50,000.00
Provision for Traveling Expenses (Domestic)		
Shri Subhra Parui	3,352.00	
Dr. Anuradha Bhattacharya	9,107.00	
Ms. Safura Razzaq	490.00	
Ms. Sreemati Ganguly	2,670.00	
Ms. Antara Mitra	27,250.00	
		42,869.00
Security Deposit (Others)		
i) Security Service	4,95,210.00	
ii) Car Hiring Service	35,000.00	
iii) Out Source Service	4,15,976.00	
iv) Pest Control Service	5,000.00	
v) Housekeeping Service	86,092.00	
		10,37,278.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: संजय प्रसाद घोष / Dr. Sanjay Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

Name of the Entity : **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2022

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS (A + B)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Adjust. / Deduction during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	3,57,60,405.79	0.00	0.00	3,57,60,405.79	35,76,040.58	3,21,84,365.21	3,57,60,405.79
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	26,39,627.77	0.00	0.00	26,39,627.77	2,63,962.78	23,75,664.99	26,39,627.77
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	47,55,457.47	78,900.00	0.00	48,34,357.47	4,79,490.75	43,54,866.72	47,55,457.47
6. OFFICE EQUIPMENT	4,34,498.91	0.00	0.00	4,34,498.91	65,174.84	3,69,324.07	4,34,498.91
7. COMPUTER/PERIPHERIALS/SOFTWARES	14,85,393.03	1,91,290.00	8,96,149.00	7,80,534.03	2,73,955.00	5,06,579.03	14,85,393.03
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	26,990.28	0.00	0.00	26,990.28	2,669.03	24,291.25	26,990.28
9. LIBRARY – BOOKS	3,59,51,953.18	1,54,906.00	895.00	3,61,05,964.18	0.00	3,61,05,964.18	3,59,51,953.18
10. LIBRARY – JOURNALS	1,24,55,383.42	2,230.00	0.00	1,24,57,613.42	12,45,649.94	1,12,11,963.58	1,24,55,383.42
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	9,35,09,709.85	4,27,326.00	8,97,044.00	9,30,39,991.85	59,06,972.82	8,71,33,019.03	9,35,09,709.85
PREVIOUS YEAR	10,03,62,156.38	3,67,467.00	0.00	10,07,29,623.38	72,19,913.53	9,35,09,709.85	10,03,62,156.38
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
C. MAULANA AZAD MEMORABILIA	48,93,684.40	0.00	0.00	48,93,684.40	4,89,368.44	44,04,315.96	48,93,684.40
D. OFFICE DIGITALIZATION	13,01,078.66	0.00	0.00	13,01,078.66	1,30,107.87	11,70,970.79	13,01,078.66
TOTAL	9,97,04,472.91	4,27,326.00	8,97,044.00	9,92,34,754.91	65,26,449.13	9,27,08,305.78	9,97,04,472.91

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

Name of the Entity : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2022

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS A.

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Adjust. / Deduction during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	3,57,60,405.79	0.00	0.00	3,57,60,405.79	35,76,040.58	3,21,84,365.21	3,57,60,405.79
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	26,39,627.77	0.00	0.00	26,39,627.77	2,63,962.78	23,75,664.99	26,39,627.77
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	47,55,457.47	78,900.00	0.00	48,34,357.47	4,79,490.75	43,54,866.72	47,55,457.47
6. OFFICE EQUIPMENT	4,34,498.91	0.00	0.00	4,34,498.91	65,174.84	3,69,324.07	4,34,498.91
7. COMPUTER/PERIPHERIALS/SOFTWARES	14,85,393.03	1,91,290.00	8,96,149.00	7,80,534.03	38,258.00	1,53,032.00	14,85,393.03
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	26,990.28	0.00	0.00	26,990.28	2,669.03	24,291.25	26,990.28
9. LIBRARY – BOOKS	3,59,48,499.71	1,54,906.00	895.00	3,61,02,510.71	0.00	3,61,02,510.71	3,59,48,499.71
10. LIBRARY – JOURNALS	1,24,55,383.42	2,230.00	0.00	1,24,57,613.42	12,45,649.84	1,12,09,845.08	1,24,55,383.42
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	9,35,06,256.38	4,27,326.00	8,96,149.00	9,30,36,538.38	59,06,972.82	8,71,29,565.56	9,35,06,256.38
PREVIOUS YEAR	10,03,58,702.91	3,67,467.00	0.00	10,07,26,169.91	72,19,913.53	9,35,06,256.38	10,03,58,702.91
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
C. MAULANA AZAD MEMORABILIA	48,93,684.40	0.00	0.00	48,93,684.40	4,89,368.44	44,04,315.96	48,93,684.40
D. OFFICE DIGITALIZATION	13,01,078.66	- 0.00	0.00	13,01,078.66	1,30,107.87	11,70,970.79	13,01,078.66
TOTAL	9,97,01,019.44	4,27,326.00	8,96,149.00	9,92,31,301.44	65,26,449.13	9,27,04,852.31	9,97,01,019.44

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा. सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of the Entity : **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2022

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS
B. (Out of the Amount of Grant-in-Aid received from U.N.H.C.R.)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year -end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6. OFFICE EQUIPMENT	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7. COMPUTER / PERIPHERIALS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. LIBRARY – BOOKS	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
10. LIBRARY – JOURNALS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
PREVIOUS YEAR	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS	-				-	0.00	
TOTAL						3,453.47	

GUHA & MANDAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

/ Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

Detail Fixed Asset Schedule for the year 2021-22

Sl.No.	Assets	Qty.	Block as on	Add during	R/off.	Gr. Block	Depreciation			Total Depreciation for 2021-22	Net Block as
							Rate of Dep.	Dep on Value	Dep During		
			1.4.2021	2021-22	Adjust.	As on 31.3.2022	%	as on 1.4.21	2021-22		On 31.3.2022
1	FURNITURE, FIXTURE & FITTINGS		47,55,457.47	78,900.00	0.00	48,34,357.47	10	4,75,545.75	3,945.00	4,79,490.75	43,54,866.72
2	OFFICE EQUIPMENT		4,34,498.91	0.00	0.00	4,34,498.91	15	65,174.84	0.00	65,174.84	3,69,324.07
3	COMPUTER/PERIPHERIALS *		14,85,393.03	1,91,290.00	8,96,149.00	7,80,534.03	40	2,35,697.00	38,258.00	2,73,955.00	5,06,579.03
4	ELECTRICAL EQUIPMENTS		26,990.28	0.00	0.00	26,990.28	10	2,699.03	0.00	2,699.03	24,291.25
5	LIBRARY (BOOKS)		3,59,51,953.18	1,54,906.00	895.00	3,61,05,964.18	NIL	0.00	0.00	0.00	3,61,05,964.18
6	LIBRARY(J & P)		1,24,55,383.42	2,230.00	0.00	1,24,57,613.42	10	12,45,538.34	111.50	12,45,649.84	1,12,11,963.58
7	CAMPUS CONSTRUCTION (S/Lake)		3,57,60,405.79	0.00	0.00	3,57,60,405.79	10	35,76,040.58	0.00	35,76,040.58	3,21,84,365.21
8	Ownership Premises (Azad Mues)		26,39,627.77	0.00	0.00	26,39,627.77	10	2,63,962.78	0.00	2,63,962.78	23,75,664.99
9	MAULANA AZAD MEMORABILIA		48,93,684.40	0.00	0.00	48,93,684.40	10	489368.44	0.00	4,89,368.44	44,04,315.96
10	OFFICE DIZITALIZATION		13,01,078.66	0.00	0.00	13,01,078.66	10	130107.87	0.00	1,30,107.87	11,70,970.79
	Grand Total		9,97,04,472.91	4,27,326.00	8,97,044.00	9,92,34,754.91		64,84,134.63	42,314.50	65,26,449.13	9,27,08,305.78

* Calculation of Depreciation on Anti-Plagiarism Software

Addition : 2019-20	Rs.	14,93,581.00
Less : Depreciation for 2019-20	Rs.	NIL
Closing Value 2019-20	Rs.	14,93,581.00
Less : Depreciation for 2020-21	Rs.	5,97,432.00
Closing Value 2020-21	Rs.	8,96,149.00
Opening Value for 2021-22	Rs.	8,96,149.00

GUHA & MATILAL ... KOLKATA ... ACCOUNTANTS

Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)		
Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA		
Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)		
	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
SCHEDULE 9- INVESTMENTS FROM		
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. In Government Securities	NIL	NIL
2. Other approved Securities	NIL	NIL
3. Shares	NIL	NIL
4. Debentures and Bonds	NIL	NIL
5. Subsidiaries and Joint Ventures	NIL	NIL
6. Other (to be specified)	NIL	NIL
Total	NIL	NIL

GUHA & MAITAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)		
Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**		
Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)		
	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
SCHEDULE 10-INVESTMENTS FROM		
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. In Government Securities	NIL	NIL
2. Other approved Securities	NIL	NIL
3. Shares	NIL	NIL
4. Debentures and Bonds	NIL	NIL
5. Subsidiaries and Joint Ventures	NIL	NIL
6. Fixed Deposit with S.B.I. (Main Branch)	₹ 1,05,353.00	₹ 1,05,353.00
7. Fixed Deposit with S.B.I. (Ballygunge Branch)	₹ 1,57,75,790.00	₹ 1,42,25,790.00
Total	**₹ 1,58,81,143.00**	**₹ 1,43,31,143.00**

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मोलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 **(Amount in Rupees.)**

SCHEDULE 11 – CURRENTASSETS, LOANS ADVANCES ETC CURRENT LIABILITIES	Current Year 2021-22		Previous Year 2020-21	
A. CURRENT ASSETS	**Details**	**Amount**	**Details**	**Amount**
a. Inventories				
i. Stores and Spared	Nil		Nil	
ii. Loose Tools	Nil		Nil	
iii. Stock – in – Trade				
Finished Goods (Publication)	Nil		Nil	
Work in Progress (C.P.W.D.)	Nil		Nil	
Raw Material	Nil		Nil	
b. Sundry Debtors				
i. Debts outstanding for period exceeding six month		Nil		Nil
ii. Others		Nil		Nil
c. Cash Balance in Hand (including cheques /drafts & Imprest)		₹ 45,011.75		₹ 8,319.75
d. Cash Balance at Banks				
a) With schedules Banks				
S.B.I. Main Branch	₹ 61,542.50		₹ 60,741.50	
On Deposit Accounts (TDR)	---		---	
On Savings Accounts	---		---	
S.B.I. BikashBhavan SaltLake	₹ 25,63,004.53	₹ 26,24,547.03	₹ 19,83,372.21	₹ 20,44,113.71
b) With Non Schedule Banks				
1. On Current Account	---		---	
2. On Deposit Account (includes Margin)	---		---	
e. Post Office Savings Account	---	---	---	---
Total (A)		₹ 26,69,558.78		₹ 20,52,433.46
CURRENT ASSETS, LOANS ADVANCES ETC				
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS				
1. Loans				
a) Staff (House Building loan Advance)	₹ 5,08,370.00		₹ 5,08,370.00	
b) Other entities in activities/objectives similar to that of entity	---		---	
c) Others (Specify)	---		---	

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Pra
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अ
Maulana Abul Kalam Azad Institute of As

2. Advance and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received				
a) On Capital Accounts (Plan) C.P.W.D.	₹ 24,65,550.00		₹ 24,65,550.00	
b) Prepayments (Plan	---		---	
c) Others				
i)Security Deposit (C.E.S.C.) (M.A B)	₹ 6,63,544.00		₹ 6,63,544.00	
ii) Security Deposit (Cellular Phone & Other Phone)	₹ 35,257.30		₹ 35,257.30	
iii) Security Deposit (Guest House)	₹ 750.00		₹ 750.00	
iv) Account Recoverable	₹ 80,052.00		₹ 80,052.00	
v) Advance to Employees	₹ 7,06,351.12		₹ 6,37,271.12	
vi) Advance to Others	₹ 1,19,97,321.75		₹ 1,45,43,194.75	
vii) Advance Vendors (Miscellaneous)	₹ 4,98,519.00		₹ 4,98,519.00	
viii)Vendor (Journal & Periodicals)	₹ 35,32,927.65		₹ 35,32,927.65	
ix) Advance to Govt. Servant	---		---	
x) Project Grant (Fellow)	₹ 88,92,070.00		₹ 88,92,070.00	
Income Accrued				
a) On Investment from Earmarked/ Endowment Fund				
b) On Investments – Others	---		---	
c) On Loans an advance	---		---	
d) Others (includes income due unrealized	---		---	
Claims Receivable				
i) Plan	---		---	
North-East	---		---	
Non -Plan	---		---	
ii) License Fee Receivable	---		---	
Total (B)		₹ 2,93,80,712.82		₹ 3,18,57,505.82
Total (A + B)		₹ 3,20,50,271.60		₹ 3,39,09,939.28

A.S.G

GUHA & MATILAL ★ CHARTERED ACCOUNTANTS ★ KOLKATA

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedule 11 (B)		
Break up of Items C (vii)		
Advance to others	**Amount**	**Amount**
Gwalior University	₹ 2,00,000.00	
Rajib Gandhi University	₹ 2,65,000.00	
Mizoram University	₹ 5,85,000.00	
Kolkata Doordarshan	₹ 3,723.00	
Town Hall	₹ 66.00	
India Central Asia Foundation	₹ 5,82,862.00	
Jadavapur University	₹ 25,000.00	
India International Centre	₹ 7,500.00	
Rajiv Gandhi University	₹ 2,34,337.00	
Bardwan University	₹ 2,50,000.00	
Global India Foundation	₹ 3,50,000.00	
Kolkata Doordarshan	₹ 28,240.00	
Jadavpur University	₹ 25,000.00	
I.C.C.R	₹ 95,617.00	
Jawharlal Nehru University	₹ 200.00	
Rajiv Gandhi University	₹ 5,00,000.00	
Rabindra Bharati University	₹ 55,000.00	
Apeejay Oxford Book Store	₹ 50,000.00	
Tezpur University	₹ 60,000.00	
IRIIS	₹ 2,50,000.00	
Kahan Media	₹ 3,75,000.00	
Mizoram University	₹ 90,000.00	
Tezpur University	₹ 75,000.00	
I.A.A.P.S	₹ 62,605.75	
Mizoram University	₹ 45,005.75	
Manipal University	₹ 35,005.75	
Jawharlal Neheru University	₹ 1,00,000.00	
South Asian University	₹ 48,358.00	
India Inter National Centre	₹ 10,000.00	
Jamia Millia Islamia University	₹ 1,00,332.00	
I.C.H.R	₹ 15,00,000.00	
Krishnanagar College	₹ 2,07,000.00	
Bana sundari	₹ 1,82,000.00	
Jodhapa	₹ 1,82,000.00	
Jayanta Dhara	₹ 336.00	
Assam University	₹ 529.50	
Cachar Club	₹ 4,000.00	
Jyoti Bishnu Kala Kendra(D.C Cacher)	₹ 2,40,000.00	
Jyoti Bishnu Kala Kendra(D.C Cacher	₹ 40,000.00	
Normal School Silchar	₹ 2,20,000.00	
Mumbai University	₹ 3,24,000.00	
Jagannath University ,Dhaka	₹ 4,77,000.00	
ICHR, New Delhi	₹ 8,18,471.00	
AC LN college	₹ 2,02,500.00	

A.S.B

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

डा॰ सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Antar Rastriya Sahayog Prisad	₹ 2,70,000.00	
Indira Gandhi Tribal University	₹ 1,35,000.00	
Ramswaroop College	₹ 2,25,000.00	
SIES College	₹ 90,000.00	
DonBosco	₹ 36,805.00	
Vivekananda Kendra	₹ 4,25,000.00	
J.N.R.M	₹ 1,30,000.00	
Osmania University	₹ 3,75,000.00	
Chinchura College	₹ 5,00,000.00	
United University	₹ 1,53,000.00	
Jyoti Bharati	₹ 1,62,000.00	
Guwahati University	₹ 1,62,000.00	
R.B.College	₹ 90,000.00	
Womens College Silchar	₹ 1,57,500.00	
M.C.College Barpata	₹ 1,80,000.00	₹ 1,19,97,321.75
Break up item C (viii)		
Advance Vendors (Miscellaneous)		
Godrej & Byco	₹ 360.00	
Sarencon	₹ 65,000.00	
Root Corporation	₹ 37,592.00	
Orchid Resort	₹ 32,492.00	
-Do-	₹ 20,000.00	
Charieast Enterprise	₹ 10,000.00	
Bengal Club	₹ 10,000.00	
India International Centre	₹ 8,000.00	
Genex	₹ 3,15,075.00	₹ 4,98,519.00
Break up item C (ix)		
Vendors (Journals & Periodicals)		
Balance as on 1.04 2021	₹ 35,32,927.65	
Less: Amount adjusted during 2021-22	Nil	
	₹ 35,32,927.65	₹ 35,32,927.65
Project Grant		
General		
Ajoy Patnaik	₹ 75,000.00	
Global India Foundation	₹ 1,05,164.00	
Rakshandra Jalil	₹ 2,00,000.00	
Drishya	₹ 46,500.00	
Atig Ghosh	₹ 1,25,000.00	
K.K.N. Kurup	₹ 1,50,000.00	
Ms. S.Sundersan	₹ 1,60,500.00	
Shri Amitava Bhattacharya	₹ 75,771.00	
I.C.A.F	₹ 25,00,000.00	

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डॉ. सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टिट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज़
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Abeda Rezaq	₹ 1,00,000.00	
Bidisha Dhar	₹ 1,50,000.00	
Debesh Das	₹ 2,75,000.00	
Arunava Patra	₹ 80,414.00	
Kashshaf Ghani	₹ 1,00,000.00	
Sreya Ghosh	₹ 2,00,000.00	
Paramita Roy	₹ 3,33,941.00	
Parama Sinha	₹ 2,50,000.00	
Bimal Narayan Prasad	₹ 2,10,000.00	₹ 51,37,290.00
North-East		
Dr. Kajera Kharasi	₹ 2,00,060.00	
Shri T.N. Banerjee	₹ 1,09,890.00	
Ms. Trina Nileena	₹ 1,25,000.00	
Dr. N. Vennu	₹ 1,83,320.00	
Dr. H.Chettri	₹ 40,000.00	
Mrs. Sanjana Joshi	₹ 2,00,000.00	
Shri Imdad Hussain	₹ 2,50,000.00	
Sarit Chowdhuri	₹ 50,000.00	
Jayanti Alam	₹ 82,283.00	
James Lenghi	₹ 16,000.00	
D. Nath	₹ 5,337.00	
Ranjit Roy	₹ 6,67,375.00	
Dilip Banerjee	₹ 2,00,015.00	
Jadavpur Association of International Relation	₹ 1,25,000.00	
Jadavpur Association of International Relation	₹ 3,00,000.00	
Abanti Adhikari	₹ 40,000.00	
Philip Modi	₹ 1,50,000.00	
Salam Azad	₹ 3,00,000.00	
Anirban Das	₹ 1,00,000.00	
J. Gogai	₹ 1,25,000.00	
Lalandika	₹ 45,000.00	
A.Mahapatrta	₹ 1,00,000.00	
S.Shmon John	₹ 3,40,500.00	₹ 37,54,780.00
		₹ 88,92,070.00
ACCOUNT RECOVERABLE		
From previous year Accounts 2019-20	₹ 6,292.00	
Add: a) Central Policy Research	₹ 60,000.00	
b) International Union for Conservation of Nature & Natural Resources	₹ 13,760.00	
	₹ 80,052.00	80052.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: स्वरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Income from Sales		
a) Sale of Finished Goods	NIL	NIL
b) Sales of Raw Material	NIL	NIL
c) Sale of Scraps	NIL	NIL
2) Income from Services		
a) Labour and Processing Charges	NIL	NIL
b) Professional/Consultancy Services	NIL	NIL
c) Agency Commission and Brokerage	NIL	NIL
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	NIL	NIL
e) Others (Specify)	NIL	NIL
Total	NIL	NIL

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मोलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

A.S.G

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 13 – GRANTS/SUBSIDIES	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government		
Plan (General)	₹ 2,75,00,000.00	₹ 2,20,00,000.00
Plan (Creation of Capital Asset)	₹ 10,00,000.00	Nil
Plan (North-East)	Nil	Nil
Non-Plan (Salaries	₹ 1,78,00,000.00	₹ 1,53,98,000.00
State Government(s)	Nil	Nil
2) Government Agencies (NCPCR)	Nil	Nil
3) Institutions/Welfare Bodies	Nil	Nil
4) International Organizations	Nil	Nil
5) Swatch Bharat	₹ 2,00,000.00	Nil
Total Grant received in the year 2021-22	₹ 4,65,00,000.00	₹ 3,73,98,000.00
Less: Expenditure incurred for creation of Capital Asset for the	₹ 10,00,000.00	Nil
Total Grant transferred to Income & Expenditure Account in 2020-21	₹ 4,55,00,000.00	₹ 3,73,98,000.00

A.S.G

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: स्वरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 14 – FEES/SUBSCRIPTIONS	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Entrance Fees	Nil	Nil
2) Annual Fees/Subscriptions	Nil	Nil
3) Seminar/Program Fees	Nil	Nil
4) Consultancy Fees	Nil	Nil
5) Others (Specify)	Nil	Nil
Total	Nil	Nil

A.S.G

GUHA & MATILAL
KOLKATA
CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: स्वरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

SCHEDULE 15 – INCOME FROM INVESTMENTS	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others	
(Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Interest:				
a) On Govt. Securities	Nil	Nil	Nil	Nil
b) Other Bonds/Debentures	Nil	Nil	Nil	Nil
2) Dividends :	Nil	Nil	Nil	Nil
a) On Shares	Nil	Nil	Nil	Nil
b) On Mutual Fund Securities	Nil	Nil	Nil	Nil
3) Rents	Nil	Nil	Nil	Nil
4) Others (Specify)	Nil	Nil	Nil	Nil
Total	Nil	Nil	Nil	Nil
TRANSFERRED TO EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	Nil	Nil	Nil	Nil

A.S.C

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYALTY,	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Income from Royalty	₹ 10,342.00	₹ 33,737.00
2) Income from Publications	---	---
3) Sale of Books	---	---
4) Award from Ministry of Information &	---	---
Total	₹ 10,342.00	₹ 33,737.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 17 – INTEREST EARNED	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) On Term Deposits:		
a) With Scheduled Banks (Interest on F.D.)	₹ 6,320.00	₹ 6,320.00
b) With Non-Scheduled Banks	---	---
c) With Institutions	---	---
d) Others	---	---
2) On Savings Accounts:	---	---
a) With Scheduled Banks S.B.I. (Bikash Bhavan Br.)	₹ 1,90,394.00	₹ 1,01,393.00
b) With Non-Scheduled Banks	---	---
c) Post Office Savings Accounts	---	---
d) Others (Interest on S.T.D)	---	---
3) On Loans:		
a) Employees/Staff Interest on House Building Advance	₹ 39,204.00	₹ 2,482.00
b) Others	---	---
4) Interest on Debtors and Other Receivables	---	---
Total	₹ 2,35,918.00	₹ 1,10,195.00

A.S.G

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 **(Figures in Rupees)**

SCHEDULE 18-OTHER INCOME	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Profit on Sale/disposal of Assets:		
a) Owned Assets	---	---
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	---	---
2) Export Incentives realized	---	---
3) Library membership subscription	₹ 8,934.00	₹ 25,933.00
4) Miscellaneous Income	₹ 3,495.00	₹ 2,17,117.00
Total	₹ 12,429.00	**₹ 2,43,050.00**

A.S.G

GUHA & MATILAL ★ CHARTERED ACCOUNTANTS ★ KOLKATA

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 19 – INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WORK IN	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
a) Closing stock		
Finished Goods	Nil	Nil
Work-in-progress	Nil	Nil
b) Less: Opening Stock		
Finished Goods	Nil	Nil
Work-in-progress	Nil	Nil
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]	Nil	Nil

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 20 – ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
a) Salaries and Wages	₹ 1,47,40,671.00	₹ 1,35,57,018.00
b) Contribution to Provident Fund	₹ 8,50,789.00	₹ 8,98,226.00
c) Contribution to Other Fund (specify)	---	---
d) Staff Welfare Expenses:		
i) Medical Expenses	₹ 5,67,837.00	₹ 3,21,089.00
ii) Children Education Fund	₹ 2,43,000.00	₹ 2,70,000.00
iii) L.T.C. (Leave Travel Concession)	---	₹ 15,120.00
e) Expenses on Employee's Retirement and Terminal Benefits:		
i) Gratuity	₹ 7,50,000.00	₹ 1,80,000.00
ii) Leave Salary	₹ 8,00,000.00	₹ 3,70,000.00
f) Others (Specify)	----	---
Total	₹ 1,79,52,297.00	₹ 1,56,11,453.00

GUHA & MATILAL ★ CHARTERED ACCOUNTANTS ★ KOLKATA

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE-21-OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC. (Non-Plan)		Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1)	Vehicles Running and Maintenance	₹ 6,67,934.00	₹ 4,71,699.00
2)	Expenses on Seminar /Workshops	---	₹ 8,000.00
3)	Travelling Expenses (Offic Staff)	₹ 20,807.00	₹ 0.00
4)	Expenses on Fees	₹ 0.00	₹ 0.00
5)	Auditors Remuneration	₹ 3,61,750.00	₹ 4,87,655.00
6)	Hospitality Expenses	₹ 1,00,894.00	₹ 26,231.00
7)	Others (Specify) :	₹ 0.00	₹ 0.00
	1)Office Maintenance	₹ 0.00	₹ 0.00
	2)Library Maintenance	₹ 0.00	₹ 0.00
	3)Miscellaneous Expenses	₹ 723.00	₹ 87,313.00
	4)Website & Internet Service	₹ 0.00	₹ 0.00
	5)Leased Accommodation	₹ 0.00	₹ 0.00
	6)Locker Rent	₹ 4,720.00	₹ 4,720.00
	7)Training Programme		₹ 0.00
	Total	₹ 11,56,828.00	₹ 10,85,618.00

A.S.G

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2022 (Figures in Rupees)

SCHEDULE-22-EXPENDITURE OF GRANTS , SUBSIDIES ETC a) Out of Grant given to MAKAIAS(Plan,North-East & Other Sources	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) Fellowship (General)	₹ 9,42,155.00	₹ 44,51,695.00
2) Research Project (General)	--	---
3) Seminar/Symposium (General)	₹ 36,84,455.00	₹ 14,49,927.00
4) Travelling Expenses (Project))	₹ 39,868.00	₹ 81,456.00
5) Travelling Expenses (Foreign)	--	---
6) E.C/F.C./Society Meeting	₹ 81,000.00	₹ 89,658.00
7) Special Committee Meeting	₹ 1,83,023.00	₹ 1,46,104.00
8) Membership Subscription	₹ 18,474.00	₹ 2,230.00
9) Printing of News Letter & Occational paper	₹ 3,00,302.00	₹ 1,16,181.00
10) Guest House Expenses	₹ 60,958.00	₹ 20,178.00
11) Publication of Books	₹ 1,31,580.00	---
12) Maulana Azad Building (Maintenance)	₹ 38,44,477.00	₹ 38,76,406.00
13) Azad Bhavan Maintenance	₹ 1,25,34,229.00	₹ 1,11,01,225.00
14) Municipal Tax (Museum)	₹ 40,809.00	₹ 40,604.00
15) Repair & Maintenance of Office Equipment	₹ 42,20,938.00	₹ 1,52,859.00
16) General Office Maintenance	₹ 8,74,840.00	₹ 7,00,692.00
17) Professional charges & Legal Expenses	₹ 6,92,701.00	₹ 1,76,989.00
18) Visiting Faculty	---	---
19) Swatch Bharat Programme	₹ 2,15,036.00	₹ 97,449.00
20) AMC A.C	₹ 60,015.00	---
21)Workshop	₹ 6,000.00	---
22) Perliamentory Committee Meeting	₹ 31,152.00	---
Total	₹ 2,79,62,012.00	₹ 2,25,03,653.00

A.S

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2022 (Figures in Rupe

SCHEDULE 23- INTEREST	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1) On Fixed Loans		₹ 0.00
2) On Other Loans (including Bank Charges)		₹ 0.00
3) Others (Specify):		
a)Bank Charges	₹ 830.68	₹ 1,119.50
Total	₹ 830.68	₹ 1,119.50

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: रूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2022

SCHEDULE 24 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. ACCOUNTING CONVENTION

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention and on accrual method of accounting unless otherwise stated.

2. INVESTMENTS

3.1. Investments classified as "Others" includes Fixed Deposits with Scheduled Bank are shown at face value. Provision for shortfall on the value of such investments is made for each investment considered individually and not on overall basis.

3. FIXED ASSETS

3.1. Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition.

3.2. Fixed Assets received by way of non-monetary grants, (other than towards the Corpus Fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.

4. DEPRECIATION

4.1 Depreciation is provided on Written Down value method as per rates specified in the Income-tax Act, 1961.

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

डा. सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2022

4.2 In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered on pro-rata basis.

4.3 Assets costing Rs.5,000 or less each are fully charged off to revenue..

5. ACCOUNTING FOR INCOME

5. 1 Interest is accounted for on realization of the same.

6. GOVERNMENT GRANTS/SUBSIDIES

6.1 Government grants of the nature of contribution towards capital cost of setting up projects are treated as Capital Fund.
6.2 Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown under Capital Fund.
6.3 Government grants/subsidies are accounted on realization basis.

7. RETIREMENT BENEFITS

7.1 Liability towards gratuity payable on death/retirement of employees is accounted for on accrual basis.

7.2 Provision for accumulated leave encashment benefit to the employees is accrued and not computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end.

d S.G

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2022

SCHEDULE 25 – CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. CONTINGENT LIABILITIES

		(Amount-Rs.) Current Year	Previous Year
1.1.	Claims against the Entity not acknowledged as debts	Nil	Nil
1.3	Disputed demands in respect of : Statutory Dues	Nil	Nil
1.4	In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the Entity –	Nil	Nil

2. CAPITAL COMMITMENTS

	Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) –	Nil	Nil

3. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCEs

	In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet	Nil	Nil

5. TAXATION

5.1 In view of there being no taxable income under Income-tax Act 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.

5.2 Steps are being taken to regularize registration under Sec 12A and 80G of the Income Tax Act, 1961.

6. Corresponding figures for the previous year have been regrouped/ rearranged, wherever necessary.

A.S.G

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2022

7. Schedules 1 to 25 are annexed to and forms an integral part of the Balance Sheet as at 31st March, 2021 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

8 Excess Expenditure over Grant received under the head Plan (General), Plan (Creation of Capital Asset) & North East Head adjusted against Capital Fund of the Institute.

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

डा: सतप प्रसाद घोष / Dr. Satup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Receipts & Payment Account for the period / Year Ended 31st March 2022

(Figures in Rupees)

RECEIPTS		Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21	PAYMENTS		Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
I. Opening Balances				**I.Expenses under Non-Plan**			
a) Cash in Hand	3,319.75			Establishment Expenses(Corresponding to Schedule 20)		1,62,57,235.00	1,49,81,790.00
b) Bank Balances				Administrative Expenses(Corresponding to Schedule 21)		3,82,587.00	9,92,638.00
In Current A/c :				**II.Payments made against Funds for Various Projects (Under Plan)**			
S.B.I. (Main Branch)	60,741.50			Fellowship (General)	9,17,795.00		
In Savinsgs A/C				Travelling Expenses (Project)	33,868.00		
S.B.I. (Bikash Branch)	19,83,372.21	20,47,433.46	5,78,380.96	Seminar/workshp/Symposium	4,05,623.00		
II) Grant Received				E.C/F.C/Society Meeting	81,000.00		
Plan (General)	2,75,00,000.00			Special Committee Meeting	1,70,601.00		
Plan(Creation of CapitalAsset)	10,00,000.00			Membership Subscription	18,474.00		
NonPlan(Salaries)	1,78,00,000.00			Guest House Expenses	53,476.00		
S.A.P	2,00,000.00	4,65,00,000.00	3,73,98,000.00	Carhiring & Conveyance charges	6,47,163.00		
III. Income on Investments				Publication News Letter& Occational Paper	2,95,869.00		
a) Earmarked / Endow. Funds		---	---	Maulana Azad Building(Maintenance)	37,36,028.00		
b)Own Fund		---	---	Salt Lake site Maintenance	1,22,61,468.00		
IV. Interest Received				Publication of Books	1,31,580.00		
a) On Bank Deposit S.B.I.		1,90,394.00	1,01,393.00	Repair & Maintenance of O.E	41,90,986.00		
b) On Bank Fixed Deposit (At S.B.I.		6,320.00	6,320.00	Perliamentary Committee Meeting	31,152.00		
V. Other Income				AMC for A.C	58,175.00		
Book Royalty		10,342.00	33,737.00	General Office Maintenance	7,90,511.00		
VI. Amount Borrowed			-	Professional Charges & Legal Exp.	6,24,943.00	2,44,48,712.00	2,07,90,082.00
				III. Investment & Deposit Made			
VII. Any Other Receipts				a) Out of Earmarked / Endow. Funds			
a) Miscellaneous Receipts		2,600.00	2,17,117.00	b) Fixed Deposit (Gratuity & Leave)		15,50,000.00	5,50,000.00
b) Sale of Books			-	**IV. Expenditure or Fixed Assets & Capital**			
VIII: Others				a) Purchase of Fixed Assets			
a) Security Deposit		-	-	Library (J & P)	2,230.00		
b) Award from MIB			-	Digitalisation of Manuscripts,artefacts	-		
c) Library Membership Subscription		8,934.00	25,933.00	Procurement of computer & laptop	1,88,048.00		
e) Cheque Clearing			26,57,426.00	Procurement of Electrical Equipment	-		

GUHA & MATILAL ★ KOLKATA ★ CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरूप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

				Library (Books)	1,54,906.00		
				Library & Office Equipment Furniture	77,623.00		
				Vendors (Journals & Periodicals)	---		
				Maulana Azad Memorablia	-	4,22,807.00	3,11,367.00
				b) Expenditure on Capital Work in Progress (Deposit) C.P.W.D.		---	--
				c)Maulana Azad Building (Renovation)		-	-
				d)Provision for Capital Work-in Progress		-	-
				d)Provision for Capital Work-in Progress		-	-
				V. Refund of Surplus Money Loans			
				a) To the Govt. of India		--	--
				b) To the State Government		-	-
				c) To the Other Providers of Fund		-	-
				VI. Finance Charges (Interest)		-	-
				a) Bank Charges		830.68	1,119.50
				VII Other Payments			
				a) i) T.D.S (Income Tax contractor)		3,89,529.00	2,90,099.00
				ii) T.D.S (G.S.T)		2,31,057.00	-
				b) i) T.D.S Profession Tax (P)		-	23,765.00
				iii) Pay & Allowance Remittance		-	-
				c) Accounts Payable		10,000.00	4,52,347.00
				d) Sundry Creditors		---	---
				e) Municipal Tax		40,809.00	40,604.00
				f) Advance to others		17,66,305.00	30,471.00
				g) Swatch Bharat		1,89,889.00	85,935.00
				h) Advance to Employees		1,42,610.00	1,89,603.00
				j) Imprest A/c.		2,28,309.00	44,468.00
				l) Miscellaneous Remittance		---	1,86,585.00
				o) Chque clearing	-	59,744.00	-
				q) Security Deposit (Others)		6,041.00	-
							-
				a) Cash in Hand	15,011.75		

GURAB MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

				b) Bank Balances			
				In Current A/c :			
				S.B.I. (Bikash Bhavan)	--		
				S.B.I. (Main Branch)	61,542.50		
				ii) In Deposit Accounts	---	-	
				iii) In Savings Accounts: .			
				S.B.I (Bikash Bhavan Branch)	25,63,004.53		
					-	26,39,558.78	20,47,433.46
Total		4,87,66,023.46	4,10,18,306.96	**Total**		4,87,66,023.46	4,10,18,306.96

Workings

Establishment Expenses (Corresponding to Schedule 20)	Amount	Administrative Expenses (Corresponding to Schedule 21)	Amount
Salary for officer/contractual/Manpower	1,23,67,656.00	Miscellaneous Expenses	720.00
T.D.S.(Income Tax)	11,27,351.00	Car Hiring & Conveyance charges	-
T.D.S.(Profession Tax)	38,330.00	Travelling Expense(office staff)	15,397.00
C.P.F. Clearing	4,77,350.00	Auditors Remuneration	3,61,750.00
C.P.F. Advance	3,93,870.00	Hospitality Expenses	-
C.P.F Contribution & Interest (Payable)	8,50,789.00	Locker Rent	4,720.00
Pay & Allowance Remittance	1,31,052.00		
Advance to Govt. Servant	-		
Festival Advance	-		
House Building loan	60,000.00		
Children Education Fund	2,43,000.00		
Medical Expenses	5,67,837.00		
Provision for Gratuity	-		
Provision for Leave EncashmentRs	-		
Pension & Leave Encashment	-		
Leave Travel Concession	-		
Total	1,62,57,235.00	**Total**	3,82,587.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

डा: सरुप प्रसाद घोष / Dr. Sarup Prasad Ghosh
निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

(An Autonomous Body under Ministry of Culture, Government of India)

AZAD BHAVAN
IB BLOCK, PLOT NO. 166, SECTOR III
Salt Lake, kolkata-700106

MAULANA AZAD MUSEUM
5, Ashraf Mistri Lane
Kolkata-700019

Print by : Vrayashpati Udhyog